❑ लखनऊ
❑ वर्ष: 22
❑ अंक : 227

RNI.NO.
UPHIN/2004/13730

Email:
prabhatsamaynews@gmail.com

प्रभात समय

❑ प्रातः कालीन संस्करण ❑ शनिवार, 04 अप्रैल 2026 ❑ पृष्ठ : 08 ❑ मूल्य : 2 रुपया

देश के सर्वोच्च सदन में उठती समान शिक्षा की पुकार 04
जनजातीय युवाओं की खेल प्रतिभा राष्ट्र की अमूल्य पूंजी : राष्ट्रपति 08

संक्षिप्त खबरें

संसद की तीन दिन की बैठक बुलाना सरकार का एकतरफा निर्णय : कांग्रेस

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने कहा है कि कुछ राज्यों के विधानसभा चुनावों के बीच 16 अप्रैल से महिला आरक्षण विधेयक में संशोधन पर चर्चा के लिए संसद की तीन दिवसीय बैठक बुलाना सरकार का एकतरफा निर्णय है और इस बैठक को लेकर विपक्ष को नजरअंदाज कर पूरी तरह से मनमानी की गई है। कांग्रेस के संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने शुक्रवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि संसद की बैठक 16, 17 और 18 अप्रैल को बुलाई गयी है। इस बारे में सरकार के साथ जो विचार विमर्श हुआ था उसमें कहा गया था कि कुछ राज्यों के विधानसभा चुनाव हो रहे हैं इसलिए 29 अप्रैल के बाद सर्वदलीय बैठक बुलाकर इस बारे में विचार किया जाना चाहिए।

पश्चिम बंगाल में मालदा हिंसा का मुख्य आरोपी अरेस्ट

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मालदा में एसआईआर से जुड़े न्यायिक अधिकारियों को बंधक बनाने के मामले में मुख्य आरोपी समेत 35 लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। घटना के 48 घंटे के अंदर पुलिस ने आरोपी मोफक्करुल इस्लाम को बागडोगरा एयरपोर्ट से पकड़ा। वह बेंगलुरु भागने की फिराक में था। इस्लाम कलकत्ता हाईकोर्ट में वकील है। वह 2011 में एआईएमआईएम का उम्मीदवार रह चुका है। मोफक्करुल पर आरोप है कि मालदा के सुजापुर में 1 अप्रैल को एसआईआर में नाम कटने के विरोध प्रदर्शन में भड़काऊ भाषण दिया। इससे लोग भड़क गए और हजारों लोगों ने कलियाचक के बीडीओ ऑफिस को घेर लिया। दो गेट बंद कर दिए गए, जिससे 7 न्यायिक अधिकारी 9 घंटे ऑफिस के अंदर बंधक रहे। देर रात 1 बजे सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर भारी सुरक्षाबल की मौजूदगी में अफसरों को बाहर निकाला गया था। उधर, सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद इलेक्शन कमीशन ने इस मामले की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी को सौंप दी है। एक टीम मालदा पहुंच चुकी है।

देश से घुसपैठियों को बाहर निकालने के लिए भाजपा सरकार प्रतिबद्ध : शाह

ग्वालपाड़ा (असम)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को दुधनाई के कॉलेज ग्राउंड मैदान में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भाजपा उम्मीदवार टंकेश्वर राभा के समर्थन में चुनावी सभा को संबोधित किया। वह असम विधानसभा चुनाव के मद्देनजर दो दिवसीय दौरे पर असम पहुंचे थे। सभा को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि भाजपा सरकार देश से अवैध विदेशी घुसपैठियों को बाहर निकालने के लिए प्रतिबद्ध है।

भारत की नई परमाणु-चालित पनडुब्बी 'आईएनएस अरिदमन' सेवा में शामिल

नौसेना भारतीय वाणिज्यिक जहाजों और तेल टैंकरों की सुरक्षा सुनिश्चित करती है : राजनाथ सिंह

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारत ने स्वदेशी रूप से निर्मित अपनी नयी परमाणु-चालित बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बी 'आईएनएस अरिदमन' को शुक्रवार को सेवा में शामिल कर लिया, जिससे देश के 'परमाणु त्रय' के नौसैन्य घटक को और मजबूती मिली है। विश्वसनीय सूत्रों ने यह जानकारी दी।

भारत का परमाणु-चालित बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बी (एसएसबीएन) कार्यक्रम एक अत्यंत गोपनीय परियोजना है। 'आईएनएस अरिहंत' एसएसबीएन परियोजना के तहत पहली पनडुब्बी थी, जिसके बाद दूसरी पनडुब्बी 'आईएनएस अरिघात' आई। भारत उन चुनिंदा देशों के समूह में शामिल है, जिनके पास परमाणु ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बियां हैं। जिन देशों के पास ऐसी क्षमताएं हैं, उनमें अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, फ्रांस और चीन शामिल हैं। आईएनएस अरिहंत भारत की पहली स्वदेशी परमाणु पनडुब्बी है। इसकी शुरुआत जुलाई 2009 में की गई थी और 2016 में इसे सेवा में शामिल किया गया। नौसेना ने अगस्त 2024 में अपनी दूसरी स्वदेशी एसएसबीएन पनडुब्बी आईएनएस अरिघात को सेवा में शामिल किया। एसएसबीएन का पूरा नाम 'शिप सबमर्सिबल बैलिस्टिक न्यूक्लियर' या परमाणु चालित बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बी है। महीनों तक चले समुद्री परीक्षणों के बाद 'आईएनएस अरिदमन' को सेवा में शामिल किया गया है। जानकारी के अनुसार, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने केरल

स्थित एक नौसैन्य प्रतिष्ठान में आयोजित समारोह में शिरकत की। संबंधित पनडुब्बी को सेवा में शामिल किए जाने के संबंध में अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी नहीं मिली है। रक्षा मंत्री ने आज सुबह एक गूढ़ सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, ''शब्द नहीं शक्ति है, 'अरिदमन'! हालांकि, भारत के पास हवा और ज़मीन से दागी जाने वाली परमाणु क्षमताएं मौजूद हैं, लेकिन अब वह अपनी पानी के नीचे की परमाणु शक्ति को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। यहां आईएनएस तारागिरी के जलावतरण समारोह को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि भारतीय नौसेना हिंद महासागर में लगातार अपनी उपस्थिति बनाए रखती है, चाहे वह फारस की खाड़ी हो या मलक्का जलसंधि। पश्चिम एशिया में मौजूदा परिस्थितियों के कारण तेल आपूर्ति में बाधा और टैंकरों को रोके जाने की स्थिति के बीच उनकी ये टिप्पणियां महत्वपूर्ण मानी जा रही हैं। उन्होंने कहा कि एक मजबूत और सक्षम नौसेना देश के लिए विकल्प नहीं, बल्कि आवश्यकता है। उन्होंने कहा, ''समुद्र में कई संवेदनशील क्षेत्र हैं, जहां हमारी नौसेना लगातार सक्रिय उपस्थिति बनाए रखती है ताकि वस्तुओं की आपूर्ति सुचारु बनी रहे। जब भी वहां तनाव की स्थिति उत्पन्न होती है, भारतीय नौसेना हमारे वाणिज्यिक जहाजों और तेल टैंकरों की सुरक्षा सुनिश्चित करती है। सिंह ने कहा कि भारतीय नौसेना ने यह साबित किया है कि वह न केवल देश के हितों की रक्षा करने में सक्षम है, बल्कि जरूरत पड़ने पर दुनिया भर में अपने नागरिकों और व्यापारिक मार्गों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हर कदम उठा सकती है। इतिहास का हवाला देते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि नौसैनिक शक्ति को मजबूत किए बिना कोई भी देश सही मायनों में शक्तिशाली नहीं बन सकता इसलिए जब नरेंद्र मोदी 2047 तक 'विकसित भारत' की बात करते हैं, तो उसमें समुद्री शक्ति की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है।

युद्ध : अमेरिका में उथल-पुथल

एजेंसी

❑ ट्रंप प्रशासन में रणनीतिक अस्थिरता के संकेत

❑ अमेरिका सेना प्रमुख को पद से हटाया गया दो अन्य उच्च सैन्य अधिकारी बर्खास्त

वाशिंगटन। अमेरिका के युद्ध मंत्री पीट हेगसेथ ने सेना प्रमुख जनरल रैंडी जॉर्ज को उनके पद से हटा दिया है। इसके अलावा दो अन्य उच्च सैन्य अधिकारियों को भी बर्खास्त किया गया है।

यह फैसला राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरान संघर्ष को लेकर राष्ट्र के नाम संबोधन के एक दिन बाद गुरुवार को आया है। श्री ट्रंप ने घोषणा की थी कि अमेरिका ईरान के खिलाफ सैन्य हमलों को और तेज करेगा। उन्होंने संकेत दिया कि यह संघर्ष अगले दो से तीन हफ्तों में समाप्त हो सकता है। जनरल जॉर्ज के अलावा दो अन्य उच्च पदस्थ सैन्य अधिकारियों को भी बर्खास्त किया गया है। इनमें मेजर जनरल विलियम ग्रीन जूनियर और जनरल डेविड होडने शामिल हैं।

एक अमेरिकी अधिकारी के मुताबिक, ये कदम इस अस्थिर दौर में रक्षा विभाग के ढांचे को नया रूप देने के रक्षा मंत्री के व्यापक प्रयासों का हिस्सा हैं। हालांकि जनरल जॉर्ज के कार्यकाल में एक साल से अधिक का समय शेष था, लेकिन युद्ध मंत्रालय ने गुरुवार को पुष्टि की कि वह सेना के 41वें चीफ ऑफ स्टाफ के पद से तत्काल प्रभाव से सेवानिवृत्त हो जाएंगे। युद्ध मंत्रालय के मुख्य प्रवक्ता सीन पार्नेल ने सोशल मीडिया पर जनरल जॉर्ज के जाने की पुष्टि की और उनकी दशकों की सेवा के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने लिखा कि जनरल रैंडी ए. जॉर्ज तत्काल प्रभाव से सेना के 41वें चीफ ऑफ स्टाफ के पद से सेवानिवृत्त हो रहे हैं और राष्ट्र के प्रति उनकी सेवा के लिए विभाग उनका आभारी है। 'जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ' ने भी अमेरिकी सेना में जनरल जॉर्ज के लंबे योगदान के लिए गहरी कृतज्ञता जताई। उन्होंने कहा कि वर्ष 1988 से जनरल जॉर्ज और उनके परिवार ने सम्मान और समर्पण के साथ राष्ट्र की सेवा की है।

ट्रम्प ने ईरान के नागरिक बुनियादी ढांचों पर हमले, पुलों तथा ऊर्ज़ा संयंत्रों को तबाह करने की दी चेतावनी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को ईरान को चेतावनी दी है कि वह ईरान के और भी पुलों और बिजलीघरों को तबाह कर देंगे। उन्होंने ईरान से कहा है कि जो 'किया जाना चाहिए', उसे 'तेजी' से करे।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को चेतावनी दी है कि अगर उनकी शर्तें नहीं मानी तो वह उनके नागरिक बुनियादी ढांचे - जैसे पुलों और विद्युत पावर प्लांट्स को निशाना बनाकर तबाह कर देगा। श्री ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा कि अमेरिकी सेना ने 'ईरान में अभी तक नष्ट करने की प्रक्रिया भी शुरू नहीं की है' और कहा 'पहले पुल, फिर पावर प्लांट्स' को लक्ष्य बनाया जाएगा। उन्होंने लिखा, ''अगला नंबर पुलों का है, फिर बिजलीघरों का! ईरान के नए शासन को पता है कि क्या किया जाना चाहिए और इसे तेजी से करना होगा।' श्री ट्रंप की यह चेतावनी एक बड़े अभियान का हिस्सा है, जिसके तहत अब ईरानी सैन्य ठिकानों के बजाय नागरिक सुविधाओं को निशाना बनाया जा रहा है। इसमें स्टील प्लांट, बिजलीघर और दवा कंपनियों पर हमले शामिल हैं। श्री ट्रंप ने अमेरिकी सेना को दुनिया की 'सबसे शक्तिशाली' बताते हुए कहा कि उन्होंने तो अभी ईरान में तबाही शुरू ही नहीं की है। इससे पहले गुरुवार रात श्री ट्रंप ने ईरान के 'सबसे बड़े पुल' को नष्ट करने की घोषणा की थी और चेतावनी दी थी कि इससे पहले कि बहुत देर हो जाए और इस देश में कुछ भी न बचे ईरान को समझौता कर लेना चाहिए। ईरानी अधिकारियों के अनुसार, राजधानी तेहरान को पश्चिमी शहर कराज से जोड़ने वाले मार्ग पर स्थित बी1 पुल का कुछ हिस्सा अमेरिकी-इजरायली हमले में कल ध्वस्त हो गया था। इस हमले में कम से कम आठ लोग मारे गए हैं और 95 अन्य घायल हुए हैं। ईरानी मीडिया ने इसे पश्चिमी एशिया का सबसे ऊंचा पुल बताया है, जो ▸▸ शेष पेज 02 पर

कैपिटल हिंसा मामले में ट्रंप को राहत नहीं

एजेंसी

❑ ट्रंप केस में बड़े फैसले के बाद जज अमित मेहता सुर्खियों में

वाशिंगटन। भारतीय मूल के अमेरिकी न्यायाधीश अमित मेहता हाल ही में एक महत्वपूर्ण फैसले के बाद सुर्खियों में आ गए हैं। उन्होंने कहा कि 6 जनवरी 2021 को कैपिटल हिल हिंसा से पहले डोनाल्ड ट्रंप द्वारा दिया गया भाषण राष्ट्रपति को मिलने वाली कानूनी छूट (इम्युनिटी) के दायरे में नहीं आता।

कोलंबिया जिले के अमेरिकी जिला न्यायालय के संघीय न्यायाधीश मेहता ने स्पष्ट किया कि व्हाइट हाउस के पास 'द एलिप्स' पार्क में दिया गया ट्रंप का भाषण राजनीतिक प्रकृति का था, न कि उनके आधिकारिक कर्तव्यों का हिस्सा। इस कारण, इसे कानूनी संरक्षण नहीं मिल सकता। यह मामला 6 जनवरी 2021 को अमेरिकी संसद परिसर (कैपिटल) में हुई हिंसा से जुड़ा है। न्यायाधीश मेहता पहले भी 2022 में ट्रंप द्वारा इस घटना से जुड़े मुकदमों को खारिज करने की मांग को ठुकरा चुके हैं। अपने फैसले में मेहता ने 2 जनवरी 2021 की एक फोन कॉल का भी उल्लेख किया, जिसमें ट्रंप ने जॉर्जिया के सेक्रेटरी ऑफ स्टेट ब्रैड रैफेंसपर्गर से 11,780 वोट जुटाने का आग्रह किया था। न्यायाधीश ने इसे भी राजनीतिक कार्रवाई बताया, न कि राष्ट्रपति के आधिकारिक कर्तव्य का हिस्सा। मेहता ने अपने आदेश में लिखा कि यह ह्लएक पद पाने की इच्छा रखने वाले व्यक्ति के शब्द हैं, न कि एक पद पर बैठे राष्ट्रपति के आधिकारिक कृत्य। हालांकि उन्होंने यह भी माना कि ट्रंप के कुछ कदम–जैसे न्याय विभाग को दिए निर्देश–आधिकारिक स्वरूप के हो सकते हैं और उन्हें मुकदमे में सबूत के तौर पर इस्तेमाल नहीं ▸▸ शेष पेज 02 पर

केंद्रीय मंत्री के नाम के आगे सम्मान सूचक शब्द क्यों नहीं : हाईकोर्ट

प्रभात समय संवाददाता

प्रयागराज। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने एक एफआईआर में केंद्रीय मंत्री के नाम के साथ सम्मानसूचक शब्द न लगाए जाने पर सख्त रुख अपनाते हुए उत्तर प्रदेश सरकार से स्पष्टीकरण मांगा है।

जस्टिस जेजे मुनीर और जस्टिस तरुण सक्सेना की खंडपीठ ने राज्य के अपर मुख्य सचिव (गृह) को हलफनामा दाखिल कर इस चूक का कारण बताने का निर्देश दिया। अदालत ने पाया कि एफआईआर में एक स्थान पर केंद्रीय मंत्री का नाम बिना किसी सम्मानसूचक शब्द जैसे 'माननीय' या 'श्री' के सीधे लिखा गया। इस पर हाईकोर्ट ने टिप्पणी की कि भले ही शिकायतकर्ता ने मंत्री का उल्लेख इस तरह किया हो लेकिन पुलिस का दायित्व था कि एफआईआर दर्ज करते समय प्रोटोकॉल का पालन करते हुए उचित सम्मानसूचक शब्द जोड़े जाएं। अदालत ने यह निर्देश एक याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया, जिसमें ▸▸ शेष पेज 02 पर

सीबीएसई कक्षा 6 से तीन-भाषा प्रणाली लागू करेगा

एजेंसी

नयी दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने अपना नया शैक्षिक कार्यक्रम लागू कर दिया है, जिसके तहत शैक्षणिक सत्र 2026-27 से कक्षा 9 के लिए गणित और विज्ञान की दो-स्तरीय प्रणाली तथा कक्षा 6 से तीन-भाषा फॉर्मूले का चरणबद्ध कार्यान्वयन शुरू किया जाएगा। सीबीएसई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि 2026 से नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत

अनिवार्य तीन-भाषा फार्मूला कक्षा 6 के लिए लागू किया जाएगा, जबकि कक्षा 9 के लिए गणित और विज्ञान में अनिवार्य मानक एवं वैकल्पिक उन्नत पाठ्यक्रमों की दो-स्तरीय प्रणाली शुरू की जाएगी।

❑ कक्षा 9 के लिए गणित, विज्ञान के दो स्तर होंगे

अधिकारी ने कहा, अमेरिकाभाषाओं को तीन चरणों-आर1, आर2 और आर3-में एक सुव्यवस्थित तीन-भाषा ढांचे के तहत व्यवस्थित किया गया है। नये राष्ट्रीय पाठ्यक्रम ढांचे (एनसीएफ) की सिफारिशों के अनुसार, इन तीन भाषाओं में से दो भारत की मूल भाषाएं होनी चाहिए। उन्होंने कहा, अमेरिकाबहुभाषी शिक्षा के चरणबद्ध कार्यान्वयन के बोर्ड के प्रयासों को जारी रखते हुए शैक्षणिक सत्र 2026-27 से कक्षा 6 से तीसरी भाषा को अनिवार्य कर दिया जाएगा, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि प्रत्येक छात्र कम से कम दो भारतीय भाषाओं का अध्ययन करे।अमेरिका अधिकारी के मुताबिक, अमेरिकाहालांकि, एक समान भाषा योजना को अपनाना वांछनीय है, लेकिन अगर कोई छात्र विदेश के किसी स्कूल से पढ़कर आया है और उसने वहां कक्षा 8 या 9 तक जो तीसरी भाषा पढ़ी थी, वह भारत के स्कूलों में उपलब्ध नहीं है, तो ऐसे खास मामलों में उसे निर्धारित ▸▸ शेष पेज 02 पर

अदालतों को आवश्यक धार्मिक प्रथाओं का निर्धारण नहीं करना चाहिए

एजेंसी

नयी दिल्ली। अखिल भारतीय संत समिति ने उच्चतम न्यायालय से कहा है कि अदालतों को आवश्यक धार्मिक प्रथाओं का निर्धारण नहीं करना चाहिए क्योंकि ये लोगों की आस्था से जुड़ी होती हैं और उनके लिए पवित्र होती हैं।

समिति ने शबरिमला पुनर्विचार याचिका की आगामी सुनवाई में हस्तक्षेप करने का अनुरोध करते हुए उच्चतम न्यायालय के समक्ष यह बात कही। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली नौ-सदस्यीय पीठ केरल के शबरिमला मंदिर समेत धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के साथ भेदभाव से संबंधित याचिकाओं पर अंतिम सुनवाई सात अप्रैल से शुरू करेगी। सितंबर 2018 में, पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने 4:1 के बहुमत से फैसला सुनाते हुए उस प्रतिबंध को हटा दिया था, जो 10 से 50 वर्ष की आयु की महिलाओं को केरल के शबरिमला स्थित अय्यप्पा मंदिर में प्रवेश करने से रोकता था। शीर्ष

❑ संत समिति ने उच्चतम न्यायालय से कहा

अदालत ने कहा था कि सदियों पुरानी यह हिंदू धार्मिक प्रथा अवैध और असंवैधानिक है। अखिल भारतीय संत समिति ने वकील अतुलेश कुमार के माध्यम से दायर अपनी अर्जी में शबरिमला पुनर्विचार याचिका की सुनवाई में हस्तक्षेप करने के लिए अदालत की अनुमति मांगी है। याचिका में कहा गया है कि न्यायपालिका को धार्मिक प्रथाओं में तभी हस्तक्षेप करना चाहिए जब वे सीधे तौर पर सार्वजनिक व्यवस्था का उल्लंघन करती हों या ▸▸ शेष पेज 02 पर

असम के चुनावी रण में गरजे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

असम को नहीं बनने देंगे लव जेहाद एवं लैंड जेहाद की धरती

एजेंसी

बरपेटा (असम)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को असम में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) उम्मीदवार दीपक कुमार दास के पक्ष में बरपेटा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस एवं एआईयूडीएफ पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस चुनाव के पहले ही मैदान छोड़कर भाग गई, जबकि एआईयूडीएफ को भी बंगाल की खाड़ी में फेंकने का समय आ गया है।

उन्होंने असमवासियों से एक बार फिर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार बनाने का आह्वान किया और कहा कि घुसपैठियों को बाहर करना है और असम की डेमोग्राफी को बदलने नहीं देना है। राजग का संकल्प है कि असम को लव जेहाद-लैंड जेहाद की धरती नहीं बनने देंगे। यहां घुसपैठ नहीं होने देंगे। कांग्रेस व यूडीएफ की घुसपैठियों के जरिये डेमोग्राफी बदलने की साजिश सफल नहीं होने देंगे। एक-एक घुसपैठी को चिह्नित कर यहां से बाहर करने की भी व्यवस्था हो रही है।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि डबल इंजन सरकार ने तय किया है कि असम को घुसपैठ का अड्डा नहीं बनने देंगे और दंगाइयों को निकाल बाहर करेंगे। कांग्रेस एवं एआईयूडीएफ को जब भी अवसर मिला, इन्होंने भारत व भारतीयता को अपमानित किया। एआईयूडीएफ असम में घुसपैठ की जननी है। घुसपैठियों के बल पर असम की सत्ता पर कब्जा करना चाहती है। कांग्रेस उनकी सहयोगी बनकर असम की संस्कृति से खिलवाड़ कर रही है। वहीं राजग सरकार असम की सांस्कृतिक धरोहर का संरक्षण करते हुए हर घुसपैठिए को बाहर कर डेमोग्राफी को चेंज करने की साजिश को विफल कर रही है। उन्होंने असमवासियों को रंगाली बिहू उत्सव की शुभकामना देते हुए असम को भारत के गौरव की धरा बताया और कहा कि हर भारतवासी यहां मां कामाख्या के दर्शन करने आता है। यहां की आध्यात्मिक, सांस्कृतिक व समृद्ध परंपरा ने 'एक भारत-

श्रेष्ठ भारत' के निर्माण में महती भूमिका का निर्वहन किया है। वैष्णव परंपरा में श्रीमंत शंकर देव व माधव देव की पावन धरा ने नई ऊंचाई के साथ इसे एकता, भक्ति व मानवता के संदेश की भूमि के रूप में परिवर्तित किया है।

असम का काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान एक सींग वाले गैंडों के साथ जैव विविधता के लिए जग विख्यात है। अहोम राजवंश ने इसी पावन धरा में विदेशी आक्रांताओं के छक्के छुड़ाकर अहोम की समृद्ध संस्कृति को नई ऊंचाइयों तक ले जाकर भारत की रक्षा में योगदान दिया था। अहोम राजवंश के महान नायक लचित बोरफुकन का अदम्य साहस, शौर्य व पराक्रम भारतीय युवाओं के लिए प्रेरणा रहा है। असम ने मेहनत, परिश्रम व पुरुषार्थ से चाय की चुस्की को दुनिया तक पहुंचाया। असम अब चाय के साथ चिप के उत्पादन की केंद्रभूमि भी बन रही है। मुख्यमंत्री योगी ने तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार में भारत रत्न केवल एक खानदान के लोगों को प्राप्त होता था। असम के संगीत एवं संस्कृति की पहचान भूपेन हजारिका को भारत रत्न 2019 में मोदी सरकार ने और गोपीनाथ बोरदोलोई को 1999 में अटल बिहारी वाजपेयी सरकार ने दिया। कांग्रेस नेतृत्व की सरकारों ने 60 वर्षों तक असम में अराजकता, दंगा, कर्फ्यू, घुसपैठ को बढ़ावा देकर सुरक्षा में सेंध लगाई और विरासत को अपमानित किया। कांग्रेस को मां कामाख्या कॉरिडोर, काजीरंगा नेशनल पार्क में गैंडा संरक्षण, असम एवं पूर्वोत्तर की कनेक्टिविटी याद नहीं आई। आज पूर्वोत्तर राज्यों में सड़क, रेल, एयरपोर्ट व इनलैंड वाटरवे की बेहतरीन कनेक्टिविटी है और यहां इंजीनियरिंग कॉलेज, मेडिकल कॉलेज, एम्स, आईआईटी, आईआईएम का निर्माण हो रहा है। मुख्यमंत्री ने मतदाताओं से संवाद करते हुए कहा कि देश में जहां-जहां राजग सरकार है, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में वहां-वहां विकास और विरासत का सम्मान है। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में रामजन्मभूमि के लिए आंदोलन चला। असम से भी ▸▸ शेष पेज 02 पर

नवाबगंज भाजपा मंडल की बैठक सम्पन्न

नवाबगंज, बहराइच । शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी मण्डल नवाबगंज की बैठक नवागंतुक मण्डल अध्यक्ष हर्षित सिंह की अध्यक्षता मे बाबा श्री मंगलीनाथ धाम स्थित पंचायत भवन पर आहूत की गई जिसके मुख्य अतिथि जिला उपाध्यक्ष हरिश्चंद्र गुप्ता रहे। बैठक में जिला कार्यसमिति सदस्य बेचेलाल जायसवाल किसान मोर्चा जिला उपाध्यक्ष विजय कुमार सिंह पूर्व विधानसभा प्रभारी विश्वनाथ श्रीवास्तव पूर्व जिला अध्यक्ष पिछड़ा मोर्चा रामचंद्र चौधरी पूर्व मण्डल अध्यक्ष बलवंत सिंह सहित मंडल के सभी उपाध्यक्ष सभी मंत्री सभी महामंत्री कोषाध्यक्ष एवं शक्ति केंद्र संयोजक उपस्थित रहे मंडल महामंत्री पिंटू गुप्ता ने बताया कि नवागंतुक मंडल अध्यक्ष का स्वागत सम्मान कार्यक्रम के बाद आगामी 4 और 5 तारीख को होने वाले कार्यशाला के विषय पर चर्चा की गई उन्होंने बताया कि नवाबगंज मंडल में भाजपा को सशक्त बनाने के लिए पार्टी कार्यकर्ताओं ने जोर दिया।

कैसरगंज मे बालाजी महाराज की निकली भव्य शोभायात्रा

कैसरगंज (बहराइच) स्थानीय रामलीला मैदान से बालाजी महाराज की भव्य एवं विशाल शोभायात्रा श्रद्धा, उल्लास और भक्तिभाव के साथ निकाली गई।बालाजी महाराज की यह शोभायात्रा रामलीला मैदान से प्रारंभ होकर कैसरगंज मण्डी होते हुए हनुमान मंदिर तक पहुंची। यात्रा के दौरान पूरे मार्ग में श्रद्धालुओं द्वारा जगह-जगह पुष्प वर्षा कर बालाजी महाराज का भव्य स्वागत किया गया। वातावरण ïजय श्री रामï और ïजय बजरंगबलीï के जयघोष से गुंजायमान हो उठा, जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया।शोभायात्रा के शुभारंभ से पूर्व विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी गौरव वर्मा जी ने विधिवत पूजा-अर्चना कर बालाजी महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया और यात्रा का शुभारंभ किया।इस अवसर पर बालाजी महाराज की भक्ति में डूबे श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। कार्यक्रम में ब्लाक प्रमुख संदीप सिंह विसेन, नीरज श्रीवास्तव एडवोकेट,पूर्व मंडल अध्यक्ष शिवसहाय सिंह, मंडल अध्यक्ष शिवानंद सिंह,संजय सोनी, रीतेश श्रीवास्तव, हीरालाल मौर्य, पूर्व प्रधान बड़कऊ सिंह, अनिल सोनी, सत्यम सोनी, हिमांशु सिंह, डॉ. अरविन्द सिंह, गजेन्द्र सिंह, संदीप सोनी, विनोद जैन, राजू मिश्रा, हरि गुप्ता सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

मेडिकल कॉलेज में 'कैंपस कॉलिंग' कार्यक्रम का आयोजन

पांच छात्र-छात्राएं बने एंबेसडर, महिला सुरक्षा के प्रति जागरूकता की ली शपथ

प्रभात समय संवाददाता

बहराइच। महाराजा सुहेलदेव स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय एवं महर्षि बालार्क चिकित्सालय से संबद्ध कॉलेज ऑफ नर्सिंग में राष्ट्रीय महिला आयोग के निर्देशानुसार 'कैंपस कॉलिंग प्रोग्राम' का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम नर्सिंग के उप-प्रधानाचार्य डॉ. सुदीश एस. एवं अन्य शिक्षकों के नेतृत्व में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं को चलचित्र के माध्यम से कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की रोकथाम, लैंगिक समानता और साइबर सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों के प्रति जागरूक किया गया। छात्राओं को यौन उत्पीड़न से संबंधित कानूनी प्रावधानों, शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया तथा संस्थान स्तर पर गठित आंतरिक शिकायत समिति की भूमिका के बारे में जानकारी दी गई।

उन्हें बताया गया कि कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध एवं प्रतितोष) अधिनियम, 2013 के तहत शिकायतकर्ता की पहचान गोपनीय रखी जाती है और उसके साथ किसी प्रकार का दबाव या प्रताड़ना न हो, इसकी जिम्मेदारी संस्थान की होती है। आवश्यकता पड़ने पर शिकायतकर्ता को सुरक्षित माहौल देने के लिए कक्षा या कार्यस्थल में अस्थायी बदलाव जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाती हैं।

सत्र में यह भी स्पष्ट किया गया कि यौन उत्पीड़न केवल शारीरिक दुर्व्यवहार तक सीमित नहीं है। इसमें अशोभनीय टिप्पणी करना, गलत इशारे करना, बिना अनुमति छूना, बार-बार अनचाहा संपर्क करना, सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक संदेश भेजना, धमकी देना या लैंगिक आधार पर अपमानजनक व्यवहार करना भी शामिल है। ऐसे मामलों में सहपाठी, शिक्षक, कर्मचारी या परिसर से जुड़ा कोई भी व्यक्ति आरोपी हो सकता है।

कार्यक्रम में साइबर सुरक्षा के विषय पर भी जानकारी दी गई। छात्र-छात्राओं को सोशल मीडिया का सुरक्षित उपयोग करने, निजी जानकारी साझा करने से बचने तथा ऑनलाइन उत्पीड़न की स्थिति में तुरंत शिकायत दर्ज कराने के तरीकों के बारे में बताया गया।

इस अवसर पर सभी छात्र-छात्राओं ने महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने और समाज में इसके प्रति जागरूकता फैलाने की शपथ ली। कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता के आधार पर पांच विद्यार्थियों को 'एंबेसडर' के रूप में चयनित किया गया। इनमें तीन छात्राएं-महिमा मिश्रा, खुशी सिंह एवं खुशी शुक्ला तथा दो छात्र-सिद्धार्थ अवस्थी और राजकुमार यादव शामिल हैं।

सुरक्षित व समावेशी माहौल बनाना है उद्देश्य

मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य प्रो. डॉ. संजय खत्री ने कहा कि 'कैंपस कॉलिंग प्रोग्राम' का उद्देश्य शिक्षण संस्थानों में सुरक्षित, सम्मानजनक और समावेशी वातावरण तैयार करना है, जिससे छात्र-छात्राएं जेंडर भेदभाव, यौन उत्पीड़न और साइबर अपराध जैसी चुनौतियों के प्रति सजग रह सकें।

दिव्यांगजनों पर सरकार का विशेष ध्यान, दी जायेगी सम्मान के साथ जरूरत के सहायक उपकरण

प्रभात समय संवाददाता

- 6 अप्रैल को ITI परिसर में दिव्यांगजनों को मिलेंगे सहायक उपकरण, 1591 लाभार्थी होंगे लाभान्वित
- 22-23 मार्च 2025 को ITI मे शिविर में चिन्हित किए गए थे लाभार्थी
- 16 ब्लॉकों से 60 बसों व भोजन की समुचित व्यवस्था

देवरिया। जनपद में दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों के सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत भारत सरकार की एडीआईपी योजना एवं राष्ट्रीय वयोश्री योजना के अंतर्गत चयनित लाभार्थियों को 6 अप्रैल को सहायक उपकरण वितरित किए जाएंगे।

यह वितरण कार्यक्रम आईटीआई परिसर में आयोजित होगा, जिसमें माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री बी. एल. वर्मा एवं सांसद सहित अन्य जनप्रतिनिधिगणों की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। जिलाधिकारी दिव्या मित्तल ने बताया कि एलिम्को के सहयोग से 22 व 23 मार्च 2025 को आयोजित शिविर में कुल 1591 दिव्यांगजनों को उनकी आवश्यकता के अनुसार विभिन्न सहायक उपकरणों हेतु चिन्हित किया गया था। सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। उन्होंने बताया कि वितरण प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित बनाने के लिए प्रत्येक लाभार्थी का फोटो सत्यापन किया जाएगा तथा उपकरणों को क्यूआर कोड के माध्यम से लाभार्थियों से जोड़ा जाएगा, जिससे जवाबदेही सुनिश्चित होगी।

लाभार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए जनपद के 16 विकास खंडों से कुल 60 बसों का संचालन किया जाएगा। साथ ही संबंधित ब्लॉकों पर भोजन की भी व्यवस्था की गई है। कार्यक्रम स्थल पर पेयजल, शौचालय, चिकित्सा सुविधा, साफ-सफाई एवं सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए गए हैं। जिलाधिकारी ने अपील की है कि सभी चयनित लाभार्थी अपनी पर्ची एवं आवश्यक दस्तावेजों के साथ सुबह 8 बजे तक अपने विकास खंड मुख्यालय पहुंचें। जो लाभार्थी सीधे कार्यक्रम स्थल पर आना चाहते हैं, वे प्रातः 9 बजे तक आईटीआई परिसर पहुंच सकते हैं। कार्यक्रम का सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लाइव प्रसारण भी किया जाएगा, जिससे अधिक से अधिक लोग इस योजना की जानकारी प्राप्त कर सकें। जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप पात्र लाभार्थियों को समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से लाभान्वित करना प्रशासन की प्राथमिकता है तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

रेडियो केवल सूचना का यंत्र नहीं : जयंतधर

प्रभात समय संवाददाता

बहराइच। जनपद के वरिष्ठ नागरिकों को टीबी (क्षय रोग) के प्रति जागरूक करने और उनके मानसिक संबल हेतु रेडियो सरजू 89.6 FM और SMART (Seeking Modern Application for Real Transformation), नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में एक विशेष स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। 'सेहत सही, लाभ कई' अभियान के अंतर्गत यह फील्ड विजिट और नैरोकास्टिंग कार्यक्रम चितौरा ब्लॉक के ग्राम पंचायत अमीनपुर नगरौर स्थित वृद्धाश्रम में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता एवं संयोजक जयंतधर द्विवेदी ने बुजुर्गों के साथ सीधा संवाद स्थापित करते हुए टीबी रोग के शुरुआती लक्षणों, समय पर जांच और नियमित उपचार की अनिवार्यता पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि ''रेडियो केवल मनोरंजन या सूचना का यंत्र नहीं है, बल्कि यह समाज के अंतिम व्यक्ति तक वास्तविक परिवर्तन (Real Transformation) पहुँचाने का सबसे सशक्त और सुलभ माध्यम है।'' उन्होंने बुजुर्गों को प्रेरित करते हुए बताया कि स्वस्थ जीवन ही सबसे बड़ी पूंजी है और टीबी मुक्त भारत के संकल्प में वरिष्ठ नागरिकों का अनुभव,सहयोग और उनकी जागरूकता अत्यंत महत्वपूर्ण है।

संवाद कार्यक्रम के दौरान टीबी के लक्षणों और उपचार के साथ-साथ सरकारी योजनाओं में बुजुर्गों की भागीदारी पर भी चर्चा की गई। कार्यक्रम के अंत में वृद्धाश्रम के सभी बुजुर्गों ने इस स्वास्थ्य पहल की सराहना की और एक-दूसरे को टीबी मुक्त समाज के लिए जागरूक करने का सामूहिक संकल्प लिया।

संस्था के मूल मंत्र 'आधुनिक अनुप्रयोगों के माध्यम से वास्तविक परिवर्तन' को चरितार्थ करते हुए, वृद्धजनों के निरंतर मनोरंजन और स्वास्थ्य अपडेट के लिए टीम द्वारा वृद्धाश्रम प्रबंधक दिलीप द्विवेदी को एक रेडियो सेट प्रदान किया गया। अब आश्रम के बुजुर्ग रेडियो सरजू पर प्रसारित होने वाले ज्ञानवर्धक और स्वास्थ्य संबंधी कार्यक्रमों का सीधा लाभ उठा सकेंगे। इस अवसर पर टीम रेडियो सरजू से इंद्रजीत मिश्र, वृद्धाश्रम के प्रबंधक दिलीप द्विवेदी, आश्रम के समस्त स्टाफ और बड़ी संख्या में उत्साहित बुजुर्ग उपस्थित रहे।

म्यूल अकाउंट जांच में साइबर क्राइम टीम की बड़ी कार्रवाई

डमी कंपनी बनाकर धोखाधड़ी के धन के ट्रांजैक्शन करने वाले गिरोह का पर्दाफाश, 01 अभियुक्त गिरफ्तार व दस्तावेज/इलेक्ट्रानिक उपकरण बरामद

प्रभात समय संवाददाता

देवरिया। पुलिस अधीक्षक संजीव सुमन द्वारा जनपद में अपराध एवं अपराधियों की रोकथाम हेतु चलाये जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी आनन्द कुमार पाण्डेय के कुशल निर्देशन व क्षेत्राधिकारी नगर संजय कुमार रेड्डी के कुशल पर्यवेक्षण में थाना साइबर क्राइम पुलिस टीम द्वारा 02 अप्रैल 2026 को म्यूल अकाउंट के माध्यम से हो रहे ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी के मामलों की जांच के क्रम में थाना बरहज क्षेत्रान्तर्गत बेलडाड़ मोड़ के पास से अभियुक्त नाम पता माखन लाल गुप्ता पुत्र राममूरत गुप्ता निवासी बरगइया टोला जयनगर वार्ड नं0-4 थाना बरहज जनपद देवरिया को गिरफ्तार किया गया। माखन लाल गुप्ता उपरोक्त की कम्पनी जिसका नाम लेक्सी रुफ साफ्टवेयर साल्यूलशन प्राइवेट लिमिटेड बरहज व अन्य लोगों के 09 खाते शामिल है जिसका संचालन गिरफ्तार अभियुक्त माखनलाल गुप्ता द्वारा ही किया जा रहा है। जिसमें लेक्सी रुफ साफ्टवेयर साल्यूलशन प्राइवेट लिमिटेड बरहज कम्पनी के खातों पर विभिन्न राज्यों से एनसीआरपी पोर्टल पर कुल 46 शिकायतें दर्ज है। उक्त खाते से अभियुक्त द्वारा अबतक लगभग 60 करोड़ रुपये का संदिग्ध ट्रंजेक्शन किया गया । अभियुक्त के पास से 11 अदद चेकबुक, 02 अदद कैंसिल लूज चेक, 01 अदद पासबुक, 09 अदद एटीएम कार्ड, 01 अदद आधार कार्ड , 01 अदद एपीआई सर्विस एग्रीमेन्ट स्टेम्प फिनकिंग विजनेश सेल्युसन कुल 18 वर्क, 01 अदद एपीआई सर्विस एग्रीमेन्ट स्टेम्प स्पीड पैसा टेक प्र0लि0 कुल 18 वर्क, 01 अदद एपीआई सर्विस एग्रीमेन्ट स्टेम्प स्पीड पैसा टेक प्र0लि0 कुल 20 वर्क, एमओए लैक्सीरुफ साफ्टवेयर प्राइवेट लिमटेड कुल 10 वर्क , एओए लैक्सीरुफ साफ्टवेयर प्राइवेट लिमटेड 16 वर्क, सर्टिफिकेट ऑफ इनकार्पोरेशन 01 वर्क, जीएसटी रजिस्टेशन कुल 03 वर्क, बोर्ड रिजुलेशन कुल 03 वर्क, पार्टनरशीप डिकलियरेशन कुल 01 वर्क,मर्चेन्ट डियु डेलिगेन्स कुल तीन वर्क, डायरेक्टर शेयर होल्डिंग पैटर्न कुल 04 वर्क, लेटर पैड 01 वर्क, अन्य कागजात कुल 09 वर्क, एक अदद पीला झोला, 01 अदद एप्पल हैंडसेट, 02 अदद ल्क्षद्यद्य लैपटाप मय चार्जर को बरामद करते हुए अभियुक्त के विरुद्ध थाना साइबर क्राइम देवरिया पर मु0अ0सं0-09/2026 धारा 318(4), 319(2), 336(3), 340, 3(5) बीएनएस व 66क ऋद्ध इएङ्ग का अभियोग पंजीकृत करते हुए नियमानुसार कार्यवाही की जा रही है। अन्य संलिप्त अभियुक्तों की तलाश जारी है। साइबर अपराधों से बचाव हेतु अपने बैंक खाते, एटीएम/डेबिट कार्ड, ओटीपी, एवं अन्य गोपनीय जानकारी किसी के साथ साझा न करें। किसी भी संदिग्ध लेन-देन की सूचना तत्काल साइबर हेल्पलाइन 1930 या नजदीकी थाने पर दें।

गश्त व अपराध नियंत्रण पर जोर

प्रभात समय संवाददाता

कैसरगंज (बहराइच)। स्थानीय थाना परिसर में शुक्रवार को उपनिरीक्षक एवं आरक्षियों की एकबैठक थानाध्यक्ष राजेश शुक्ला की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में नवागत पुलिस अधीक्षक द्वारा जारी आदेश-निर्देशों से सभी को अवगत कराया गया।बैठक के दौरान थानाध्यक्ष श्री शुक्ला ने कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने हेतु कई अहम निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि थाना क्षेत्र में लगातार गश्त की जाए और संदिग्ध व्यक्तियों की सघन चेकिंग सुनिश्चित की जाए, जिससे किसी भी आपराधिक गतिविधि पर समय रहते अंकुश लगाया जा सके। उन्होने लंबित विवेचनाओं को शीघ्र निस्तारित करने, वांछित एवं इनामी अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिए।थानाध्यक्ष ने महिला संबंधी अपराधों एवं जन शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर त्वरित निस्तारण करने पर विशेष जोर दिया गया।थानाध्यक्ष ने सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों को उच्चाधिकारियों द्वारा दिए गए निर्देशों का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित करने के लिए सख्त निर्देश दिए।उन्होंने सभी को अपने-अपने दायित्वों का ईमानदारी, सजगता एवं तत्परता के साथ निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया ताकि क्षेत्र में शांति, सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था कायम रखी जा सके।

पीसीएस में चयनित अनुष्का यादव को भारतीय संविधान प्रदान कर किया गया सम्मानित

प्रभात समय संवाददाता

देवरिया। समाजवादी पार्टी के पूर्व प्रवक्ता एवं सामाजिक चिंतक चंद्रभूषण सिंह यादव द्वारा भाटपार रानी के खोरहवा निवासिनी अनुष्का यादव को पीसीएस में चयनित होने पर भारतीय संविधान प्रदान कर सम्मानित किया गया।

सपा के पूर्व प्रवक्ता चंद्रभूषण सिंह यादव ने अनुष्का यादव को सम्मानित करते हुए कहा कि प्रतिभा की पूछ सर्वत्र होती है।व्यक्ति कठिन मेहनत और ज्ञानार्जन से दुनिया की हर चीज अपनी मुट्ठी में कर सकता है जैसा अनुष्का यादव ने किया है। पीसीएस में चयनित अनुष्का यादव ने अपने स्वागत से भाव विभोर हो कहा कि मुझे आगे भारतीय संविधान के अनुरूप ही कार्य करना है अस्तु सम्मान में मिला भारतीय संविधान आदरणीय है। उक्त अवसर पर उपस्थित दीनानाथ चौधरी,डा मुकेश यादव, प्रदीप कुमार यादव आदि उपस्थित प्रबुद्ध जनों ने अनुष्का यादव को उनकी शानदार सफलता पर बधाई देते हुए प्रसन्नता जताया।

पेज एक का शेष...

ट्रम्प ने ईरान के नागरिक...

तेहरान और कराज के बीच यात्रा के समय को एक घंटे से घटाकर 10 मिनट करने वाला एक महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट था।

कैपिटल हिंसा...

किया जा सकता। गुजरात के पाटन में 1971 में जन्मे अमित मेहता को 2014 में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा द्वारा संघीय न्यायाधीश नियुक्त किया गया था। इससे पहले 2023 में उन्होंने एक और अहम फैसला देते हुए क्वधदद्यद्ग को एंटी-ट्रस्ट कानूनों के उल्लंघन का दोषी ठहराया था। हालांकि न्यायाधीश ने यह स्पष्ट किया कि यह फैसला अंतिम नहीं है और ट्रंप को मुकदमे के दौरान आधिकारिक छूट का दावा फिर से करने का अधिकार रहेगा।

केंद्रीय मंत्री के नाम के...

आपराधिक धमकी और आपराधिक विश्वासघात से जुड़े आरोपों को चुनौती दी गई और उसी एफआईआर में सम्बंधित केंद्रीय मंत्री का नाम भी शामिल है। हाईकोर्ट ने रजिस्ट्रार (अनुपालन) को आदेश दिया कि वह यह निर्देश 48 घंटे के भीतर सम्बंधित अधिकारियों तक पहुंचाएं। मामले की अगली सुनवाई छह अप्रैल को होगी। हाईकोर्ट ने यह आदेश हर्षित शर्मा व दो अन्य की तरफ से दाखिल याचिका पर दिया है। मामला मथुरा का है।

सीबीएसई कक्षा 6...

मानदंडों के अनुसार छूट दी जा सकती है। हालांकि, इन छात्रों के लिए कुल उतने विषयों को पढ़ना अनिवार्य होगा, जितने अध्ययन योजना में निर्धारित किए गए हैं। अधिकारी के अनुसार, कक्षा 9 के लिए शैक्षणिक सत्र 2026-27 से गणित और विज्ञान की दो-स्तरीय प्रणाली शुरू होने से दोनों विषयों में एक बड़ा संरचनात्मक बदलाव देखने को मिलेगा। उन्होंने कहा, अमेरिकासभी छात्र मानक पाठ्यक्रम का अध्ययन करेंगे और तीन घंटे की 80 अंकों की एक समान परीक्षा में शामिल होंगे। उच्च दक्षता का विकल्प चुनने वाले छात्र दोनों विषयों में से किसी एक या दोनों में एक अतिरिक्त 'उन्नत' स्तर का चयन कर सकते हैं। इस स्तर में एक घंटे का 25 अंकों का एक अन्य प्रश्नपत्र हल करना होगा, जिसे उच्च-स्तरीय बौद्धिक कौशल और गहन वैचारिक समझ आंकने के लिए तैयार किया गया है। अधिकारी ने कहा, अमेरिकाछात्रों के लिए मानक परीक्षा देना अनिवार्य होगा, जबकि उन्नत परीक्षा वैकल्पिक रहेगी। अहम बात यह है कि उन्नत परीक्षा में हासिल अंकों को कुल अंकों में नहीं जोड़ा जाएगा; इसके बजाय 50 फीसदी या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्रों की मार्कशीट में उन्नत स्तर की योग्यता अलग से दिखाई जाएगी। उन्होंने बताया कि गणित और विज्ञान के लिए दो-स्तरीय प्रणाली (मानक और उन्नत) पर आधारित कक्षा 10 की पहली बोर्ड परीक्षा 2028 में आयोजित की जाएगी।

अदालतों को आवश्यक...

नैतिकता और स्वास्थ्य के आधार पर ऐसा करना आवश्यक हो। इसमें कहा गया है कि समानता के मौलिक अधिकार (संविधान के अनुच्छेद 14 के तहत प्रदत्त) का इस्तेमाल धर्म को स्वतंत्र रूप से मानने और उसका पालन करने के अधिकार (अनुच्छेद 25) को दरकिनार करने के लिए नहीं किया जाना चाहिए। शबरिमला मंदिर में लगाए गए प्रतिबंधों को उचित ठहराते हुए याचिका में कहा गया है कि कुछ मंदिर अनुष्ठानों और विशिष्ट परंपराओं का पालन करते हैं। याचिका में दलील दी गई है कि इस धार्मिक प्रथा को अनुच्छेद 25 के तहत संरक्षित किया जाना चाहिए और इसे महिलाओं पर पूर्ण प्रतिबंध नहीं कहा जा सकता है क्योंकि यह एक विशेष आयु वर्ग को प्रतिबंधित करती है और इसलिए, यह अनुच्छेद 14 का उल्लंघन नहीं करती है।

असम को नहीं...

रामभक्त जाते थे, नारा लगाते थे कि रामलला हम आएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगे। लेकिन, कांग्रेस ने कहा कि राम तो हुए ही नहीं। उसके सहयोगी दलों ने भी राम के अस्तित्व को नकारा, लेकिन जब उत्तर प्रदेश में डबल इंजन की सरकार बनी तो 500 वर्ष की तमन्ना पूरी हुई और अयोध्या में भव्य राममंदिर बन गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश आज दंगा, कर्फ्यू और माफिया मुक्त है। नो कर्फ्यू, नो दंगा, वहां सब है चंगा। यूपी की सड़कों पर कोई नमाज नहीं पढ़ सकता। वहां धर्मस्थलों से चिल्लाने की आवाज नहीं आती है। यदि किसी ने दंगा करने का दु:स्साहस किया तो उसकी प्रॉपर्टी जब्त कर दलितों, गरीबों, जनजाति समुदाय में बांट दी जाती है। घुसपैठियों या दंगाइयों का कोई अधिकार नहीं होता। कांग्रेस व एआईयूडीएफ ने असम की संस्कृति के साथ खिलवाड़ किया। घुसपैठियों को बसाकर डेमोग्राफी बदलने और असमवासियों के हक, राशन, मकान व जमीन पर जबरन कब्जे का काम किया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में 9 वर्ष से एक भी दंगा नहीं हुआ। सरकार विकास और गरीब कल्याण के कार्यों को बढ़ा रही है। उज्ज्वला योजना कनेक्शन, भरपूर बिजली, प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत के तहत पांच लाख रुपये तक का लाभ, युवाओं को नौकरी व रोजगार, गरीबों के लिए फ्री राशन की सुविधा दी जा रही है। असम के चाय बागान में काम करने वाले श्रमिकों को स्पेशल पैकेज देकर सम्मानजनक रूप से आगे बढ़ाने का कार्य केवल भाजपा व राजग सरकार ही कर सकती है, क्योंकि कांग्रेस व एआईयूडीएफ के पास विजन और कार्य करने की क्षमता नहीं है। ये केवल भारत की सुरक्षा में सेंध लगा रहे हैं। योगी ने असमवासियों से अपील की कि इन्हें सेंध लगाने की छूट नहीं देनी है।

पंकज चौधरी ने किया पुस्तक 'गर्भ संस्कार' का लोकार्पण

प्रभात समय संवाददाता

लखनऊ। केन्द्रीय वित्त राज्यमंत्री व भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने शुक्रवार को नैमिषारण्य गेस्ट हाउस में स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. ऋचा गंगवार की पुस्तक 'गर्भ संस्कार' का लोकार्पण किया। इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश महामंत्री संजय राय, विधान परिषद के सदस्य अवनीश सिंह पटेल, एमएलसी हरिओम पाण्डेय, भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता आलोक वर्मा, युवा मोर्चा के प्रदेश मंत्री दीपक मल्ल प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

पुस्तक की लेखिका डॉ. ऋचा गंगवार ने कहा कि गर्भ संस्कार भारत की प्राचीन जन्मपूर्व ज्ञान प्रणाली है। इसका मतलब है गर्भ संस्कृति, यानी प्रेगनेंसी के दौरान बच्चे के मन, शरीर और आत्मा का ध्यान से पालन-पोषण करना। आधुनिक विज्ञान भी अब मानता है कि कैसे शुरुआती भाव (इमोशनल) और सुनने के अनुभव बच्चे के भविष्य को बनाते हैं।

एरा मेडिकल कालेज के प्रोफ़ेसर डॉ. के. पी. मल्ल ने बताया कि इस पुस्तक में 10 अध्याय है। गर्भधारण के बाद हर एक महीने के हिसाब से अध्याय है। जबकि 10 वाँ अध्याय योगाशन व प्राणायाम के बारे में है। इस पुस्तक की विशेष बात यह है कि हर अध्याय के बाद क्यू आर कोड दिया गया है। इसे मोबाइल से स्कैन कर महिलाएं डॉ. ऋचा गंगवार का वीडियो सुन सकती हैं। इस पुस्तक में लाइफ़स्टाइल, इंद्रियों का विकास, व्यक्तित्व की छाप, याददाश्त की शक्ति, चेतना और योग व प्रेग्नेंसी के बारे में विस्तार से उल्लेख किया गया है।

योगी सरकार की पहल से बदली हमीरपुर की कीर्ति की जिंदगी

प्रभात समय संवाददाता

- संगठन की शक्तिः प्रेरणा कैंटीन से कीर्ति ने खड़ा किया खुद का व्यवसाय
- सरकारी पहल से बदली दिशाः आत्मनिर्भरता बनी पहचान

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में योगी सरकार की योजनाएं आज ग्रामीण महिलाओं के जीवन में बड़ा बदलाव ला रहीं हैं। हमीरपुर जनपद की कीर्ति इसकी जीवंत मिसाल बनकर उभरीं हैं। एक समय अध्यापिका और सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में काम करने वाली कीर्ति ने जब महिला स्वयं सहायता समूह से जुड़ने का निर्णय लिया, तो यह उनके जीवन का टर्निंग पॉइंट साबित हुआ। वर्ष 2018 में समूह से जुड़ने के बाद उन्होंने न केवल आर्थिक आत्मनिर्भरता की राह पकड़ी, बल्कि समाज में खुद की एक नई पहचान भी बनाई। आज वही कीर्ति प्रेरणा कैंटीन के माध्यम से न सिर्फ खुद सशक्त हुईं हैं, बल्कि अन्य महिलाओं को भी आगे बढ़ने का अवसर दे रहीं हैं।

वर्ष 2025 अगस्त में कीर्ति ने 10 महिलाओं के साथ मिलकर हमीरपुर के दरियापुर स्थित जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय में प्रेरणा कैंटीन की शुरुआत की। लगभग 11 लाख रुपये के निवेश से शुरू हुआ यह प्रयास आज उनके लिए सफल उद्यम बना, जिसका टर्नओवर 1.25 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। वर्तमान में कैंटीन से 8 महिलाएं जुड़ीं हैं। हर महीने प्रत्येक महिला को लगभग ?8,000 वेतन मिल जाता है। यह कैंटीन केवल व्यवसाय नहीं, बल्कि पोषण और स्वच्छता का भी एक उत्कृष्ट उदाहरण है जहां 332 बच्चों को रोजाना पौष्टिक नाश्ता, दूध और भोजन बेहद किफायती दर पर उपलब्ध कराया जाता है। शिक्षकों के लिए भी भोजन की व्यवस्था है। कीर्ति का मानना है कि स्वच्छ और पौष्टिक भोजन ही स्वस्थ समाज की नींव है, और इसी सोच के साथ वह पूरी जिम्मेदारी से इस कार्य को आगे बढ़ा रही हैं। कीर्ति सिंह की सफलता केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश सरकार की योजनाओं विशेषकर स्वयं सहायता समूह और मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना की उपयोगिता का प्रमाण है। कीर्ति ने पहले बैंक सखी के रूप में काम करते हुए अनुभव हासिल किया और अब उद्यमिता के क्षेत्र में कदम रखकर नई ऊंचाइयों को छू रही हैं। कीर्ति का कहना है कि योगी सरकार की इस पहल ने उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के तहत ऋण के लिए भी आवेदन किया है, जिससे वे अपने इस व्यवसाय को और विस्तार देना चाहतीं हैं। कीर्ति का यह सफर बताता है कि जब सरकार की योजनाएं सही हाथों तक पहुंचतीं हैं और उनमें मेहनत व संकल्प जुड़ जाता है, तो बदलाव निश्चित होता है। आज वह न केवल आत्मनिर्भर हैं, बल्कि अन्य महिलाओं को भी आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा दे रहीं हैं।

फैक्ट्री में लगी आग

लखनऊ। चौक क्षेत्र के पाटानाला चौकी इलाके में आकर बाकर के इमामबाड़े के पास स्थित बच्चो की गाड़ियों की फैक्ट्री में अचानक भीषण आग लग गई। आग लगते ही इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं और आग पर काबू पाने का प्रयास जारी है। फिलहाल किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

अश्लील वीडियो बनाने, रंगदारी वसूलने में तीन आरोपित हिरासत में

माल लखनऊ। बीती 30 मार्च को पीरनगर गांव निवासी युवक शिवा शर्मा को दबंगों ने बकाया देने के बहाने बुलाकर अपने आधा दर्जन साथियों के साथ स्कॉर्पियो से अगवा कर लिया था।जिसे अज्ञात बाग में ले जाकर जमकर पिटाई की थी। उसके बाद किसी महिला के साथ निर्वस्त्र अवस्था में दोनों का अश्लील वीडियो बनाया। साथ ही शिवा के हाथ में असलहा थमा कर वीडियो बनाया और सभी आरोपितो ने असलहों के वटो पीटा भी था। यही नहीं आरोपितों ने शिवा के खाते की यूपीआई जबरन लेकर यूपीआई पिन से किसी खाते में रुपए भी ट्रांसफर कर लिया था और शिवा के भाई देवा को फोनकर एक लाख रुपए की रंगदारी भी वसूली थी। शिवा शर्मा की तहरीर पर पुलिस ने लूट, अपहरण, रंगदारी सहित विभिन्न धाराओं में शेरा पुत्र दयाराम निवासी माल, सनी उर्फ सत्या सिंह पुत्र गुड्डू उर्फ महेंद्र सिंह निवासी नारायनपुर, करन सिंह निवासी गौरैया और अनुभव तिवारी पुत्र पवन तिवारी निवासी कस्बा माल पर दर्ज किया था। सभी आरोपितों को पुलिस की टीमें तलाश कर रही थीं लेकिन सभी आरोपित न्यायालय में सरेंडर करने की फिराक में2अप्रैल को अपने वकील के साथ पहुंचे थे। वकील ने सलाह दी कि एसीपी मलिहाबाद के यहां हाजिर होकर पुलिस के जरिये न्यायालय में हाजिर होते हैं, लेकिन एसीपी मलिहाबाद ने इंस्पेक्टर माल नवाब अहमद को बुलाकर शेरा, करन सिंह और अनुभव तिवारी को सुपुर्द कर दिया। जबकि सनी उर्फ सत्या सिंह अभी फरार है। पुलिस द्वारा4अप्रैल को खुलासा करने की उम्मीद है।

तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने बाइक को मारी टक्कर बारह वर्षीय किशोर जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहा

मोहनलालगंज, लखनऊ। मोहनलालगंज थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। ताजा मामला मोहनलालगंज इलाके का है, जहां एक अनियंत्रित स्कॉर्पियो ने बाइक सवार दो बच्चों को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बारह वर्षीय किशोर गंभीर रूप से घायल हो गया, जो लखनऊ के मेडिकल कॉलेज में जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मोहनलालगंज थाना क्षेत्र के उत्तरगांव निवासी पुष्पा पत्नी स्व. गंगा चौरसिया का बारह वर्षीय पुत्र अर्पित उर्फ अर्पित चौरसिया बीते रविवार को शाम गांव के ही संजू पुत्र श्याम के साथ मोटरसाइकिल से अम्बालिका कॉलेज के पास स्थित एक दुकान की ओर जा रहा था। इसी दौरान तेज रफ्तार काले रंग की स्कॉर्पियो जिसे प्रांशु नामक युवक चला रहा था, ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि अर्पित गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़ा। स्थानीय लोगों और परिजनों की मदद से उसे तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी नाजुक हालत को देखते हुए उसे लखनऊ के मेडिकल कॉलेज के ट्रामा सेंटर, रेफर कर दिया गया।परिजनों के मुताबिक, घटना के तीन दिन बीत जाने के बाद भी अर्पित को होश नहीं आया है और उसकी हालत लगातार गंभीर बनी हुई है। डॉक्टरों की टीम उसकी निगरानी में जुटी है। हादसे के बाद आरोपी चालक मौके से फरार हो गया, जिससे परिजनों और ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है। पीड़ित परिवार ने पुलिस से आरोपी की जल्द गिरफ्तारी और कड़ी कार्रवाई की मांग की है। वहीं पुलिस का कहना है कि वाहन नंबर के आधार पर आरोपी की तलाश की जा रही है और जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

लखनऊ में आज से लगेगा पोल्ट्री एक्सपो 2026

लखनऊ। गोमती नगर स्थित गोमती रिवर फ्रंट, 1090 क्रॉसिंग पर 04 अप्रैल से 06 अप्रैल 2026 तक पोल्ट्री एक्सपो 2026 का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्घाटन आज प्रशासनिक अधिकारी आदरणीय मुकेश कुमार मेश्राम द्वारा किया जाएगा। इस एक्सपो का आयोजन तेजस्वी पब्लिकेशन, हैदराबाद द्वारा किया जा रहा है। आयोजन से जुड़े बी बी शिव शंकर ने बताया कि इस कार्यक्रम में पोल्ट्री उद्योग से जुड़े किसानों, उद्यमियों और विशेषज्ञों को एक मंच पर लाया जाएगा, जहां उन्हें आधुनिक तकनीकों, उन्नत उपकरणों, प्रोसेसिंग, आहार उत्पादन और रोग नियंत्रण से संबंधित नई जानकारियां दी जाएंगी। साथ ही, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों द्वारा तकनीकी सेमिनार आयोजित किए जाएंगे, जिससे प्रतिभागियों को सीधे संवाद और अपने सवालों के जवाब पाने का अवसर मिलेगा। कार्यक्रम के मीडिया प्रभारी रिद्धि किशोर गौड़ ने बताया पोल्ट्री उद्योग आज देश में प्रोटीन का एक प्रमुख स्रोत बन चुका है और कृषि अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। उत्तर प्रदेश में पिछले कुछ वर्षों में ब्रायलर उत्पादन में तेजी से वृद्धि हुई है, लेकिन अंडा उत्पादन और उन्नत फार्मिंग तकनीकों के क्षेत्र में अभी भी काफी संभावनाएं मौजूद हैं। आयोजन का उद्देश्य प्रदेश के पोल्ट्री व्यवसाय से जुड़े लोगों को आधुनिक तकनीकों से जोड़ना, उत्पादन बढ़ाना और आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहित करना है। आयोजकों ने किसानों, व्यापारियों और इच्छुक लोगों से इस एक्सपो में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने की अपील की है।

सीएम योगी ''स्कूल चलो अभियान'' का वाराणसी से करेंगे भव्य शुभारंभ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में नए शैक्षिक सत्र 2026-27 के लिए ''स्कूल चलो अभियान'' का शुभारंभ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को वाराणसी में करेंगे। यह कार्यक्रम सुबह 9:30 बजे कंपोजिट विद्यालय शिवपुर में आयोजित होगा और इसका सीधा प्रसारण दूरदर्शन और मुख्यमंत्री के सोशल मीडिया हैंडल से किया जाएगा। अभियान के तहत 1 अप्रैल से 15 अप्रैल तक प्रथम चरण चलाया जा रहा है, जबकि दूसरा चरण 1 जुलाई से 15 जुलाई तक आयोजित होगा। जनपद, ब्लॉक और विद्यालय स्तर पर व्यापक कार्यक्रमों के माध्यम से नामांकन बढ़ाने, बच्चों को पाठ्य-पुस्तकें और बैग वितरित करने तथा जन जागरूकता फैलाने पर जोर रहेगा। मुख्यमंत्री योगी के कार्यक्रम के साथ ही सभी जनपदों में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में भव्य आयोजन किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों, छात्रों, अभिभावकों और समाज के विभिन्न वर्गों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। इसका उद्देश्य अभियान को जन आंदोलन का स्वरूप देना और हर बच्चे को विद्यालय से जोड़ना है। महानिदेशक, स्कूल शिक्षा, मोनिका रानी ने कहाकि अभियान के दौरान बच्चों के नामांकन के साथ ही उन्हें नई पाठ्य-पुस्तकों का वितरण किया जाएगा। विद्यालयों में सांस्कृतिक कार्यक्रम, जन जागरूकता रैलियां और जनप्रतिनिधियों के संबोधन भी आयोजित होंगे।

भविष्य की चाबी है आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस : डॉ. शमला

प्रभात समय संवाददाता

बीकेटी लखनऊ। राजधानी के प्रतिष्ठित बंसल इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग में आज तकनीक और नवाचार की एक नई किरण देखी गई। संस्थान द्वारा 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसः स्मार्ट टेक्नोलॉजी के भविष्य की खोज' विषय पर आयोजित एक विशेष सेमिनार में विशेषज्ञों ने इस बात पर जोर दिया कि एआई आने वाले समय में न केवल उद्योगों को बदलेगा, बल्कि मानव जीवन को और अधिक सुगम बनाएगा।

कार्यक्रम की मुख्य वक्ता, वर्ल्ड पीस यूनिवर्सिटी (पुणे) की जानी-मानी विशेषज्ञ डॉ. शमला तुषार मंत्री ने छात्रों के बीच एआई की जटिलताओं को बहुत ही सरल ढंग से प्रस्तुत किया। डॉ. मंत्री ने केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रहकर 'हैंड्स-ऑन डेमो' के माध्यम से छात्रों को एआई टूल्स का व्यावहारिक इस्तेमाल करके दिखाया।

डॉ. शमला ने कहा एआई सिर्फ एक तकनीक नहीं, बल्कि भविष्य की जरूरत है। जो छात्र आज इसके व्यावहारिक उपयोग को समझ लेंगे, वे कल के ग्लोबल मार्केट में लीडर बनकर उभरेंगे। सेमिनार के दौरान छात्रों ने एआई के क्षेत्र में करियर बनाने की बारीकियों पर विस्तार से चर्चा की। विशेषज्ञों ने बताया कि मशीन लर्निंग, डेटा साइंस और न्यूरल नेटवर्क्स जैसे क्षेत्रों में युवाओं के लिए रोजगार के अपार अवसर मौजूद हैं। सूचना प्रौद्योगिकी विभागाध्यक्ष अभिषेक कुमार सक्सेना के कुशल मार्गदर्शन में इस ज्ञानवर्धक सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन में पुष्पेंद्र तिवारी के समन्वय की अहम भूमिका रही। छात्रों के उत्साह और उनकी जिज्ञासाओं ने इस सत्र को बेहद जीवंत बना दिया। संस्थान का उद्देश्यः इस तरह के सेमिनारों के जरिए बंसल इंस्टीट्यूट अपने छात्रों को उद्योग जगत की नवीनतम तकनीकों (Industry 4.0) के लिए तैयार कर रहा है, ताकि वे केवल डिग्रीधारी न बनें बल्कि 'स्किल्ड प्रोफ़ेशनल' के रूप में पहचान बनाएं।

भाजपा कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण चुनाव में बनेगा गेम चेन्जर : हलवासिया

प्रभात समय संवाददाता

लखनऊ। पं. दीनदयाल दयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के अंतर्गत आज सेन्ट्रल होटल अमीनाबाद लखनऊ में भाजपा मध्य मण्डल-2 की कार्यशाला संपन्न हुई।

भाजपा मध्य मण्डल-2 की कार्यशाला में मार्गदर्शक के रूप में प्रदेश संयोजक सुधीर एस हलवासिया, उपविजेता रजनीश कुमार गुप्ता, संयोजक संतोष सिंह, एस.सी. एस.टी. आयोग के सदस्य रमेश तूफानी, महानगर मंत्री आनन्द पाण्डेय, सतीश चन्द्र मिश्रा, अनुसूचित मोर्चा नगर अध्यक्ष विपिन सोनकर, मंडल अध्यक्ष धर्मेंद्र मिश्रा रिंकू, महामंत्री अंकित गुप्ता, मण्डल महामंत्री अमर सोनकर, मंडल उपाध्यक्ष प्रियंका सिंह, उपाध्यक्ष संतोष गुप्ता, उपाध्यक्ष विशाल रावत, नगर कार्यसमिति सदस्य दीपक सोनकर शैलू, पाषर्दगण तथा मातृशक्तियों ने संयुक्त रूप से चुनाव के विषय में विचार विमर्श किया। इस मौके पर सुधीर.एस. हलवासिया ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण, चुनाव में बनेगा गेम चेन्जर बनेगा।

पीएम विद्यालय रुसैना में प्रवेश उत्सव एवं वार्षिकोत्सव मनाया गया

प्रभात समय संवाददाता

मलिहाबाद लखनऊ। राजधानी क्षेत्र अंतर्गत मलिहाबाद विकासखंड क्षेत्र के ग्राम पंचायत रुसैना में पीएम विद्यालय के परिसर में तथा विद्यालय में प्रवेश उत्सव एवं वार्षिकोत्सव अंक पत्र वितरण समारोह उत्कृष्ट विद्यार्थी सम्मान समारोह धूमधाम से बनाया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि खंड शिक्षा अधिकारी मलिहाबाद एवं विशिष्ट अतिथि प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष अवधेश कुमार एवं मंत्री फहीम बेग रहे। कार्यक्रम का संचालन अवधेश कुमार यादव के द्वारा किया गया कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की प्रधानाध्यापिका प्रमिला सिंह एवं ग्राम प्रधान की उपस्थित में खंड शिक्षा अधिकारी मलिहाबाद द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया उसके बाद बच्चों द्वारा सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया सर्वेश कुमार मौर्य सहायक अध्यापक ने आए हुए सभी अतिथियों का स्वागत किया अर्चना वर्मा सहायक अध्यापक के द्वारा बच्चों को रोज विद्यालय आने के लिए प्रेरित किया गया विद्यालय के कक्षा एक से लेकर आठ तक के बच्चों को जो प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान पर आए थे उन्हें पुरस्कार देकर खंड शिक्षा अधिकारी मलिहाबाद के द्वारा सम्मानित किया गया इसी सम्मान की कड़ी में सभी रसोइयों को ,इको क्लब के बच्चों को एवं प्राथमिक स्तर के रेड ग्रीन ब्लू और येलो हाउस के बच्चों को ड्रेस वितरण किया गया प्राथमिक शिक्षक संघ के मंत्री फहीम बेग द्वारा बच्चों को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई एवं पढ़ाई के महत्व को बताया गया शिक्षक संघ के अध्यक्ष अवधेश कुमार द्वारा बच्चों को प्रतिदिन विद्यालय आने एवं पढ़ लिखकर एक अच्छा इंसान बनने के लिए प्रेरित किया गया।खंड शिक्षा अधिकारी मलिहाबाद द्वारा बच्चों को पढ़ाई एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित किया।विद्यालय की प्रधानाध्यापिका प्रमिला सिंह द्वारा कक्षा आठ के प्रथम तीन बच्चों को आगे की पढ़ाई पूरी करने का पूरा खर्चा उठाने की जिम्मेदारी ली गई।

कराओके महफिल में वरिष्ठ नागरिकों ने दी शानदार प्रस्तुतियां

प्रभात समय संवाददाता

लखनऊ । फ़ेस्का फिल्म्स एवं नटराज रिकॉर्डिंग स्टूडियो के संयुक्त तत्वाधान में दूसरी कराओके महफिल का आयोजन आइस एंड स्पाइस रेस्टोरेंट, अलीगंज में हुआ। अधिकांश 60 प्लस उम्र की प्रतिभाओं ने अपने सुरीले अंदाज में दर्शकों को मंत्र मुक्त कर दिया। फ़ेस्का फिल्म्स के निर्देशक राजीव प्रकाश ने बताया कराओके महफिल कोई संगीत प्रतिभा प्रतियोगिता नहीं है बल्कि वरिष्ठ नागरिकों के लिए संगीत की महफिल का प्रतिष्ठित मंच तैयार किया गया है जिसमें जीवन भर की भाग दौड़ की जिम्मेदारियां को निभाते चले आ रहे लोग अब अपनी प्रतिभा को दिखाएंगे ही नहीं बल्कि घर के अकेलेपन को भी इस मंच पर सांझाकर जीवन को एक नई दिशा पाएंगे। प्रतिमाह आयोजित होने वाले इस कराओके महफिल में निष्पक्ष और निरंतरता बनाए रखने के लिए लॉटरी सिस्टम से क्रम का निर्धारण होना, प्रत्येक प्रतिमागी को एकल अथवा युगल रूप में दो बार गाने का औसर प्रदान करना, कार्यक्रम के तीसरे चरण में लॉटरी से किसी एक भाग्यशाली को तीसरी बार गाने का अवसर मिलेगा और यही प्रतिभा को कराओके महफिल सरताज की उपाधि प्रदान की जाएगी कार्यक्रम को रोचक और संचालित करने के लिए कुल 20 प्रविष्टियों के साथ 10 अतिथि आमंत्रित किए जाते हैं। कार्यक्रम का संचालन पंकज सक्सेना ने सफलतापूर्वक किया।कार्यक्रम में मंच परे का कार्य प्रतिभाओं को सूचीबद्ध एवं निर्देशितकरने का दायित्व राकेश श्रीवास्तव ने बखूबी निभाया। नकुल श्रीवास्तव ने तकनीकी पक्ष में अपना अहम योगदान दिया गीतों को क्रमबद्ध कर स्क्रीन पर लाने में अपनी भूमिका निभाई। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में फीचर फिल्म लाल दाना के प्रस्तुतकर्ता एवं निर्देशक राजेश श्रीवास्तव फिल्म जगत के जाने-माने कलाकार देवेंद्र मोदी, सी एस आर सिंह, शशि मोदी आभा प्रकाश आदि उपस्थित रहे।कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना एवं राष्ट्रीय गान से प्रारंभ हुआ।उसके पश्चात सभी लोगों ने साथ लंच किया और अपने अनुभव और विचार सांझा किए।

धूमधाम से मनाया गया आरपीआई प्रदेश अध्यक्ष पवन भाई गुप्ता का जन्मदिन

प्रभात समय संवाददाता

लखनऊ। रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया के उत्तर प्रदेश के यशस्वी प्रदेश अध्यक्ष पवन भाई गुप्ता का जन्मदिवस आज राजधानी लखनऊ सहित प्रदेश के विभिन्न जनपदों में अत्यंत हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया।

राजधानी के कसमंडा अपार्टमेंट में आयोजित मुख्य समारोह में पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों और भारी संख्या में आए कार्यकर्ताओं ने केक काटकर अपने प्रिय नेता की दीर्घायु और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष महेंद्र प्रजापति , महानगर अध्यक्ष आर.के. गौतम , प्रदेश प्रवक्ता पी.सी. चौधरी , प्रदेश मीडिया प्रभारी डॉ. एस.पी. सिंह , प्रदेश मंत्री राजेश कुमार एवं एस.पी. सिंह तथा वरिष्ठ साथी आलोक द्विवेदी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती रुचि शुक्ला , प्रदेश सचिव श्रीमती सुमन जायसवाल , महानगर सचिव श्रीमती डॉली गुप्ता , वार्ड उपाध्यक्ष राबिया और मोनी सहित बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ताओं ने सहभागिता कर अध्यक्ष को बधाई दी। प्रदेश अध्यक्ष के जन्मदिवस का उत्साह केवल राजधानी तक सीमित नहीं रहा। उत्तर प्रदेश के अन्य जनपदों जैसे गाजियाबाद, बहराइच, बिजनौर, मुरादाबाद और आगरा में भी जिला अध्यक्षों के नेतृत्व में गरिमामय कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन जिलों में कार्यकर्ताओं ने केक काटकर, मिठाई बांटकर और जनकल्याणकारी कार्य कर अपने नेता के प्रति अटूट विश्वास और प्रेम प्रकट किया। वक्ताओं ने कहा कि पवन भाई गुप्ता के नेतृत्व में पार्टी प्रदेश के कोने-कोने में मजबूत हो रही है। अंत में, प्रदेश अध्यक्ष ने सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए संगठन की मजबूती के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प दोहराया।

यूपी एटीएस ने पाकिस्तान से संचालित गिरोह का किया भंडाफोड़, बड़ी आतंकी साजिश नाकाम

प्रभात समय संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड (एटीएस) ने एक बड़ी आतंकी साजिश का खुलासा करते हुए पाकिस्तान से संचालित एक गिरोह का भंडाफोड़ किया है। यह गिरोह सोशल मीडिया के विभिन्न हैंडल्स के माध्यम से पाकिस्तानी हैंडलर्स के संपर्क में रहकर देश के महत्वपूर्ण संस्थानों, रेलवे संपत्तियों और राजनीतिक व्यक्तियों को निशाना बनाने की साजिश रच रहा था। एटीएस ने समय रहते कार्रवाई कर चार आरोपियों को गिरफ्तार कर बड़ी साजिश को विफल करने में सफलता प्राप्त की है।

एटीएस को प्राप्त खुफिया जानकारी के अनुसार, एक गिरोह पाकिस्तान स्थित हैंडलर्स के संपर्क में था और उनके निर्देश पर देशविरोधी गतिविधियों को अंजाम दे रहा था। गिरोह का मुख्य काम देश के महत्वपूर्ण संस्थानों की रेकी कर संवेदनशील सूचनाएं पाकिस्तान भेजना और योजनाबद्ध तरीके से सरकारी संपत्तियों को नुकसान पहुंचाना था। जांच में सामने आया कि आरोपी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे टेलीग्राम, इंस्टाग्राम और सिग्नल के माध्यम से पाकिस्तानी हैंडलर्स, कई कट्टरपंथी समूहों और अफगानिस्तान के कुछ नंबरों से भी जुड़े हुए थे। इस गिरोह का मुख्य सदस्य साकिब उर्फ डेविल (25 वर्ष) पुत्र शकील अहमद निवासी ग्राम अगवानपुर थाना परीक्षितगढ़, मेरठ बताया गया है। उसके साथ मेरठ निवासी अरबाब (20), राम विहार, गौतम बुद्ध नगर निवासी विकास पहलावत उर्फ रौनक (27) तथा लोकेश उर्फ पपला पंडित उर्फ बाबू उर्फ संजू (19) भी इस साजिश में शामिल थे। ये सभी आरोपी पैसों के लालच में देश के विभिन्न शहरों में महत्वपूर्ण स्थानों की रेकी करते थे और उनकी जानकारी तथा वीडियो पाकिस्तानी हैंडलर्स को भेजते थे।

रुपए का गंभीर अवमूल्यन

भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए मुद्रा का मूल्य केवल एक वित्तीय संकेतक नहीं होता, बल्कि यह देश की आर्थिक स्थिरता, वैश्विक प्रतिस्पर्धा और आम नागरिक के जीवन स्तर का दर्पण भी होता है। हाल के वर्षों में भारतीय रुपए का लगातार अवमूल्यन एक गंभीर चिंता का विषय बन गया है। जब एक अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपए का मूल्य 95 तक पहुंच जाता है, तो यह केवल आंकड़ों का खेल नहीं रहता, बल्कि इसका सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था और जनता की जेब पर पड़ता है। सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि रुपए का अवमूल्यन क्या होता है। जब किसी देश की मुद्रा की कीमत अन्य विदेशी मुद्राओं की तुलना में गिरती है, तो उसे अवमूल्यन कहा जाता है। इसका अर्थ यह है कि अब हमें समान मात्रा में विदेशी मुद्रा खरीदने के लिए अधिक रुपए खर्च करने पड़ते हैं। उदाहरण के लिए, यदि पहले एक डॉलर 60 रुपए में मिलता था और अब 95 रुपए में, तो यह स्पष्ट रूप से रुपए की कमजोरी को दर्शाता है। रुपए के अवमूल्यन के कई प्रमुख कारण हैं। पहला कारण है वैश्विक आर्थिक परिस्थितियां। जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में डॉलर मजबूत होता है, तो अन्य देशों की मुद्राएं स्वतः कमजोर हो जाती हैं। अमेरिका की अर्थव्यवस्था मजबूत होने, वहां ब्याज दरों में वृद्धि और निवेशकों का झुकाव डॉलर की ओर होने से भारतीय रुपए पर दबाव बढ़ता है। दूसरा महत्वपूर्ण कारण है भारत का बढ़ता हुआ आयात। भारत कच्चे तेल का एक बड़ा आयातक है। जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत बढ़ती है, तो भारत को अधिक डॉलर खर्च करने पड़ते हैं। इससे विदेशी मुद्रा की मांग बढ़ती है और रुपए का मूल्य गिरता है। हाल के समय में तेल की कीमतों में तेज वृद्धि ने इस समस्या को और गंभीर बना दिया है। तीसरा कारण है चालू खाता घाटा। जब कोई देश जितना निर्यात करता है उससे अधिक आयात करता है, तो उसे घाटा होता है। इस घाटे को पूरा करने के लिए विदेशी मुद्रा की आवश्यकता होती है, जिससे रुपए पर दबाव पड़ता है। चौथा कारण विदेशी निवेश में कमी है। यदि विदेशी निवेशक भारत से पैसा निकालते हैं या नए निवेश में कमी करते हैं, तो डॉलर की मांग बढ़ जाती है और रुपए का अवमूल्यन होता है। राजनीतिक अस्थिरता, वैश्विक संकट या अन्य आर्थिक जोखिम निवेशकों को प्रभावित करते हैं। अब यदि हम इसके प्रभावों की बात करें, तो सबसे बड़ा असर महंगाई पर पड़ता है। जब रुपए की कीमत गिरती है, तो आयातित वस्तुएं महंगी हो जाती हैं। पेट्रोल, डीजल, गैस, इलेक्ट्रॉनिक सामान और अन्य आयातित वस्तुओं के दाम बढ़ जाते हैं। इसका सीधा असर आम आदमी की रोजमर्रा की जिंदगी पर पड़ता है। इसके अलावा, उद्योगों पर भी इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। जिन उद्योगों को कच्चा माल विदेश से मंगाना पड़ता है, उनकी लागत बढ़ जाती है। इससे उत्पादन महंगा होता है और अंततः उपभोक्ता को अधिक कीमत चुकानी पड़ती है। हालांकि कुछ निर्यातक कंपनियों को इससे लाभ हो सकता है, क्योंकि उन्हें विदेशी मुद्रा में अधिक आय प्राप्त होती है, लेकिन समग्र रूप से अर्थव्यवस्था पर इसका असर नकारात्मक ही होता है। शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों पर भी इसका असर देखा जा सकता है। जो छात्र विदेश में पढ़ाई करना चाहते हैं, उनके लिए शिक्षा महंगी हो जाती है। इसी प्रकार, विदेश से आयातित दवाइयों और चिकित्सा उपकरणों की कीमत भी बढ़ जाती है। सरकार और केंद्रीय बैंक की भूमिका इस स्थिति में अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। भारतीय रिजर्व बैंक विदेशी मुद्रा भंडार का उपयोग करके बाजार में हस्तक्षेप कर सकता है। जब टउक्र डॉलर बेचता है और रुपए खरीदता है, तो इससे रुपए को मजबूती मिलती है। इसके अलावा ब्याज दरों में बदलाव करके भी मुद्रा को स्थिर करने का प्रयास किया जा सकता है। सरकार को भी नीतिगत स्तर पर कदम उठाने की आवश्यकता है। आयात को कम करने और निर्यात को बढ़ावा देने के लिए ठोस नीतियां बनानी होंगी। ''मेक इन इंडिया'' जैसे अभियानों को और प्रभावी बनाना होगा ताकि देश में उत्पादन बढ़े और आयात पर निर्भरता कम हो। ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता भी एक महत्वपूर्ण समाधान हो सकता है। यदि भारत नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों जैसे सौर और पवन ऊर्जा पर अधिक ध्यान देता है, तो कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता कम की जा सकती है। इससे विदेशी मुद्रा की बचत होगी और रुपए पर दबाव कम होगा। इसके अलावा, विदेशी निवेश को आकर्षित करने के लिए एक स्थिर और पारदर्शी नीति वातावरण आवश्यक है। निवेशकों का विश्वास बढ़ाने के लिए आर्थिक सुधारों को गति देनी होगी। अंततः, रुपए का अवमूल्यन केवल एक आर्थिक समस्या नहीं है, बल्कि यह एक व्यापक राष्ट्रीय चुनौती है। इसे हल करने के लिए सरकार, केंद्रीय बैंक, उद्योग और आम नागरिक सभी को मिलकर प्रयास करना होगा। केवल अल्पकालिक उपायों से समस्या का समाधान नहीं होगा, बल्कि दीर्घकालिक रणनीति अपनानी होगी। भारत एक उभरती हुई अर्थव्यवस्था है और इसमें अपार संभावनाएं हैं। यदि सही नीतियों और प्रभावी क्रियान्वयन के साथ आगे बढ़ा जाए, तो रुपए को स्थिर और मजबूत बनाया जा सकता है। यह न केवल अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करेगा, बल्कि देश के नागरिकों के जीवन स्तर को भी बेहतर बनाएगा।

रुपए का अवमूल्यन केवल एक आर्थिक समस्या नहीं है, बल्कि यह एक व्यापक राष्ट्रीय चुनौती है। इसे हल करने के लिए सरकार, केंद्रीय बैंक, उद्योग और आम नागरिक सभी को मिलकर प्रयास करना होगा। केवल अल्पकालिक उपायों से समस्या का समाधान नहीं होगा, बल्कि दीर्घकालिक रणनीति अपनानी होगी। भारत एक उभरती हुई अर्थव्यवस्था है और इसमें अपार संभावनाएं हैं। यदि सही नीतियों और प्रभावी क्रियान्वयन के साथ आगे बढ़ा जाए, तो रुपए को स्थिर और मजबूत बनाया जा सकता है।

देश के सर्वोच्च सदन में उठती समान शिक्षा की पुकार

आर्थिक दृष्टि से यह सभी को समान अवसर प्रदान कर प्रतिस्पर्धा को निष्पक्ष बना सकती है। राजनीतिक दृष्टि से यह लोकतंत्र को मजबूत कर सकती है क्योंकि शिक्षित और जागरूक नागरिक ही लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ कर सकते हैं। वैचारिक दृष्टि से यह समाज में एकरूपता और समरसता को बढ़ावा दे सकती है। यह भी सच है कि समान शिक्षा लागू करने में अनेक चुनौतियाँ भी हैं। क्योंकि भारत की विशाल जनसंख्या भाषाई और सांस्कृतिक विविधता राज्यों के अधिकार और निजी क्षेत्र की भूमिका ये सभी कारक इस प्रक्रिया को जटिल बनाते हैं। अतः समाधान का मार्ग संतुलन में निहित है जहाँ समानता और विविधता दोनों का सम्मान किया जाए। वर्तमान समय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने इस दिशा में महत्वपूर्ण पहल करने का प्रयास किया है।

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारत का संविधान अपने मूल में एक ऐसे समाज की परिकल्पना करता है जहाँ प्रत्येक नागरिक को समान अवसर प्राप्त हों और वह अपने सामर्थ्य के अनुरूप विकास कर सके। यह विचार कहना होगा कि एक संवैधानिक संकल्प है जिसे अनुच्छेद 14, 21क और अन्य प्रावधानों के माध्यम से स्थापित किया गया है, किंतु जब हम शिक्षा के क्षेत्र में इस समानता की वास्तविक स्थिति का आकलन करते हैं तब एक जटिल और विरोधाभासी परिदृश्य सामने उभरकर आता है।

वस्तुतः राज्यसभा में दिनेश शर्मा द्वारा उठाया गया प्रश्न इस विरोधाभास को और अधिक स्पष्ट करता है जिसमें उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में व्याप्त संरचनात्मक असमानता की ओर ध्यान आकर्षित किया है। उनका यह तर्क कि संविधान की समानता की भावना के बावजूद शिक्षा व्यवस्था में भेदभाव मौजूद है! भले ही ये कहना किसी राजनेता का हो, किंतु यह वक्तव्य भारत की हकीकत है, जोकि आज एक गहन संवैधानिक विमर्श का विषय है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 14 सभी नागरिकों को कानून के समक्ष समानता और कानूनों के समान संरक्षण की गारंटी देता है। इसके साथ ही अनुच्छेद 21क के अंतर्गत 6 से 14 वर्ष तक के बच्चों के लिए निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार सुनिश्चित किया गया है जिसे 86वें संविधान संशोधन अधिनियम 2002 के माध्यम से जोड़ा गया। यह संशोधन इस बात का प्रतीक था कि शिक्षा को मौलिक अधिकार के रूप में स्वीकार किया गया है। इसके अतिरिक्त अनुच्छेद 29 और 30 सांस्कृतिक और शैक्षिक अधिकारों की रक्षा करते हैं, विशेष रूप से अल्पसंख्यक समुदायों को अपने शिक्षण संस्थान स्थापित करने और संचालित करने की स्वतंत्रता प्रदान करते हैं। यही वह बिंदु है जहाँ समानता और विशेषाधिकार के बीच संतुलन का प्रश्न उत्पन्न होता है। राज्यसभा में प्रस्तुत विचारों के अनुसार अल्पसंख्यक संस्थानों को शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के कुछ प्रावधानों से छूट प्राप्त है जबकि अन्य संस्थानों को इन नियमों का पूर्णतः पालन करना होता है। दिनेश शर्मा ने इस स्थिति को अनुच्छेद 14 के साथ असंगत बताया और यह तर्क दिया कि इससे शिक्षा के क्षेत्र में एक प्रकार की संरचनात्मक असमानता उत्पन्न होती है। यहां समझ लें कि यह प्रश्न प्रशासनिक अथवा कानूनी नहीं है, यह उस मूलभूत विचार से जुड़ा है कि क्या राज्य सभी बच्चों को समान दृष्टि से देखता है?

इस संदर्भ में अल्पसंख्यक संस्थानों को छूट प्रदान कर एक तरह से देश में शिक्षा के व्यावहारिक स्तर पर एक असमान ढाँचे को भी वैधता प्रदान कर दी गई है। देखा जाए तो शिक्षा व्यवस्था में यह असमानता कानूनी प्रावधानों तक सीमित नहीं है, यह संरचनात्मक और व्यावहारिक रूप में भी स्पष्ट दिखाई देती है। भारत में सरकारी विद्यालय, निजी विद्यालय, केंद्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय और धार्मिक शिक्षण संस्थान इन सभी की गुणवत्ता संसाधन और अवसरों में भारी अंतर है। एक ओर महानगरों के निजी विद्यालय अत्याधुनिक सुविधाओं और वैश्विक स्तर की शिक्षा प्रदान करते हैं वहीं दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में आधारभूत सुविधाओं का अभाव देखा जा सकता है। इस असमानता का परिणाम यह है कि विभिन्न पृष्ठभूमियों के छात्र एक ही प्रतियोगी परीक्षा में भाग लेते हैं किंतु उनकी तैयारी और अवसर समान नहीं होते। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने भी अपने विभिन्न प्रतिवेदनों में इस बात पर बल दिया है कि शिक्षा की गुणवत्ता और पहुंच में समानता सुनिश्चित किए बिना बाल अधिकारों की वास्तविक रक्षा संभव नहीं है। आयोग की 2018 की एक रिपोर्ट में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि समान शिक्षा प्रणाली ही सामाजिक न्याय की आधारशिला बन सकती है। वस्तुतः यह कथन इस बात की पुष्टि करता है कि शिक्षा में असमानता सिर्फ शैक्षणिक समस्या तक सीमित नहीं है, यह सामाजिक न्याय का प्रश्न भी है। भारतीय चिंतन परंपरा में भी शिक्षा को समानता का माध्यम माना गया है। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने अपनी पुस्तक एजुकेशन पॉलिटिक्स एंड वॉर में लिखा है, शिक्षा का उद्देश्य सिर्फ ज्ञानार्जन नहीं है, इससे समाज में नैतिक और सामाजिक संतुलन स्थापित करना है। इसी प्रकार महात्मा गांधी ने हरिजन में यह विचार व्यक्त किया कि समान शिक्षा के बिना सच्चा लोकतंत्र संभव नहीं है। इन विचारों से यह स्पष्ट होता है कि शिक्षा को व्यक्तिगत विकास का साधन होने के साथ ही सामाजिक परिवर्तन का माध्यम भी माना गया है।

समान शिक्षा की आवश्यकता को कई स्तरों पर समझा जा सकता है। सामाजिक दृष्टि से यह जाति वर्ग और धर्म आधारित विभाजनों को कम कर सकती है।

आर्थिक दृष्टि से यह सभी को समान अवसर प्रदान कर प्रतिस्पर्धा को निष्पक्ष बना सकती है। राजनीतिक दृष्टि से यह लोकतंत्र को मजबूत कर सकती है क्योंकि शिक्षित और जागरूक नागरिक ही लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ कर सकते हैं। वैचारिक दृष्टि से यह समाज में एकरूपता और समरसता को बढ़ावा दे सकती है। यह भी सच है कि समान शिक्षा लागू करने में अनेक चुनौतियाँ भी हैं। क्योंकि भारत की विशाल जनसंख्या भाषाई और सांस्कृतिक विविधता राज्यों के अधिकार और निजी क्षेत्र की भूमिका ये सभी कारक इस प्रक्रिया को जटिल बनाते हैं। अतः समाधान का मार्ग संतुलन में निहित है जहाँ समानता और विविधता दोनों का सम्मान किया जाए। वर्तमान समय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने इस दिशा में महत्वपूर्ण पहल करने का प्रयास किया है। इस नीति में समानता, समावेशन और गुणवत्ता पर विशेष बल दिया गया है। नीति के अंतर्गत स्कूल कॉम्प्लेक्स की अवधारणा बहुभाषी शिक्षा और डिजिटल संसाधनों के माध्यम से शिक्षा के लोकतंत्रीकरण की बात की गई है, किंतु इन नीतिगत प्रयासों के बावजूद जमीनी स्तर पर असमानता अभी भी बनी हुई है जिसका मुख्य कारण क्रियान्वयन की चुनौतियाँ और संस्थागत विविधता है। इस दिशा में कुछ ठोस कदम उठाए जा सकते हैं। सबसे पहले सभी शिक्षण संस्थानों के लिए न्यूनतम गुणवत्ता मानक निर्धारित किए जाएँ जिनका पालन अनिवार्य हो। दूसरा शिक्षा का अधिकार अधिनियम में आवश्यक संशोधन कर सभी संस्थानों के बीच संतुलन स्थापित किया जाए। तीसरा शिक्षा के क्षेत्र में पारदर्शिता और उत्तरदायित्व सुनिश्चित किया जाए ताकि संसाधनों का न्यायसंगत वितरण हो सके। चौथा संसद और नीति निर्माताओं को इस विषय पर सर्वसम्मति से निर्णय लेना चाहिए ताकि शिक्षा को राजनीतिक विवादों से ऊपर उठाया जा सके। अतः यहां कहने का तात्पर्य यही है क हम सभी यह स्वीकारें कि समान शिक्षा एक नीतिगत लक्ष्य न होकर देश हित में एक नैतिक आवश्यकता है। जब तक भारत के प्रत्येक बच्चे को समान गुणवत्ता की शिक्षा नहीं मिलेगी तब तक संविधान में निहित समानता का स्वप्न अधूरा ही रहेगा। डॉ. भीमराव आंबेडकर ने भी है कि शिक्षा वह शस्त्र है जिससे हम समाज को बदल सकते हैं। कहना होगा क यह कथन आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना स्वतंत्रता के समय था, इसलिए समय की मांग है कि शिक्षा के क्षेत्र में व्याप्त असमानताओं को दूर करने के लिए गंभीर और समन्वित प्रयास किए जाएँ। राज्यसभा में उठी यह बहस एक अवसर है, एक ऐसे भारत के निर्माण का जहाँ शिक्षा वास्तव में समान हो और हर नागरिक को अपने सपनों को साकार करने का समान अवसर प्राप्त हो सके। हम उम्मीद करें कि केंद्र एवं राज्य सरकारें इस विषय पर गंभीरता से विचार करेंगी।

स्वागत योग्य है जनगणना की शुरुआत

अंकित शुक्ला

देश में बहुप्रतीक्षित जनगणना की औपचारिक शुरुआत एक अप्रैल को हो गई। हर एक दशक में होने वाली जनगणना 2020 में होनी थी लेकिन कोविड-19 महामारी के कारण यह उस समय नहीं हो सकी। परंतु आर्थिक गतिविधियां सामान्य होने के बाद भी इसे क्यों अंजाम नहीं दिया गया इस बारे में कोई स्पष्टीकरण मौजूद नहीं है। खैर जो भी हो, इस तथ्य का स्वागत किया जाना चाहिए कि जनगणना की प्रक्रिया अब शुरू हो गई है। नियमित जनगणना की आवश्यकता को कम करके नहीं आंका जा सकता, विशेष रूप से भारत जैसे देश के लिए जो तेजी से बढ़ और बदल रहा है। उदाहरण के लिए, सर्वेक्षण डेटा और विश्लेषणात्मक मॉडल बताते हैं कि भारत में जन्म दर में उल्लेखनीय गिरावट आई है, और कुछ राज्यों में यह प्रतिस्थापन दर से भी नीचे चली गई है। वास्तविक जनगणना डेटा वास्तविक स्थिति की पुष्टि करेगा। इसके अलावा, यह व्यापक रूप से स्वीकार किया जाता है कि भारत का शहरीकरण पहले के आधिकारिक आंकड़ों की तुलना में कहीं तेजी से हुआ है। नई जनगणना इस पर और अधिक प्रकाश डाल सकेगी। जनगणना का काम दो चरणों में पू रा किया जाएगा। पहला चरण होगा मकानों की सूची बनाना और आवास जनगणना, जिसे अप्रैल से सितंबर 2026 के बीच 30 दिनों की अवधि में किया जाएगा। यह हर राज्य या केंद्र शासित प्रदेश के प्रशासन की प्राथमिकता पर निर्भर करेगा। दूसरा चरण होगा जनसंख्या गणना, जिसे फरवरी 2027 में पूरा किया जाएगा। पहाड़ी और बर्फ से ढके क्षेत्रों जैसे लद्दाख, जम्मू कश्मीर, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में यह चरण सितंबर 2026 में पूरा किया जाएगा। जनगणना की संदर्भ तिथि 1 मार्च 2027 होगी। इस बार दो बातें एकदम खास होंगी। पहली बार एक समर्पित पोर्टल के माध्यम से स्वयं गणना की इजाजत दी जाएगी। दूसरे, यह काम डिजिटल प्रारूप में किया जाएगा। अधिकारियों का मानना है कि इससे संकलन की गति बहुत तेज हो जाएगी। उन्होंने यह भी दोहराया है कि डेटा सुरक्षित रहेगा और किसी अन्य सरकारी इकाई के साथ उसे साझा नहीं किया जाएगा। जनगणना का परिणाम जब भी जारी होगा उस पर गहन नजर रखी जाएगी लेकिन दो संबंधित बाते हैं जिन्हें सावधानीपूर्वक संभालना होगा। पहला, 2027 की जनगणना में 1931 के बाद पहली बार जाति की गणना भी की जाएगी। जाति भारत की सामाजिक संरचना का एक अहम पहलू है और इसका बहुत अधिक राजनीतिक महत्त्व है। इस पहले से जुड़े प्रश्नों को अभी तक अंतिम रूप नहीं दिया गया है। जनगणना के जाति संबंधी पहलू को शुरू से ही बहुत सावधानी से संभालना होगा। यानी पूछे जाने वाले सवालों और उत्तर दर्ज करने के तरीके पर ध्यान देना होगा। इस चरण से आपत्तियां सामने आ सकती हैं। इसके अलावा, अंतिम परिणाम को कैसे संभाला जाता है, यह भी अत्यंत महत्त्वपूर्ण होगा। संभावना है कि इसका उपयोग विभिन्न मांगों के साथ राजनीतिक वजहों के लिए किया जाएगा। यह सुनिश्चित करना आवश्यक होगा कि कहीं इसका नतीजा देश की सामाजिक और सांस्कृतिक संरचना को अस्थिर करने के रूप में न आए। दूसरा, 2027 की जनगणना लोक सभा में सीटों के परिसीमन का आधार भी बन सकती है। इससे विधायिका में महिलाओं के आरक्षण को लागू करना भी संभव होगा। यह भी राजनीतिक रूप से संवेदनशील मुद्दा है, जिसका भारत की संघीय संरचना पर प्रभाव पड़ेगा। दक्षिण भारत के राज्य तर्क देते हैं कि लोक सभा में उनका प्रतिनिधित्व कम हो जाएगा क्योंकि उनकी जनसंख्या वृद्धि उत्तरी भारत के राज्यों की तुलना में धीमी रही है। यह तर्क उचित है और इसलिए बहुत कुछ इस पर निर्भर करेगा कि परिसीमन का कार्य कैसे किया जाता है। सैद्धांतिक रूप से देखें तो संतुलन बनाए रखना आवश्यक होगा और राज्यों को जनसंख्या वृद्धि को प्रभावी ढंग से नियंत्रित करने और जीवन स्तर सुधारने के लिए दंडित नहीं किया जाना चाहिए। इस प्रकार, शुद्ध आर्थिक दृष्टिकोण से, 2027 की जनगणना के आंकड़े सरकार और निजी क्षेत्र दोनों को बेहतर निर्णय लेने में मदद करेंगे। हालांकि इसका एक राजनीतिक पहलू भी है जिसे बेहतर ढंग से संभालना होगा।

धर्म, अंधविश्वास और अपराध: जिम्मेदारी तय करने का समय

डॉ. सत्यवान सौरभ

भारतीय समाज में धर्म और आस्था की जड़ें अत्यंत गहरी हैं। सदियों से लोग अपने जीवन के सुख-दुख, समस्याओं और अनिश्चितताओं के समाधान के लिए धार्मिक व्यक्तियों, गुरुओं और ज्योतिषियों की शरण में जाते रहे हैं। आस्था अपने आप में एक निजी और सम्मानजनक विषय है लेकिन जब इसी आस्था का दुरुपयोग करके अपराधों को अंजाम दिया जाता है तो यह केवल एक व्यक्ति का नहीं बल्कि पूरे समाज का संकट बन जाता है।

हाल के वर्षों में कई ऐसे मामले सामने आए हैं, जहाँ स्वयंभू बाबा, साधु या ज्योतिषी अपने कृत्यों को ल्लधार्मिक प्रक्रियाङ्क या ल्लआध्यात्मिक उपचारङ्क का नाम देकर महिलाओं के साथ शोषण, ठगी और धोखाधड़ी जैसे गंभीर अपराधों को अंजाम देते पाए गए हैं। इन घटनाओं ने न केवल कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं बल्कि समाज की सोच और जागरूकता पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न लगाया है।

सबसे पहले यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि किसी भी प्रकार का यौन शोषण या बलात्कार, चाहे किसी भी नाम या बहाने से किया जाए, जघन्य अपराध है। ल्लधार्मिक विधिङ्क, ल्लउपचारङ्क या ल्लआध्यात्मिक क्रियाङ्क जैसे शब्दों का प्रयोग करके ऐसे कृत्यों को सही ठहराना न केवल नैतिक रूप से गलत है बल्कि कानून की दृष्टि में पूरी तरह अस्वीकार्य है। यह एक सुनियोजित तरीका होता है, जिसके माध्यम से अपराधी अपने प्रभाव, पद और लोगों की आस्था का लाभ उठाकर उन्हें भ्रमित करता है।

यहाँ एक महत्वपूर्ण सवाल उठता है-क्या केवल अपराधी ही दोषी है या पीड़ित और उसका परिवार भी किसी हद तक जिम्मेदार हैं? यह सवाल समाज में अक्सर उठाया जाता है और कई बार लोग पीड़ितों पर ही उंगली उठाने लगते हैं। लेकिन यह दृष्टिकोण न केवल संवेदनहीन है बल्कि समस्या के मूल कारणों को समझने में भी बाधा बनता है।

कई मामलों में देखा गया है कि ऐसे तथाकथित धार्मिक व्यक्ति पहले लोगों का विश्वास जीतते हैं। वे खुद को चमत्कारी शक्तियों से युक्त बताते हैं, समस्याओं का त्वरित समाधान देने का दावा करते हैं और धीरे-धीरे अपने अनुयायियों पर मानसिक और भावनात्मक नियंत्रण स्थापित कर लेते हैं। इस प्रक्रिया में वे पीड़ितों को इस हद तक प्रभावित कर देते हैं कि वे सही और गलत के बीच अंतर करने में असमर्थ हो जाते हैं। ऐसी स्थिति में यदि कोई महिला विरोध नहीं करती तो इसे सहमति मान लेना गंभीर भूल होगी। इसके अलावा, सामाजिक दबाव, शर्म और बदनामी का डर भी एक बड़ा कारण होता है, जिसके चलते पीड़ित खुलकर सामने नहीं आ पाते। हमारे समाज में आज भी यौन अपराधों को लेकर पीड़ित को ही दोषी ठहराने की प्रवृत्ति मौजूद है। ऐसे में कई महिलाएँ चुप रहना बेहतर समझती हैं। यह चुप्पी अपराधियों के लिए एक ढाल बन जाती है और वे अपने कृत्यों को बार-बार दोहराते रहते हैं।

परिवार की भूमिका को भी पूरी तरह नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यह सच है कि अगर परिवार अपने सदस्यों के प्रति अधिक सतर्क और जागरूक हो तो कुछ हद तक ऐसी घटनाओं को रोका जा सकता है। लेकिन यह भी ध्यान रखना होगा कि हर व्यक्ति, विशेषकर वयस्क, अपने निर्णय स्वयं लेने का अधिकार रखता है। कई बार ये मुलाकातें परिवार की जानकारी के बिना होती हैं और कई बार परिवार भी उसी अंधविश्वास का हिस्सा बन चुका होता है। इसलिए केवल परिवार को दोषी ठहराना भी एक सरलीकृत और अधूरा दृष्टिकोण होगा। अब सवाल उठता है कि क्या देश में मौजूद सभी बाबा और ज्योतिषी ऐसे ही हैं? इसका उत्तर स्पष्ट रूप से ल्लनहींङ्क है। हर पेशे में अच्छे और बुरे लोग होते हैं। लेकिन समस्या तब पैदा होती है जब कुछ लोगों के कृत्य पूरे वर्ग की विश्वसनीयता को प्रभावित करने लगते हैं। ऐसे में आवश्यकता है कि इस क्षेत्र में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित की जाए। यह भी एक महत्वपूर्ण मुद्दा है कि क्या इन तथाकथित धार्मिक और ज्योतिषीय गतिविधियों से समाज को वास्तविक लाभ मिल रहा है या नहीं। इस पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। यदि किसी व्यवस्था में बार-बार ठगी, शोषण और अपराध के मामले सामने आते हैं तो यह संकेत है कि उस व्यवस्था में कहीं न कहीं गहरी खामी है। ऐसे में सरकार और संबंधित संस्थाओं को चाहिए कि वे इस क्षेत्र का अध्ययन करें, आंकड़े एकत्र करें और यह मूल्यांकन करें कि समाज को इससे कितना लाभ और कितना नुकसान हो रहा है। साथ ही, कानून का सख्ती से पालन भी अत्यंत आवश्यक है। जो लोग धर्म या आस्था का सहारा लेकर अपराध करते हैं, उनके खिलाफ त्वरित और कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। यह कार्रवाई केवल दिखावे के लिए नहीं, बल्कि एक स्पष्ट संदेश देने के लिए होनी चाहिए कि कानून से ऊपर कोई नहीं है- चाहे वह कितना ही प्रभावशाली या पूजनीय क्यों न माना जाता हो। लेकिन केवल कानून ही इस समस्या का समाधान नहीं कर सकता। सबसे महत्वपूर्ण भूमिका समाज और आम जनता की है। जब तक लोग बिना सवाल किए, बिना तर्क के किसी भी व्यक्ति पर विश्वास करते रहेंगे, तब तक ऐसे लोग पनपते रहेंगे। शिक्षा और जागरूकता इस समस्या का सबसे प्रभावी समाधान हैं। लोगों को यह समझना होगा कि आस्था और अंधविश्वास में अंतर होता है। आस्था व्यक्तिगत होती है, जबकि अंधविश्वास वह होता है जिसमें व्यक्ति तर्क और विवेक को छोड़ देता है। हमें अपने बच्चों और आने वाली पीढ़ियों को वैज्ञानिक दृष्टिकोण, तार्किक सोच और प्रश्न पूछने की आदत सिखानी होगी। यदि कोई व्यक्ति किसी ल्लधार्मिक प्रक्रियाङ्क के नाम पर आपसे कुछ ऐसा करने को कहता है जो असामान्य, असहज या निजी सीमा का उल्लंघन करता हो तो उस पर तुरंत सवाल उठाना चाहिए। आवश्यकता पड़ने पर कानून की मदद लेनी चाहिए। मीडिया की भूमिका भी इस संदर्भ में महत्वपूर्ण है। मीडिया को चाहिए कि वह ऐसे मामलों को जिम्मेदारी के साथ प्रस्तुत करे, न कि सनसनीखेज तरीके से। साथ ही, समाज में जागरूकता फैलाने के लिए सकारात्मक और शिक्षाप्रद सामग्री को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। अंततः, यह सामूहिक जिम्मेदारी है।

प्रभात समय हिन्दी दैनिक, स्वामी सुधीर कुमार श्रीवास्तव के लिए व उनकी ओर से प्रकाशक एवं मुद्रक सय्यद मोहम्मद परवेज़ अशरफ ने सहाफत प्रेस सलेमपुर हाउस 25 कैसरबाग लखनऊ से छपवा कर 3/717 वास्तु खण्ड गोमती नगर से प्रकाशित किया।
सम्पादक: सुधीर कुमार श्रीवास्तव, प्रबन्धक: आस्था श्रीवास्तव, मोबाइल: 9415089955

घट जलाभिषेक में उमड़ी आस्था जयकारों से गूंजा विंध्य धाम

प्रभात समय संवाददाता

मीरजापुर। वैशाख प्रतिपदा पर शुक्रवार को विंध्याचल धाम में आस्था का अद्भुत नजारा देखने को मिला। जगत जननी मां विंध्यवासिनी के वार्षिक घट जलाभिषेक में हजारों श्रद्धालु उमड़ पड़े। ‏जय मां विंध्यवासिनी‏ के गगनभेदी जयघोष से पूरा धाम गुंजायमान हो उठा।

भोर में मंगला आरती के बाद दर्शन-पूजन का क्रम शुरू हुआ, जिसे सुबह 10 बजे घटाभिषेक के लिए स्थगित कर दिया गया। इसके बाद श्रद्धालु पक्का घाट से गंगाजल घड़ों में भरकर कंधों पर उठाए मंदिर पहुंचे। मिट्टी, तांबे और पीतल के घड़ों में जल भरकर भक्तों ने विधि-विधान से मंदिर परिसर, गर्भगृह, परिक्रमा पथ और छत की धुलाई की।इस दौरान मां अष्टभुजी और मां महाकाली मंदिरों का भी श्रद्धा के साथ जलाभिषेक किया गया। तेज धूप के बावजूद श्रद्धालुओं का उत्साह चरम पर रहा। विंध्य नगरी की गलियां गंगाजल से भरे घड़े लेकर जा रहे भक्तों से पट गईं।

श्रद्धालुओं ने पहले गंगा स्नान कर घड़ों में जल भरा, उस पर स्वास्तिक व माता का नाम अंकित किया और फूल-माला, कलावा बांधकर देवी दरबार पहुंचे। किसी ने एक तो किसी ने इक्कीस घड़ों तक जलाभिषेक कर अपनी आस्था प्रकट की। दोपहर 12 बजे तक चले इस अनुष्ठान के बाद राजश्री आरती और मां के भव्य श्रृंगार के पश्चात मंदिर के कपाट आम श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए। दर्शन के लिए भारी भीड़ उमड़ पड़ी और मां के दिव्य स्वरूप का दर्शन कर भक्त भाव-विभोर हो उठे।

कार्यक्रम में रत्नाकर मिश्र सहित श्री विंध्य पंडा समाज के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में स्थानीय व दूरदराज के श्रद्धालु शामिल रहे। पंडा समाज के अध्यक्ष पंकज द्विवेदी ने बताया कि वार्षिक कार्यक्रम के तहत देर रात तक विशेष पूजन-अनुष्ठान भी आयोजित किए जाएंगे। भारी भीड़ को देखते हुए मंदिर परिसर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे, जिससे पूरा आयोजन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

साइबर क्राइम पुलिस ने ठगी के शिकार पीड़ित के खातें में वापस कराए 4.23 लाख रुपये

प्रभात समय संवाददाता

बांदा। उत्तर प्रदेश के जनपद बांदा में साइबर क्राइम के बढ़ते मामलों की रोकथाम और उसके खुलासे की जांच में जुटी साइबर क्राइम पुलिस ने शुक्रवार को एक पीड़ित को राहत पहुंचाई है। साइबर ठगी का शिकार हुए व्यक्ति के खाते में कुल 4 लाख 23 हजार 200 रुपये सफलतापूर्वक वापस कराए गए हैं।

साइबर क्राइम थाना प्रभारी राजेश चंद्र मिश्रा ने शुक्रवार को बताया कि कोतवाली थाना नगर क्षेत्र निवासी शिवबरन के बैंक खाते से साइबर ठगों ने धोखाधड़ी कर 4 लाख 23 हजार 200 रुपये निकाल लिए थे। पीड़ित ने इस संबंध में साइबर क्राइम थाना में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत मिलते ही साइबर क्राइम टीम ने तत्परता और कुशलता से कार्रवाई शुरू की। टीम ने पीड़ित के खाते में पूरी धनराशि वापस कराई है।

पैसा वापस मिलने पर पीड़ित ने बांदा साइबर पुलिस का आभार व्यक्त किया। बांदा पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि किसी भी प्रकार की ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल या संदिग्ध लेन-देन की स्थिति में तुरंत साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर सूचना दें या नजदीकी थाना, साइबर थाने में शिकायत दर्ज कराएं, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

मुठभेड़ में लुटेरा गिरफ्तार, पैर में गोली लगने से घायल

प्रभात समय संवाददाता

फिरोजाबाद। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जिले में टूण्डला थाना पुलिस टीम ने शुक्रवार को मुठभेड़ में एक लुटेरे को गिरफ्तार किया है। पैर में गोली लगने से घायल अभियुक्त को पुलिस ने उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया।

अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) रवि शंकर प्रसाद ने बताया कि बीती 28 फरवरी को थाना टूण्डला पर नया रसूलपुर निवासी अमित ने मोटर साइकिल लूट के सम्बन्ध में मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लुटेरे की तलाश शुरू कर दी। थाना प्रभारी टूंडला अनिल कुमार सिंह शुक्रवार को पुलिस टीम के साथ क्षेत्र में गश्त पर थे, तभी सूचना मिली कि लूट की मोटर साइकिल लेकर अभियुक्त पुराना बाईपास रोड गेल गैस से पहले खाली प्लॉट में मोटर साइकिल के सौदा करने के लिये खड़ा हैं।

पुलिस टीम ने घेराबंदी की तो संदिग्ध व्यक्ति ने जान से मारने की नीयत से पुलिस बल पर फायर किया। आत्मरक्षार्थ पुलिस टीम की गई जबाबी फायरिंग में व्यक्ति के पैर में गोली लगने से घायल होकर गिर पड़ा। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया, जिसकी पहचान नागऊ निवासी विकास के रूप में हुई है। अभियुक्त से घटना में प्रयुक्त एक तमंचा, दो खोखा कारतूस, एक जिन्दा कारतूस और एक मोटर साइकिल बरामद की है। एएसपी ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त लूट के मामले में वांछित है। घायल अभियुक्त को तत्काल उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

गुड फ्राईडे पर चर्चों में की गईं प्रार्थनाएं

क्वायर्स ने गीत गाकर प्रभु यीशु को किया नमनं, क्वायर्स ने गीत गाकर प्रभु यीशु को किया नमन

प्रभात समय संवाददाता

मुरादाबाद। मुरादाबाद महानगर में शुक्रवार को चर्चों में गुड फ्राईडे पर प्रार्थनाएं की गईं। क्वायर्स ने गीत गाकर प्रभु यीशु को नमन किया। इस दौरान क्रूस पर प्रभु द्वारा कहे गए सात वचनों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

पीलीकोठी स्थित फिलिप्स मैमोरियल मैथोडिस्ट चर्च में गुड फ्राइडे की आराधना कराई गई। आराधना का संचालन रेव्ह अनिलसी लाल द्वारा किया गया। बाईबल पाठ सुमित विल्सन द्वारा किया गया। प्रार्थना अपर्णा मैनसल द्वारा की गई। चर्च क्वायर द्वारा दो मधुर गीतों ‏ कुर्बा हुआ, कुर्बा हुआ ....मेरे लिये ‏ तथा ‏मेरे गुनाह धुल गए, तेरे लहू की धार से‏ को गाया गया ? गुड फ्राइडे के दिन प्रभु येशु ने सारे संसार के पापों को अपने ऊपर लेकर क्रूस पर अपने प्राणों को परमेश्वर पिता के हाथों मे सौंप दिया था ,और अपने जीवन को मानव जाति के उद्धार के लिए बलिदान कर दिया था।क्रूस पर उनके द्वारा कहे गए अंतिम सात वचनों को विभिन्न वक्ताओं द्वारा समझाया गया : पहले वचन में रेव्ह अनिल सी लाल ने कहा कि हे पिता इन्हें क्षमा कर ,क्यूंकि ये नहीं जानते कि क्या कर रहे हैं..., दूसरे वचन मे बैनहर एंथनी ने कहा कि आज ही तू मेरे साथ स्वर्गलोक में होगा..., तीसरे वचन में कुसुम सिंह ने कहा कि हे नारी देख ये तेरा पुत्र है...., चौथे वचन में रेव्ह रोहित मैसी ने कहा कि हे मेरे परमेश्वर, हे मेरे परमेश्वर, तूने मुझे क्यों छोड़ दिया..., पांचवें वचन में जॉनसन जेम्स ने कहा मैं प्यासा हूँ..., छठे वचन में मेजर एस के नेथन ने कहा कि पूरा हुआ..., सातवें वचन में रेव्ह ब्रिजेश मैनसल ने कहा हे पिता, मैं अपनी आत्मा तेरे हाथों में सौंपता हूँ ...।

वक्ताओं ने इन सातों वचनों के द्वारा प्रकाश डाला कि किस प्रकार क्रूस पर लटकाने के बाद भी प्रभु येशु उन लोगों के लिए पिता से क्षमा मांग रहे हैं जिन्होंने उनको क्रूस पर लटकाया ,और एक अन्य व्यक्ति जिसको उनके साथ क्रूस पर लटकाया गया था जो कि अपराधी था, उसके द्वारा अपने पापों के अंगीकार करने पर उसको स्वर्गलोक का आश्वासन दिया ,खुद को एक मनुष्य के रूप में भी प्रस्तुत करते हुए सांसारिक रिश्तों पर भी ध्यान दिया तथा अपनी प्यास को उन पर ज़ाहिर किया ,अंत मे ये कहते हुए कि जो कार्य करने के लिए इस संसार मे आये थे, वह पूरा हुआ। वे कहते हैं कि हे पिता मैं अपनी आत्मा तेरे हाथों मे सौंपता हूँ। आराधना के अंत में आशीष वचन रेव्ह ब्रिजेश मैनसल द्वारा दिये गए। आराधना में राजीव सिंह ,अभिषेक विल्सन ,अंतिम सिंह ,नीरज एडवर्ड, प्रिंस आदि का सहयोग रहा।

केला प्लांट मालिक से लाखों की लूट

प्रभात समय संवाददाता

हाथरस। कोतवाली क्षेत्र में केला प्लांट मालिक से लाखों रुपए की लूट हो गई। चार अज्ञात बदमाशों ने मथुरा अड्डा के पीछे स्थित छाबी मियां बाग मैदान के पास प्लांट मालिक हरिओम को घेर लिया। बदमाशों ने उन्हें तमंचे की बट और लाठी-डंडों से पीटा, जिससे उनके सिर में गंभीर चोटें आईं। बदमाश नकदी, सोने का कड़ा और अंगूठी लूटकर फरार हो गए। इस्लामनगर, आगरा बायपास मार्ग निवासी हरिओम पुत्र राम भरोसी का मथुरा अड्डा के पीछे छाबी मियां बाग मैदान में केला प्लांट है। शुक्रवार रात करीब 10 बजे हरिओम प्लांट से दिनभर की बिक्री के 4 लाख 4 हजार 200 रुपये लेकर घर लौट रहे थे। प्लांट से कुछ दूरी पर घात लगाए बैठे चार अज्ञात बदमाशों ने उन्हें घेर लिया। पीड़ित हरिओम के अनुसार, बदमाशों ने उन पर तमंचे की बट और ईंटों से हमला किया, जिससे वे लहूलुहान होकर सड़क पर गिर पड़े। बदमाशों ने उनके हाथ में पहना सोने का कड़ा, सोने की अंगूठी और नकदी से भरा बैग छीन लिया और मौके से फरार हो गए। घायल हरिओम को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया, जहां उनके सिर में 18 टांके आए हैं। घटना की सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और पुलिस को जानकारी दी। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आसपास के लोगों से पूछताछ की। घायल हरिओम को मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा गया है। पीड़ित हरिओम ने पुलिस को बताया कि इस लूटकांड में एक ऐसा युवक भी शामिल है, जिसे उन्होंने पहचान लिया है। यह युवक करीब 15 दिन पहले ही उनके प्लांट पर काम करने आया था। हरिओम का आरोप है कि उस युवक को प्लांट की नकदी और उनके आने-जाने के समय की पूरी जानकारी थी। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है।

स्वामी यशवीर महाराज मारे गए दलित के घर पहुंचे, परिजनों को दी सान्त्वना

प्रभात समय संवाददाता

गाजियाबाद। जनपद गाजियाबाद के लोनी के गीतांजलि विहार में रहने वाले दलित व्यक्ति नितिन कुमार की हुई निर्मम हत्या के मामले में जिहादियों ने शुक्रवार को आज स्वामी यशवीर महाराज दलित युवक के परिवार से उसके घर पर जाकर मिले।

उन्होंने कहा कि यह परिवार बहुत ही गरीब परिवार है। उन्होंने कहा कि जिहादियों ने घर की कमाई करने वाले हिंदू युवक को ही मौत के घाट उतार दिया। दलित परिवार के सामने घर चलाने का भी संकट खडा हो गया है। उन्होंने कहा कि जो अपराधी इस मामले में फरार हैं, यदि उनको एक सप्ताह के अंदर गिरफ्तार नहीं किया गया तो जिहादियों के घर के बाहर हम हिंदू समाज को लेकर धरना प्रदर्शन और हिंदू पंचायत करेंगे। उन्होंने कहा कि

गरीब दलित परिवार को न्याय मिलना चाहिए। न्याय मिलने तक इस गरीब परिवार के लिए आंदोलन चलता रहेगा। दलित युवक को मारकर जो अपराध किया गया है, इस अपराध के लिए इन अपराधियों का एनकाउंटर होना चाहिए और इनके घरों पर बुलडोजर भी चलना चाहिए। वही इस बाबत पूछने पर अपर पुलिस आयुक्त कानून व्यवस्था राजकरण नैय्यर ने बताया कि पुलिस की कई टीमें इस घटना में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है। उन्होंने बताया कि इस घटना में शामिल चार लोगों को पूर्व में गिरफ्तार किया जा चुका है। उन्होंने दावा किया कि जल्द ही अन्य आरोपियों की गिरफ्तार कर ली जाएगी।

क्विक न्यूज

दो पहिया वाहनों की टक्कर में वृद्ध की मौत

हाथरस। उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले में शुक्रवार को सादाबाद थाना क्षेत्र में दो पहिया वाहनों की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में एक वृद्ध की मौत हो गई, जबकि राहगीर समेत चार लोग घायल हो गये। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। सादाबाद थाना प्रभारी विजय सिंह ने बताया कि नगला मया निवासी भगवान सिंह शुक्रवार दोपहर मोपेड से नौगांव से लौट रहे थे। इसी दौरान मथुरा रोड पर सामने से आ रही एक बाइक से उनकी टक्कर हो गई। हादसे में पैदल चल रहा एक राहगीर चपेट में आ गया। दुर्घटना में पांच लोग घायल हुए थे। सभी को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टरों ने भगवान सिंह को मृत घोषित कर दिया, जबकि नौगांव निवासी अनिल को आगरा के हायर सेंटर रेफर किया गया। बाइक सवार मथुरा के रैपुरा जाट निवासी अंकित, नगला ब्राह्मण, थाना सहपऊ निवासी बृजेश और गौरव पुत्र घनश्याम का उपचार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चल रहा है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम भेज दिया है। थाना प्रभारी विजय सिंह ने बताया कि दो पहिया वाहनों की टक्कर में वृद्ध की मौत हो गई है। हादसे में चार लोग घायल हो गये। दुर्घटना के बाद कुछ देर के लिए यातायात भी बाधित रहा अब स्थिति सामान्य है। पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

हाईटेंशन लाइन से निकली चिंगारी ने मचाई तबाही, साढ़े तीन बीघा गेहूं जलकर राख

मीरजापुर। चुनार क्षेत्र के बहरामगंज में शुक्रवार दोपहर तेज हवा के बीच हाईटेंशन विद्युत लाइन में हुए शॉर्ट सर्किट ने किसानों की मेहनत पर पानी फ़ेर दिया। चिंगारी गिरते ही गेहूं की खड़ी फसल में आग लग गई, जो हवा के साथ तेजी से फैलती चली गई और देखते ही देखते करीब साढ़े तीन बीघा फसल जलकर राख हो गई। घटना के समय तेज हवाएं चल रही थीं, जिससे आग ने विकराल रूप ले लिया। खेत के ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन में अचानक शॉर्ट सर्किट हुआ और निकली चिंगारी सीधे फसल पर गिर गई। कुछ ही देर में आग ने आसपास के खेतों को अपनी चपेट में ले लिया। आग लगते ही ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और पुलिस व फायर ब्रिगेड को सूचना दी। हालांकि दमकल के पहुंचने से पहले ही ग्रामीणों ने करीब डेढ़ घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया, जिससे आसपास के अन्य किसानों की फसल बच गई। आग बुझने के बाद मीरजापुर से दमकल की गाड़ी मौके पर पहुंची। आग लगने से रामजी याद (पुत्र शोभनाथ यादव) तथा दयाराम यादव व मायाराम यादव (पुत्र स्व. मनबोध यादव) की गेहूं की फसल इस आग की चपेट में आ गई, जिससे उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ा है। घटना की सूचना राजस्व विभाग को दे दी गई है। किसानों ने प्रशासन से मुआवजे की मांग की है।

खेत जोतने को लेकर सास बहू से मारपीट

हाथरस। कोतवाली क्षेत्र के नगला बाग गांव में खेत जोतने को लेकर हुए विवाद में एक महिला और उसकी पुत्रवधू के साथ मारपीट की गई। इस घटना में महिला के सिर में चोट आई है। गांव निवासी सरोज देवी पत्नी सुभाष चंद्र ने कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने आरोप लगाया कि शुक्रवार सुबह करीब 10 बजे गांव के कुछ लोग उनके घर के सामने आए और गाली-गलौज करते हुए लाठी-डंडों से हमला कर दिया। पीड़िता के अनुसार, आरोपी उनके खेत को जबरन जोत रहे थे। जब सरोज देवी ने इसका विरोध किया, तो आरोपियों ने उनके साथ-साथ उनकी पुत्रवधू के साथ भी मारपीट की। हमले में सरोज देवी के सिर में चोट आई। महिला ने यह भी आरोप लगाया कि जाते समय आरोपियों ने उन्हें जान से मारने की धमकी दी। घटना के बाद परिजन घायल महिलाओं को लेकर कोतवाली पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई। इस मामले में प्रभारी निरीक्षक विजय सिंह ने बताया कि शिकायत मिलने के बाद घायलों का मेडिकल करा दिया गया है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दिल्ली रैली के लिए शिक्षक रवाना

प्रभात समय संवाददाता

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले से टीचर्स फ़ेडरेशन ऑफ इंडिया (टीएफआई) के आवाहन पर शुक्रवार को नई दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) का विरोध प्रदर्शन करने के लिए रवाना हुए।

प्राथमिक शिक्षक संघ के लालगंज ब्लॉक अध्यक्ष संतोष कुमार मिश्रा और ब्लॉक महामंत्री विष्णु कुमार सिंह के नेतृत्व में सौ से अधिक शिक्षक बस से रवाना हुए। शिक्षकों का कहना है कि जब 27 जुलाई 2011 को टीईटी लागू की गई तो उससे पूर्व भर्ती हुए अध्यापकों पर इसे क्यों थोपा जा रहा है। यह शिक्षकों के साथ अन्याय है।उच्चतम न्यायालय के एक निर्णय में आरटीई कानून से पहले नियुक्त शिक्षकों के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) अनिवार्य किए जाने के बाद शिक्षकों में नाराजगी बढ़ गई है।

प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष संतोष मिश्रा व महामंत्री विष्णु कुमार सिंह ने कहा कि टीईटी पास नहीं होने की स्थिति में सेवा से मुक्त करने की शर्त से लाखों शिक्षक प्रभावित होंगे। हम लोगों की मांग है कि केंद्र सरकार हस्तक्षेप कर 2010 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों को टीईटी की अनिवार्यता से राहत दे, क्योंकि एनसीटीई की 2010 की अधिसूचना में ऐसे शिक्षकों को छूट देने का प्रावधान है। इसी मुद्दे को लेकर टीचर्स फ़ेडरेशन ऑफ इंडिया के आह्वान पर दिल्ली के रामलीला मैदान में राष्ट्रीय शिक्षक रैली आयोजित की जा रही है। रैली के लिए लालगंज ब्लॉक से शिक्षक बस से दिल्ली के लिए रवाना हो चुके हैं। कुछ लोग ट्रेन से निकले हैं। ब्लॉक महामंत्री विष्णु कुमार सिंह,कोषाध्यक्ष हिमांशु ओझा,पंकज मिश्रा, कमलेश मिश्रा, डॉ. रमेश मिश्रा,ऋषि द्विवेदी, सुभाष चंद्र पांडेय,राजेश्वर यादव ,गिरिजा नंद,नरेंद्र ओझा,गिरिजा दत्त पांडेय,विनय सिंह,ओम प्रकाश सरोज,अरुण पांडेय,राम सिरोमणि यादव,धर्मेंद्र सिंह,राम प्रकाश यादव,राजाराम सरोज,राजेश वर्मा,सुशांत पांडेय,अखिलेश सिंह,शारदा प्रसाद,अजीत कुमार पांडेय,सुनील सिंह,संदीप सिंह,पारितोष ओझा,लालचंद्र रजक,मनोज गुप्ता,श्याम मिश्रा,उमेश कुमार मिश्रा ,योगेश कुमार शुक्ला एवं अन्य शिक्षक शामिल रहे।

सड़क हादसे में छात्रा की मौत, सहेली घायल

मीरजापुर। अहरौरा थाना क्षेत्र के जंगल महाल गांव स्थित करहिया घाटी में शुक्रवार को सड़क हादसे में साइकिल सवार छात्रा की मौत हो गई, जबकि उसकी सहेली घायल है। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने विद्यालय प्रबंधन पर आरोप लगाते हुए हंगामा किया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने कार्रवाई का आश्वासन देकर शांत कराया। चुनार थाना क्षेत्र के बहेरा गांव निवासी पिंकी कुमारी (17) अपनी सहेली सुमन कुमारी (16) के साथ साइकिल से स्कूल जा रही थीं। पहाड़ी रास्ते पर साइकिल अनियंत्रित होकर चट्टान से टकरा गई। साइकिल चला रही सुमन घायल हो गई, जबकि पीछे बैठी पिंकी गिरकर पत्थर से टकरा गई, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पिंकी कक्षा आठ उत्तीर्ण करने के बाद बनईमिलिया स्थित स्कूल में प्रवेश लेने जा रही थी। हादसे की खबर मिलते ही मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि शुक्रवार को गुड फ्राइडे के अवकाश के बावजूद विद्यालय में बच्चों को बुलाया गया, जिससे आक्रोश फैल गया और हंगामा शुरू हो गया।

जिलाधिकारी ने फार्मर रजिस्ट्री कैंप का किया निरीक्षण, सुनी समस्यायें

प्रभात समय संवाददाता

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर में जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र ने शुक्रवार को नगर पंचायत रामपुर स्थित एसपीएस कंप्यूटर सेंटर पर आयोजित फार्मर रजिस्ट्री कैंप का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने रजिस्ट्री कार्य की प्रगति का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को टीम भावना के साथ कार्य करते हुए निर्धारित लक्ष्य समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने मौके पर किसानों के रजिस्ट्रेशन में आ रही समस्याओं की जानकारी ली। अधिकारियों ने बताया कि कई मामलों में कृषक के नाम, पिता के नाम तथा खतौनी में दर्ज विवरण में अंतर होने के कारण फार्मर रजिस्ट्री में दिक्कतें आ रही हैं। इस पर जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी और लेखपालों को निर्देशित किया कि ऐसे मामलों को खतौनी में संशोधन कर जल्द से जल्द निस्तारित किया जाए, ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो और रजिस्ट्री कार्य समयबद्ध तरीके से पूरा हो सके। जिलाधिकारी ने रजिस्ट्री प्रक्रिया में पारदर्शिता और तेजी लाने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि किसानों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित किया जाए। इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले श्याम अनुज पांडे को जिलाधिकारी द्वारा अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। निरीक्षण के दौरान उप जिलाधिकारी मड़ियाहूं, नायब तहसीलदार संदीप सिंह, कृषि विशेषज्ञ जय प्रकाश गुप्ता तथा लेखपालों की टीम भी मौजूद रही। कार्यक्रम में लेखपाल विपिन यादव, रतन बहादुर यादव, मिथिलेश कुमार, श्याम कार्तिक, अवधेश कुमार, डॉ. संतोष पांडेय सहित ग्राम प्रधान राघोरामपट्टी मुरलीधर मिश्रा, अमित सिंह, समेत अन्य लोग उपस्थित रहे।

हिस्ट्रीशीटर पर जानलेवा हमला

चार गोली लगने के बाद भी खुद गाड़ी चलाकर पहुंचा अस्पताल

प्रभात समय संवाददाता

गाजियाबाद। मोदीनगर थाना क्षेत्र के सीकरी कला गांव स्थित एक ढाबे के सामने गुरुवार देर रात को एक अज्ञात बदमाश ने हिस्ट्रीशीटर पर ताबड़तोड़ गोली चला दी। उसे चार गोली लगी है। बदमाश खुद 30 मिनट तक कार चलाता हुआ अस्पताल पहुंचा। उसका उपचार अस्पताल में चल रहा है। उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। अपर पुलिस आयुक्त (कानून व्यवस्था) राजकरण नैय्यर ने बताया कि मूल रूप से मोदीनगर के गांव बेगमाबाद निवासी राहुल उर्फ कालू हिस्ट्रीशीटर बदमाश है। वह सीकरी कला गांव स्थित स्वागत होटल पर किसी से मिलने के लिए रूका। ढाबे पर पहले से मौजूद एक युवक से वह बात करने लगा। जिस युवक से वह बात कर रहा था उसने उसके ऊपर चार गोली चला दी। गोली उसके कंधे, पेट और सीने में लगी है। गोली लगने के बाद राहुल कार चलाकर खुद अस्पताल पहुंचा, उसे डॉक्टर ने उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कर लिया। उन्होंने बताया कि अस्पताल की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंचकर घायल का हालचाल लिया। डॉक्टर ने बताया कि राहुल को चार गोली लगी है। वहीं, पुलिस ने घटनास्थल पहुंचकर जांच की और आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगला। यह मामला काफी संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। अपर पुलिस आयुक्त ने बताया कि राहुल थाना मोदीनगर का हिस्ट्रीशीटर बदमाश है। उसके ऊपर विभिन्न धाराओं में 12 से अधिक मुकदमे चल रहे हैं। जांच में यह भी आया है कि उन्होंने पिछले वर्ष भी थाना निवाड़ी भी इसी तरह के एक मुकदमा दर्ज करवाया था, जिसमें कुछ लोगों को नामित किया गया था। उन्होंने बताया कि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है। उल्लेखनीय है कि राहुल अपने सगे भाई की हत्या के मामले में जेल गया था। वह से जमानत रिहा तो पांच महीने पूर्व जिला पंचायत सदस्य के पुत्र और राष्ट्रीय लोक दल के जिला उपाध्यक्ष रवि बाल्मिकी से 15 लाख रुपये की रंगदारी मांगने के आरोप में थाना मोदीनगर पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया था।

क्विक न्यूज

नहर में बह गया बालक, चार घंटे बाद मिला शव

मीरजापुर। शुक्रवार को एक हृदयविदारक घटना में बाणसागर नहर की तेज धारा में बहकर 12 वर्षीय बालक की मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है। हलिया थाना क्षेत्र के फुलियारी गांव निवासी जगनारायण पाल का पुत्र विजय शंकर पाल (12) शुक्रवार सुबह करीब 10 बजे शौच के लिए गांव के पास स्थित बाणसागर नहर की ओर गया था। इसी दौरान उसका पैर फिसल गया और वह नहर की तेज धारा में बहने लगा। आसपास मौजूद लोगों ने उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन तेज बहाव के चलते वह देखते ही देखते लापता हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों के साथ मिलकर नहर को बंद कराकर खोजबीन शुरू की गई। करीब चार घंटे की मशक्कत के बाद घटनास्थल से लगभग 300 मीटर दूर नहर की झाल में बालक का शव बरामद हुआ। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। मौके पर पहुंची मां मनावती देवी का रो-रोकर बुरा हाल है। बताया गया कि विजय शंकर तीन भाइयों और एक बहन में दूसरे नंबर पर था और गांव के पूर्व माध्यमिक विद्यालय में कक्षा 06 का छात्र था। थानाध्यक्ष राजीव कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला पैर फिसलने से नहर में गिरने का है। नहर को बंद कराकर सघन खोजबीन की गई, जिसके बाद बालक का शव बरामद हुआ। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

नगर मजिस्ट्रेट का आकस्मिक निधन

फर्रुखाबाद। उत्तरप्रदेश के फर्रुखाबाद जिले में कार्यरत सिटी मजिस्ट्रेट संजय बंसल का शुक्रवार शाम लगभग 5 बजे आकस्मिक देहांत हो गया। उनके निधन की सूचना मिलते ही पूरे प्रशासनिक तंत्र में शोक का वातावरण व्याप्त हो गया और अधिकारी-कर्मचारियों में गहरा दुख देखा गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, संजय बंसल लंबे समय से उच्च रक्तचाप की समस्या से ग्रसित थे। गुरुवार दोपहर के बाद वे अवकाश लेकर फर्रुखाबाद से बाहर गए थे। इसी दौरान अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई, जिसके बाद उन्हें नोएडा स्थित एक निजी चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। जहां उपचार के दौरान शुक्रवार शाम करीब 5 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर मिलते ही जिला प्रशासन में शोक की लहर दौड़ गई। अपने कार्यकाल के दौरान वे जन समस्याओं के निराकरण के प्रति अत्यंत संवेदनशील रहे और आम लोगों के बीच उनकी सुलभ एवं सकारात्मक छवि थी। संजय बंसल के असमय निधन से प्रशासनिक कार्यों पर भी प्रभाव पड़ने की संभावना जताई जा रही है। जिले के प्रशासनिक अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की है। आगामी 30 अप्रैल को उनके पुत्र का विवाह था। जिलाधिकारी आशुतोष कुमार द्विवेदी ने बताया कि नगर मजिस्ट्रेट संजय बंसल का निधन हो गया है। उनके परिजनों से वार्ता हुई है। उनके लिए शोक संवेदना हैं।

छुट्टी पर घर आए दरोगा की मौत

देवरिया। जनपद गोंडा के धानेपुर थाना क्षेत्र में तैनात दरोगा सतेन्द्र कुमार यादव (46) पुत्र सूर्व देव, निवासी करमूवा, भाटपार रानी (जनपद देवरिया) की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई। परिजनों के अनुसार, सतेन्द्र कुमार यादव कल अपने घर अवकाश पर आए थे। इसके बाद वह टहलने के लिए खेत की तरफ गए थे, जहां उनकी संदिग्ध हालत में मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने विधिक कार्रवाई करते हुए मौत के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है। मृतक के परिवार में पत्नी कुसुम देवी तथा बच्चे आशुतोष यादव, नवनीत यादव और निधि यादव हैं। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का खुलासा हो सकेगा।

900 नए उपभोक्ताओं ने लिया पीएनजी गैस कनेक्शन

मुरादाबाद। गैस सिलिंडर भरवाने की जद्दोजहद से बचने के लिए लोग पीएनजी कनेक्शन के लिए आवेदन किया हैं। टोरेंट कंपनी के अधिकारियों का कहना है कि 900 से अधिक नए उपभोक्ताओं को कनेक्शन उपलब्ध कराए गए हैं। अभी दस हजार लोगों को कनेक्शन देने के लिए कंपनी तैयार है। महानगर में पहले टोरेंट कंपनी से पीएनजी कनेक्शन लेने वालों की संख्या लगभग 50 हजार थी, लेकिन इस्राइल-अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध छिड़ने के कारण घरेलू और व्यावसायिक गैस सिलिंडर की आपूर्ति में बाधा उत्पन्न हो गई। केंद्र सरकार ने व्यावसायिक गैस सिलिंडर पर प्रतिबंध लगा दिया। साथ ही घरेलू गैस सिलिंडर की आपूर्ति के लिए सख्त निर्देश जारी कर दिए। इस वजह से केवाईसी नहीं कराने वाले लगभग दो लाख उपभोक्ताओं को घरेलू गैस सिलिंडर मिलना बंद हो गया। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व ममता मालवीय ने बताया कि केवाईसी लेने वालों को ही घरेलू गैस सिलिंडर मिलेगा। इधर वेबसाइट सही समय पर नहीं चलने के कारण बुकिंग भी बड़ी समस्या बन गई है।

युवती की हत्या में फरार आरोपित गिरफ्तार

देवरिया। उत्तर प्रदेश में जनपद देवरिया के मदनपुर थाना क्षेत्र में हुई हत्या की घटना का पुलिस ने अनावरण करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) आनंद कुमार पाण्डेय ने बताया कि मदनपुर के बरांव निवासी वीर बहादुर उर्फ शिवम को दो अप्रैल की रात को सेमरा पुल जाने वाले मार्ग के पास से गिरफ्तार किया है। उसके खिलाफ इसी गांव के रहने वाले शिवानंद प्रसाद ने पुलिस को तहरीर देते हुए बताया था आरोपित बेटी से शादी करने का दबाव डाल रहा था, जबकि वह इस रिश्ते के ?खिलाफ थी। इसी बात से नाराज होकर आरोपित ने खुन्नस में आकर एक अप्रैल की रात को युवती की हत्या कर दी थी।

नवजात शिशु का शव गेहूं के खेत में मिला, जांच में जुटी पुलिस

औरैया। उत्तर प्रदेश में औरैया जिले के फफूंद थाना क्षेत्र अंतर्गत गांव भौनकपुर में बुधवार को गेंहू के खेत में एक नवजात शिशु का शव पड़ा मिला। घटना की जानकारी मिलते ही पूरे गांव में चर्चा का माहौल बन गया और मौके पर लोगों की भीड़ एकत्र हो गई। गांव के बाहर स्थित संदीप के खेत में इन दिनों गेंहू की फसल की कटाई चल रही है। शुक्रवार सुबह लगभग पांच बजे संदीप अपनी पत्नी निशा के साथ खेत में फसल काटने पहुंचे थे। जैसे ही वे खेत में आगे बढ़े उनकी नजर जमीन पर पड़े एक नवजात शिशु पर पड़ी।

टोल प्लाजा हटाने को लेकर आंदोलन की चेतावनी कांग्रेस का आरोप- सरकार के इशारे पर लूट

- सात अप्रैल को कांग्रेस का हल्ला बोल, अनिश्चितकालीन धरना
- अहरौरा टोल प्लाजा पर 20 किमी तक फ्री पास की मांग

प्रभात समय संवाददाता

मीरजापुर। जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय मिशन कंपाउंड में शुक्रवार को आयोजित बैठक में अहरौरा स्थित कथित फर्जी टोल प्लाजा को हटाने और 20 किलोमीटर के दायरे में रहने वाले लोगों को फ्री पास देने की मांग जोर-शोर से उठाई गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाध्यक्ष डॉ. शिवकुमार सिंह पटेल ने कहा कि सरकार के इशारे पर जनता के परिश्रम की कमाई पर फर्जी टोल टैक्स के जरिए लूट की जा रही है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष आरोप लगाया कि इस मामले में सांसद और विधायक की मिलीभगत है, क्योंकि वे इस मुद्दे पर मौन साधे हुए हैं। उन्होंने घोषणा की कि इन मांगों को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी 7 अप्रैल को दोपहर 12 बजे जिलाधिकारी कार्यालय पर अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन करेगी। बैठक में मुख्य अतिथि अनुसूचित जाति के राष्ट्रीय कोऑर्डिनेटर एवं पूर्व विधायक भगवती प्रसाद चौधरी ने कहा कि भाजपा सरकार में महंगाई चरम पर है, किसान परेशान हैं और नौजवान बेरोजगारी से जूझ रहे हैं।

जिला पंचायत सदस्य शिवशंकर चौबे और कार्यक्रम का संचालन कर रहे प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य व प्रवक्ता छोटे खान ने शहर की बदहाल सड़कों का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि नगर की सड़कों की हालत इतनी खराब है कि लोगों को रोजाना दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है और दुर्घटनाएं भी हो रही हैं। रमईपट्टी से कनौरा मार्ग तक की सड़क की स्थिति बेहद खराब है।

उन्होंने जिला प्रशासन से तत्काल सड़कों के निर्माण की मांग की। कांग्रेस नेताओं ने एक स्वर में चेतावनी दी कि यदि मांगें नहीं मानी गईं तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। बैठक में अनुसूचित जाति के प्रदेश महासचिव दुर्गा प्रसाद चौधरी और शहर अध्यक्ष डॉ. दिनेश चौधरी का स्वागत किया गया। कार्यक्रम में पूर्व नपा चेयरमैन दीपचंद्र जैन, गुलाब चंद पांडेय, रमेश चंद प्रजापति आदि मौजूद थे।

बसुही नदी पर नया पुल तैयार, डीएम ने किया निरीक्षण, ग्रामीणों को मिलेगी बड़ी राहत

प्रभात समय संवाददाता

जौनपुर। यूपी के जौनपुर स्थित मड़ियाहूं तहसील क्षेत्र में बसुही नदी पर निर्मित नया पुल अब पूरी तरह तैयार हो गया है। शुक्रवार को जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र ने इसका आकस्मिक निरीक्षण कर निर्माण कार्य की गुणवत्ता का जायजा लिया। इस पुल के शुरू होने से आसपास के गांवों के लोगों को आवागमन में बड़ी सुविधा मिलने की उम्मीद है।यह पुल नगेसरा और पुरेल्ला गांव के मध्य नगेसरा घाट पर बसुही नदी पर बनाया गया है। परियोजना के अंतर्गत मुख्य सेतु के साथ पहुंच मार्ग, अतिरिक्त पहुंच मार्ग और आवश्यक सुरक्षात्मक कार्य भी शामिल हैं। पुल की कुल लंबाई 71.480 मीटर है, जबकि इसकी लागत लगभग 1130 लाख रुपये बताई गई है।निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार जिले में चल रही सभी निर्माणाधीन परियोजनाओं को निर्धारित समयसीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा किया जा रहा है। इसी क्रम में इस

पुल निर्माण कार्य की नियमित निगरानी की जाती रही, जिससे इसे समय पर पूर्ण किया जा सका। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से बरसात के मौसम में इस क्षेत्र के ग्रामीणों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था, लेकिन अब पुल बनने से आवागमन सुगम हो जाएगा। इससे स्थानीय लोगों को शिक्षा, स्वास्थ्य और बाजार तक पहुंचने में भी आसानी होगी।इस पुल का निर्माण उत्तर प्रदेश राज्य सेतु निगम लिमिटेड द्वारा कराया गया है। निरीक्षण के दौरान उप जिलाधिकारी मड़ियाहूं सहित अन्य संबंधित अधिकारी भी मौजूद रहे। स्थानीय ग्रामीणों ने पुल निर्माण को लेकर खुशी जताई है और इसे क्षेत्र के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है।

मां विंध्यवासिनी मंदिर में घटाभिषेक शुरू,दो घंटे तक चलेगी विशेष धुलाई व्यवस्था

प्रभात समय संवाददाता

मीरजापुर। उत्तर प्रदेश के मीरजापुर जिले में विश्व प्रसिद्ध मां विंध्यवासिनी मंदिर में शुक्रवार को परंपरागत विधि-विधान के साथ घटाभिषेक की प्रक्रिया प्रारंभ हुई। सुबह ठीक 10 बजे आम श्रद्धालुओं के लिए मंदिर में दर्शन-पूजन अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया, जिसके बाद पूरे मंदिर परिसर को विशेष अनुष्ठान के लिए तैयार किया गया।

घटाभिषेक शुरू करने से पहले सुरक्षा और व्यवस्था के मद्देनजर मंदिर का समस्त बिजली कनेक्शन काट दिया गया। इसके पश्चात वैदिक मंत्रोच्चार के बीच अनुष्ठान की शुरुआत हुई। नगर विधायक एवं तीर्थ पुरोहित रत्नाकर मिश्र ने सबसे पहले गंगा जल से भरा घड़ा मां विंध्यवासिनी के चरणों में अर्पित कर घटाभिषेक का शुभारंभ किया। परंपरा के अनुसार, इस दौरान हजारों की संख्या में स्थानीय श्रद्धालु मिट्टी के घड़ों में गंगा जल भरकर मंदिर परिसर की धुलाई करते हैं। लगभग दो घंटे तक चलने वाले इस विशेष अनुष्ठान में भक्तजन पूरे श्रद्धा भाव से भाग लेते हुए मंदिर को पवित्र करते हैं। मंदिर परिसर में धार्मिक उत्साह और भक्ति का माहौल बना हुआ है। मंदिर प्रशासन के अनुसार, घटाभिषेक और साफ-सफाई की प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद दोपहर में राजश्री आरती संपन्न कराई जाएगी। इसके पश्चात दोपहर 1:30 बजे मंदिर को पुनः श्रद्धालुओं के दर्शन-पूजन के लिए खोल दिया जाएगा।

घटाभिषेक को लेकर सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन के विशेष इंतजाम किए गए हैं, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो और अनुष्ठान शांतिपूर्वक संपन्न हो सके।

जौनपुर में बदला मौसम का मिजाज, बारिश और तेज हवाओं से किसानों की बढ़ी चिंता

प्रभात समय संवाददाता

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जनपद जौनपुर में शुक्रवार दोपहर अचानक मौसम ने करवट ले ली। सुबह जहां तेज धूप खिली हुई थी, वहीं दोपहर बाद आसमान में काले बादल छा गए और शहर समेत जिले के कई इलाकों में तेज हवाओं के साथ हल्की बारिश भी हुई है। धूल भरी आधी के कारण घंटी आवागमन प्रभावित रहा।लोग सड़कों के किनारे खड़े होकर आंधी का बंद होने का इंतजार करते रहे। इस बदलाव ने आमजन को राहत तो दी, लेकिन किसानों की चिंता बढ़ा दी है।

मौसम विभाग के अनुसार शुक्रवार को अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 25 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अचानक आई नमी और

तापमान में उतार-चढ़ाव का सीधा असर रबी की फसलों पर पड़ सकता है। कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि यदि बारिश तेज होती है या ओलावृष्टि होती है, तो खेतों में खड़ी गेहूं, सरसों, चना और अरहर की फसल को भारी नुकसान हो सकता है। कृषि वैज्ञानिक सुरेश कन्नौजिया ने किसानों को चेतावनी दी है कि इस तरह के मौसम में फसलों में फाइटॉफ्थोरा (फफूंद जनित रोग) का खतरा बढ़ जाता है, जिससे उत्पादन प्रभावित हो सकता है। वहीं, खेतों के साथ-साथ खलिहानों में रखी फसलें भी सुरक्षित नहीं हैं। सरसों, मटर, अगेती चना और मसूर जैसी फसलें खुले में मड़ाई के लिए रखी गई हैं, जिनके भीगने से गुणवत्ता और उत्पादन दोनों पर असर पड़ सकता है।

बरसठी के किसान रमेश चंद्र और नेवढ़िया के उमाशंकर तिवारी ने बताया कि इस बार अच्छी पैदावार की उम्मीद थी, लेकिन अचानक बदले मौसम ने उनकी परेशानी बढ़ा दी है। किसानों का कहना है कि यदि बारिश का सिलसिला जारी रहा, तो उनकी मेहनत पर पानी फिर सकता है। फिलहाल मौसम के इस बदले मिजाज ने किसानों को सतर्क रहने के लिए मजबूर कर दिया है।

म्यूल अकाउंट जांच में साइबर क्राइम टीम की बड़ी कार्रवाई, 60 करोड़ के संदिग्ध ट्रांजैक्शन का खुलासा

प्रभात समय संवाददाता

देवरिया। देवरिया में साइबर क्राइम पुलिस टीम ने ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए म्यूल अकाउंट के जरिए फर्जी लेन-देन करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। इस मामले में एक आरोपित को गिरफ्तार किया गया है, जिसके पास से भारी मात्रा में दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बरामद किए गए हैं।

अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) आनंद कुमार पाण्डेय ने आज बताया कि थाना साइबर क्राइम टीम ने 2 अप्रैल को कार्रवाई करते हुए बरहज थाना क्षेत्र के बेलडाड़ मोड़ के पास से आरोपित माखन लाल गुप्ता को गिरफ्तार किया। वह बरगइया टोला, जयनगर वार्ड नंबर-4 का निवासी है। जांच में सामने आया कि उसने ह्ललेक्सी रुफ सॉफ्टवेयर सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेडङ्क नाम से एक डमी कंपनी बना रखी थी,

जिसके जरिए कई बैंक खातों का संचालन किया जा रहा था। इस नेटवर्क में कुल 9 खाते शामिल पाए गए। इन खातों पर विभिन्न राज्यों से एनसीआरपी पोर्टल पर 46 शिकायतें दर्ज हैं। पुलिस के अनुसार, इन खातों के माध्यम से अब तक करीब 60 करोड़ रुपये का संदिग्ध ट्रांजैक्शन किया गया है।

अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) आनंद कुमार पाण्डेय ने बताया कि गिरफ्तार आरोपित के पास से 11 चेकबुक, 9 एटीएम कार्ड, पासबुक, आधार कार्ड, विभिन्न कम्पनियों के एग्रीमेंट दस्तावेज, जीएसटी रजिस्ट्रेशन, कंपनी के एमओए और एओए सहित बड़ी संख्या में कागजात बरामद किए गए। इसके अलावा एक एप्पल मोबाइल फोन और दो डेल लैपटॉप भी जब्त किए गए हैं।

उन्होंने बताया कि इस संबंध में थाना साइबर क्राइम देवरिया में बीएनएस की विभिन्न धाराओं और आईटी एक्ट की धारा 66कमें मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अन्य फरार आरोपितों की तलाश में जुटी है। पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि वे अपने बैंक खाते, एटीएम, ओटीपी और अन्य गोपनीय जानकारी किसी के साथ साझा न करें। किसी भी संदिग्ध लेन-देन की सूचना तत्काल साइबर हेल्पलाइन 1930 या नजदीकी थाने में दें।

मुंबई इंडियंस के खिलाफ दिल्ली कैपिटल्स के शीर्ष क्रम पर होगी निगाह

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के सत्र में शनिवार को यहां जब अपने घरेलू मैदान पर पहले मैच में आत्मविश्वास से ओतप्रोत मुंबई इंडियंस का सामना करेगा तो सभी की निगाहें उसके शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों पर टिकी होगी। दिल्ली कैपिटल्स ने पिछले साल पारी की शुरुआत करने के लिए सात जोड़ियों को आजमाया था। उम्मीद की जा रही थी कि इस साल वह इसमें अधिक स्थिरता लाएगा लेकिन शुरुआती संकेतों से पता चलता है कि समस्या अब भी बनी हुई है। दिल्ली कैपिटल्स पहले मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ 142 रन का पीछा करते हुए अच्छी शुरुआत नहीं कर पाया था। केएल राहुल पहली ही गेंद पर आउट हो गए, जबकि नितीश राणा और पथुम निस्संका भी नहीं टिक पाए जिससे उसका स्कोर चार विकेट पर 26 रन हो गया। इसके बाद 22 वर्षीय समीर रिजवी ने 'इंपैक्ट प्लेयर' के रूप में उतरकर संयम और परिपक्वता का शानदार परिचय देते हुए नाबाद अर्धशतक लगाया। इन्होंने अनुभवी ट्रिस्टन स्टब्स के साथ मिलकर 119 रन की अटूट साझेदारी करके अपनी टीम को छह विकेट से जीत दिलाई थी।

रिजवी का प्रदर्शन दिल्ली के लिए अच्छा संकेत है लेकिन शीर्ष क्रम में उसकी कमजोरी चिंता का विषय है। अब उसे जसप्रीत बुमराह के अगुवाई वाले मुंबई के मजबूत गेंदबाजी आक्रमण का सामना करना है और उसके लिए यह आसान नहीं होगा। अपने पहले आईपीएल खिताब की तलाश में जुटी कैपिटल्स की टीम शीर्ष क्रम में अधिक स्थिरता देखने के लिए उत्सुक होगी। उसके पास दो विकल्प हैं। या तो पिछले सत्र में अच्छा प्रदर्शन करने अभिषेक पोरेल या फिर निरंतरता बनाए रखने में नाकाम रहे पृथ्वी साव पर भरोसा दिखाए।

इसके विपरीत ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क की अनुपस्थिति में भी कैपिटल्स की गेंदबाजी इकाई कहीं अधिक आश्वस्त दिखी। स्टार्क इस मैच के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी ने धीमी गेंदों का चतुराई से इस्तेमाल करना जारी रखा है और चोट के कारण काफी समय तक मैदान से बाहर रहे टी नटराजन ने लखनऊ के खिलाफ तीन विकेट लेकर अपना योगदान दिया, जबकि मुकेश कुमार ने किफायती गेंदबाजी की।

कुलदीप यादव और कप्तान अक्षर पटेल की स्पिन जोड़ी ने बीच के ओवरों में दबाव बनाए रखा, जिससे विरोधी टीम को कभी भी खुलकर खेलने का मौका नहीं मिला। दिल्ली की गेंदबाजों का सामना अब रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा जैसे बल्लेबाजों से होगा और इसलिए उन्हें अपनी गति में विविधता और स्पिन पर नियंत्रण रखने की जरूरत पड़ेगी।

मुंबई इंडियंस पिछले कई वर्षों से आईपीएल में अच्छी शुरुआत नहीं कर पा रहा था लेकिन इस बार उसने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ जीत हासिल करने पहले मैच में हार के 14 साल के सिलसिले को खत्म कर दिया जससे वह अधिक आत्मविश्वास के साथ इस मुकाबले में उतरेगा। रोहित ने 78 रन की तूफानी पारी खेलकर पुराने दिनों की याद दिला दी और टी20 क्रिकेट में शानदार वापसी की। उनके साथी सलामी बल्लेबाज रयान रिकेल्टन ने भी 81 रन की आक्रामक पारी खेलकर अच्छा सहयोग दिया। पूरी संभावना है कि वह टीम में अपनी जगह बरकरार रखेंगे। उन्हें अनुभवी क्विंटन डीकॉक की जगह टीम में शामिल किया गया था।

मुंबई की गेंदबाजी की बात करें तो शार्दुल ठाकुर ने तीन महत्वपूर्ण विकेट लिए, जबकि बुमराह और ट्रेंट बोल्ट ने कसी गेंदबाजी की। सूर्यकुमार की मांसपेशियों में खिंचाव के कारण मुंबई ने पिछले मैच में उनका इंपैक्ट कलियर के रूप में इस्तेमाल किया और यह देखना बाकी है कि क्या भारतीय टी20 टीम का कप्तान शनिवार को फिरोज शाह कोटला में पूरी भूमिका निभाने के लिए फिट हैं या नहीं।

टीम इस प्रकार हैः दिल्ली कैपिटल्सः अभिषेक पोरेल, केएल राहुल, नितीश राणा, समीर रिज़वी, ट्रिस्टन स्टब्स, अक्षर पटेल, आशुतोष शर्मा, दुष्मंथा चमीरा, कुलदीप यादव, मुकेश कुमार, विप्रज निगम, मिचेल स्टार्क, त्रिपुराना विजय, डेविड मिलर, औकिब नबी डार, पथुम निसांका, लुंगी एनगिडी, पृथ्वी साव, काइल जैमीसन, अजय जादव मंडल, टी नटराजन, माधव तिवारी, करुण नायर, साहिल पारख.

मुंबई इंडियंसः हार्दिक पंड्या (कप्तान), क्विंटन डीकॉक (विकेटकीपर), दानिश मालेवार, रॉबिन मिंज (विकेटकीपर), रयान रिकेल्टन (विकेटकीपर), शेरफ़ेन रदरफोर्ड, रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, अथर्व अंकोलेकर, राज बावा, कॉर्बिन बॉश, विल जैक्स, मयंक रावत, नमन धीर, मिचेल सेंटनर, शार्दुल ठाकुर, तिलक वर्मा, अश्विनी कुमार, ट्रेंट बोल्ट, जसप्रीत बुमराह, दीपक चाहर, एएम गजनफर, मयंक मार्कंडेय, मोहम्मद इज़हार, रघु शर्मा।

निकहत, प्रिया और प्रीति सेमीफाइनल में, भारत के तीन पदक पक्के

एजेंसी

उलानबटार। मंगोलिया के उलानबटार में एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप 2026 के पांचवें दिन, निकहत ज़रीन, प्रिया और प्रीति पवार ने शानदार जीत दर्ज करते हुए सेमीफाइनल में जगह बनाई, जिससे भारत के तीन पदक पक्के हो गए हैं।

भारतीय अभियान की अगुवाई करते हुए, निकहत ज़रीन महिलाओं के 51 किलोग्राम वर्ग के क्वार्टरफाइनल में पूरी तरह से हावी रहीं। उन्होंने अपने दबदबे भरे प्रदर्शन में पहले ही राउंड में आरएससी (रेफरी द्वारा मुकाबला रोकना) के आधार पर फिलीपींस की जियान बागुहिन को हरा दिया। अब सेमीफाइनल में उनका सामना अब तक की सबसे कठिन चुनौती से होगा, जब वे चीन की वू यू (पेरिस 2024 ओलंपिक की स्वर्ण पदक विजेता) के खिलाफ रिंग में उतरेंगी।

महिलाओं के 60 किलोग्राम वर्ग में, प्रिया ने संयम और रणनीतिक सूझबूझ का परिचय देते हुए चीन की चेंग्यू यांग को 4-1 से हराया और टूर्नामेंट में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। फाइनल में जगह बनाने के लिए अब उनका अगला मुकाबला मंगोलिया की नामून मोंखोर से होगा।

इस बीच, महिलाओं के 54 किलोग्राम वर्ग में, विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल की स्वर्ण पदक विजेता प्रीति पवार ने दिन का सबसे बेहतरीन प्रदर्शन किया। उन्होंने मंगोलिया की मुगुंटसेतसेग को 5-0 के सर्वसम्मत निर्णय से हराकर एकतरफा जीत दर्ज की।

सेमीफाइनल में प्रीति का सामना एक बेहद मजबूत प्रतिद्वंद्वी से होगा-कोरिया की इम एजी, जो पेरिस 2024 ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता और 2025 विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता हैं। यह मुकाबला बेहद रोमांचक होने की उम्मीद है। पुरुषों के 70 किलोग्राम वर्ग में, दीपक क्वार्टरफाइनल में जॉर्डन के ज़ियाद ईशाश से 1-4 से हारकर प्रतियोगिता से बाहर हो गए।

तीन पदक पहले ही पक्के हो जाने और फाइनल में जगह बनाने की दौड़ जारी रहने के साथ, इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता में भारत का अभियान लगातार गति पकड़ रहा है।

अभिषेक शर्मा पर मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना

एजेंसी

कोलकाता। सनराइजर्स हैदराबाद के उप कप्तान अभिषेक शर्मा पर कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ खेले गए मैच के दौरान आईपीएल आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए उनकी मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है और साथ ही उनके खाते में एक डिमेरिट अंक भी जोड़ा गया है। अभिषेक ने आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद 2.3 के तहत लेवल एक के उल्लंघन का अपराध स्वीकार किया और मैच रेफरी द्वारा दी गई सजा को मान लिया। आचार संहिता के लेवल एक के उल्लंघन के मामलों में मैच रेफरी का निर्णय अंतिम और बाध्यकारी होता है। अभिषेक ने 21 गेंदों में 48 रन बनाकर सनराइजर्स को शानदार शुरुआत दिलाई थी। सनराइजर्स ने यह मैच 65 रन से जीता जो उसकी मौजूदा टूर्नामेंट में पहली जीत भी है। अभिषेक ने अपनी पारी में चार चौके और इतने ही छक्के लगाए लेकिन टीवी अंपायर नितिन मेनन के फैसले पर असहमति जताने के लिए उन पर जुर्माना लगाया गया। वरुण चक्रवर्ती ने नौवें ओवर में ब्लेसिंग मुजरबानी की गेंद पर डाइव लगाकर अभिषेक का कैच लिया, लेकिन इस बात का कोई निर्णायक सबूत नहीं था कि कैच साफ तरीके से लिया गया था। लेकिन मेनन ने कैच को वैध करार दिया, जिस पर अभिषेक ने अपनी असहमति जताई थी।

रियल मैड्रिड को 6–0 से रौंदकर बार्सिलोना सेमीफ़ाइनल में

मैड्रिड। एफसी बार्सिलोना ने गुरुवार को दूसरे लेग में अपने घरेलू मैदान पर रियल मैड्रिड को 6-0 से रौंदकर महिला चैंपियंस लीग के सेमीफ़ाइनल में जगह बना ली है। कैंप नोउ में 60,000 से ज़्यादा फ़ैन्स ने बार्सिलोना का दबदबा देखा। यह मुक़ाबला पहले लेग में ही 6-2 की जीत के साथ लगभग तय हो चुका था, जो बार्सिलोना ने रियल मैड्रिड के घरेलू मैदान पर हासिल की थी। क्लब के लिए अपना 500वां मैच खेल रहीं अलेक्सिया पुटेलस ने आठवें मिनट में पहला गोल किया। उन्होंने यह गोल तब किया जब मीसा रोड्रिग्ज़ ने इवा पाजोर के शुरुआती शॉट को रोक दिया था। इसके बाद पुटेलस ने 15वें मिनट में कैरोलिन ग्राहम हानसेन को उनके दो गोलों में से पहला गोल करने में मदद की। फिर 27वें मिनट में इरीन परेडेस ने एक कॉर्नर किक पर हेडर से गोल करके स्कोर 3-0 कर दिया। 34वें मिनट में विक्की लोपेज़ ने पाजोर को क्रॉस दिया, जिस पर पाजोर ने फ़ार पोस्ट पर बार्सिलोना का चौथा गोल किया।

चार्ल्सटन ओपन : जेसिका पेगुला ने क्वार्टरफाइनल में बनाई जगह

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिका की शीर्ष वरीय और गत चैंपियन जेसिका पेगुला ने शानदार वापसी करते हुए एलिसाबेट्टा कोच्चियारेटो को हराकर चार्ल्सटन ओपन 2026 के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली। पेगुला ने यह मुकाबला 1-6, 6-1, 7-6 (7/1) से अपने नाम किया। यह मुकाबला बेहद रोमांचक रहा, जिसमें उन्हें जीत के लिए अंतिम सेट के टाईब्रेक तक संघर्ष करना पड़ा।

दुनिया की नंबर 5 टेनिस खिलाड़ी जेसिका पेगुला ने यह जीत उस मुकाबले के एक दिन बाद हासिल की, जिसमें उन्होंने कजाकिस्तान की यूलिया पुतिन्त्सेवा को तीन घंटे से अधिक चले मुकाबले में हराया था। यह जीत उनके लिए खास रही क्योंकि पिछले साल विंबलडन में एलिसाबेट्टा कोच्चियारेटो ने उन्हें हराकर बड़ा उलटफ़ेर किया था।

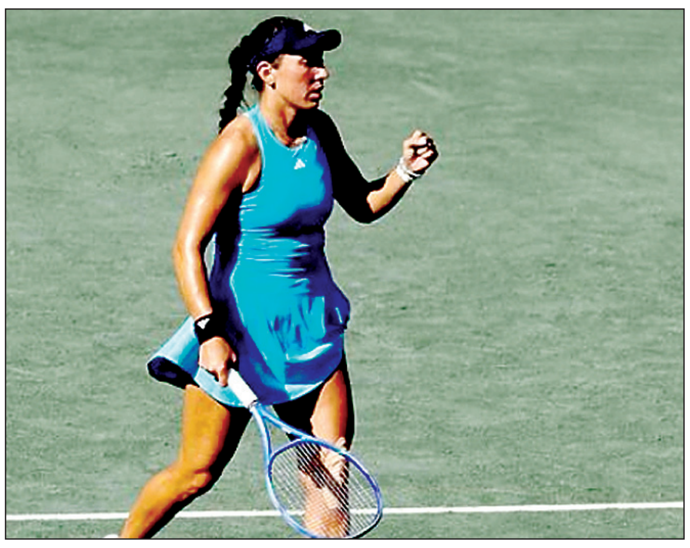

मुकाबले की शुरुआत में एलिसाबेट्टा कोच्चियारेटो ने शानदार खेल दिखाते हुए पहला सेट आसानी से जीत लिया। इस दौरान जेसिका पेगुला की सर्विस काफी कमजोर रही और वह पहले सेट में केवल 25 प्रतिशत फर्स्ट सर्व पॉइंट ही जीत सकीं। मैच के बाद उन्होंने अपने प्रदर्शन को लेकर निराशा भी जताई।

हालांकि दूसरे सेट में जेसिका पेगुला ने जोरदार वापसी की और मैच को बराबरी पर ला दिया। तीसरे सेट में उतार-चढ़ाव देखने को मिला, जहां वह एक समय 1-4 से पीछे चल रही थीं, लेकिन उन्होंने शानदार वापसी करते हुए स्कोर 4-4 कर दिया और मुकाबले को टाईब्रेक तक पहुंचाया।

निर्णायक टाईब्रेक में जेसिका पेगुला ने बेहतरीन खेल दिखाया और एलिसाबेट्टा कोच्चियारेटो की गलती का फायदा उठाते हुए मैच अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ उन्होंने पिछले साल की हार का बदला भी पूरा कर लिया।

अब क्वार्टरफाइनल में जेसिका पेगुला का सामना रूस की डायना श्नाइडर से होगा, जिन्होंने कनाडा की लेयला फर्नांडीज को 6-3, 6-0 से हराया। स्विट्जरलैंड की तीसरी वरीय बेलिंडा बेनसिच ने भी अगले दौर में जगह बनाई। उन्होंने चेक गणराज्य की सारा बेजलेक को 7-6 (7/4), 6-2 से हराया। अब उनका मुकाबला अमेरिका की मैडिसन कीज से होगा, जिन्होंने हंगरी की अन्ना बोंडार को 6-2, 7-5 से शिकस्त दी।

ईरानी तेल लेकर भारत आ रहा जहाज रास्ते में रुख बदल कर चीन की ओर बढ़ा

नई दिल्ली। अमेरिकी प्रतिबंधों के दायरे में आने वाला ईरानी कच्चे तेल से भरा एक टैंकर जो पहले भारत आने वाला था, वह अब बीच रास्ते में अपना रुख बदलकर चीन की ओर बढ़ रहा है। जहाज ट्रैकिंग कंपनी 'कप्लर' के अनुसार 'पिंग शुन' नाम का अफ्रामैक्स टैंकर गुजरात के वाडिनार के बजाय अब अपना गंतव्य चीन के दोंगयिंग को बता रहा है। इस टैंकर को 2002 में बनाया गया था जिसे 2025 में अमेरिका ने प्रतिबंधित कर दिया था। जहाज के ऑटोमैटिक आइडेंटिफिकेशन सिस्टम (एआईएस) में दर्ज गंतव्य अंतिम हो, यह हालांकि जरूरी नहीं है और यात्रा के दौरान इसमें बदलाव भी हो सकता है। 'कप्लर' के रिफाइनिंग एवं मॉडलिंग विभाग के प्रमुख विश्लेषक सुमित रिटोलिया ने कहा, '' पिछले तीन दिन से वाडिनार (भारत) की ओर बढ़ रहा ईरानी कच्चे तेल का जहाज 'पिंग शुन' भारत को गंतव्य सूची से हटाकर अब चीन का संकेत दे रहा है।

हमारे अपशिष्ट जल समाधान से उद्योग बचा सकते हैं 90–95 प्रतिशत पानी: केईपी इंजीनियरिंग

एजेंसी

नई दिल्ली। केईपी इंजीनियरिंग सर्विसेज ने शुक्रवार को कहा कि उसके एकीकृत अपशिष्ट जल प्रबंधन समाधान उद्योगों को 90-95 प्रतिशत तक अपशिष्ट जल पुनः प्राप्त करने में सक्षम बनाते है। इससे ताजे पानी पर निर्भरता कम होगी और परिचालन दक्षता बढ़ेगी। हैदराबाद स्थित कंपनी ने बयान में कहा कि उसके समाधान में 'एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट', 'जीरो लिक्विड डिस्चार्ज सिस्टम', 'मल्टी-इफ़ेक्ट इवेपोरेटर' और 'कंडेनसेट इंटीग्रेटेड गैस रिकवरी' शामिल हैं। इनके जरिये उद्योग अपनी करीब सभी प्रक्रिया और उपयोगिता जल का उपचार एवं पुनर्चक्रण (रिसाइकल) कर सकते हैं।

कंपनी के अनुसार, इन प्रणालियों के जरिये उपचारित पानी को कूलिंग टावर, उपयोगिताओं और अन्य गैर-पेय अनुप्रयोगों में दोबारा इस्तेमाल किया जा सकता है।

इससे औद्योगिक समूहों को लगभग सभी प्रक्रिया और उपयोग के पानी का उपचार और पुनर्चक्रण करने की सुविधा मिलती है। केईपी इंजीनियरिंग पेट्रोरसायन, रसायन, खाद्य व दुग्ध, वस्त्र, खनन, धातु, मोटर वाहन, कागज, दवा, चीनी व 'डिसैलिनेशन' जैसे उद्योगों को सेवाएं देती है। कंपनी के प्रबंध निदेशक मालू कांबले ने कहा, '' औद्योगिक तरल अपशिष्ट बोझ नहीं है बल्कि एक ऐसा संसाधन है जिसे सही तरीके से उपयोग में लाया जा सकता है।'' उन्होंने कहा, '' पानी की कमी इसलिए नहीं है क्योंकि वह अनुपलब्ध है; बल्कि इसलिए है क्योंकि जहां इसकी सबसे अधिक आवश्यकता है, वहां इसकी उपलब्धता सीमित है।

एनसीएल ने 2025–26 में रिकॉर्ड 13.7 करोड़ टन कोयले की आपूर्ति की

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी कोल इंडिया की इकाई एनसीएल ने शुक्रवार को कहा कि उसने वित्त वर्ष 2025-26 में बिजली और अन्य क्षेत्रों के अपने ग्राहकों को रिकॉर्ड 13.7 करोड़ टन कोयले की आपूर्ति की है। कंपनी ने कहा कि कुल कोयला प्रेषण में लगभग 86 प्रतिशत हिस्सा बिजली संयंत्रों को भेजा गया। नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल) ने एक बयान में कहा, ्रबदलते वैश्विक ऊर्जा हालात और देश में बिजली की बढ़ती मांग के बीच, एनसीएल के निरंतर प्रदर्शन ने देश की ऊर्जा सुरक्षा को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। राष्ट्रीय ऊर्जा सुरक्षा में अपना योगदान देते हुए एनसीएल ने वित्त वर्ष 2025-26 में बिजली क्षेत्र और अन्य उपभोक्ताओं को 13.7 करोड़ टन कोयला भेजा है। कंपनी ने 85.51 प्रतिशत कोयला पर्यावरण-अनुकूल माध्यमों से भेजा। एनसीएल ने 2025-26 में 14.05 करोड़ टन कोयले का उत्पादन किया, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 1.08 प्रतिशत अधिक है।

सेल ने 2025–26 में बिक्री उत्पादन में बनाये नये रिकॉर्ड

एजेंसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की सबसे बड़ी इस्पात उत्पादक कंपनी भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड (सेल) ने वित्त वर्ष 2025-26 में बिक्री और उत्पादन दोनों में अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है।

पूरे वित्त वर्ष के दौरान कंपनी ने 201.4 लाख टन की अब तब की सर्वाधिक बिक्री दर्ज की जो एक साल पहले के 180.7 लाख टन की तुलना में 11.5 प्रतिशत अधिक है।

कंपनी की गुरुवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि अपनी ब्रांड उपस्थिति और ग्राहकों तक पहुंच को मजबूत करते हुए हासिल की गयी यह वृद्धि व्यापक रही और सभी उत्पाद श्रेणियों में बिक्री में उछाल देखा गया।

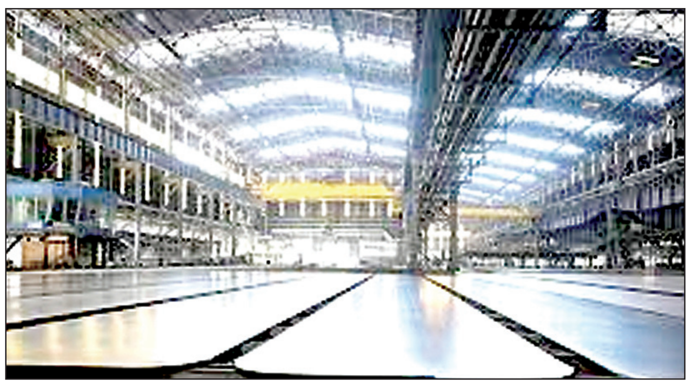

उत्पादन के मोर्चे पर, सेल ने 194.3 लाख टन का अपना सर्वश्रेष्ठ कच्चा इस्पात उत्पादन और 191.76 लाख टन का बिक्री योग्य इस्पात उत्पादन दर्ज किया, जिसने पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ दिये।

वित्त वर्ष के दौरान सेल ने भारतीय रेलवे को 12.5 लाख टन की रिकॉर्ड आपूर्ति की और अपनी यूनिवर्सल रेल मिल से अब तक का सबसे ज्यादा उत्पादन किया जो कंपनी की कार्यकुशलता और देश के रेल नेटवर्क को बढ़ाने में उसके रणनीतिक योगदान को दिखाता है।

कंपनी के निर्यात में भी 162 प्रतिशत की भारी बढ़त देखी गयी, जो 2.9 लाख टन तक पहुंच गया है। सेल ने अब भूटान समेत नये विदेशी बाजारों में भी अपना विस्तार किया है।

पश्चिम एशिया संकट के बीच ब्रेंट क्रूड का भाव पहुंचा 109 डॉलर के पार

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में चल रहे संकट से कच्चे तेल की कीमतों में तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिला रहा है। होर्मुज के जरिए तेल की सप्लाई में बाधा पैदा होने के कारण ब्रेंट क्रूड लगभग आठ फीसदी उछलकर 109.24 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में शुक्रवार को कारोबार के दौरान कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल दर्ज किया गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से ईरान पर अगले 2 से तीन हफ्तों में संभावित सैन्य कार्रवाई की चेतावनी के बाद कच्चे तेल की सप्लाई को लेकर चिंता बढ़ने से क्रूड ऑयल के दाम में तेजी आई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड फ्यूचर्स करीब आठ फीसदी उछलकर 109.24 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड फ्यूचर्स 111.54 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेड करता देखा गया। पश्चिम एशिया में जारी संकट से साप्ताहिक आधार पर भी कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। यूएस डब्ल्यूटीआई क्रूड में पिछले शुक्रवार के मुकाबले 11.94 फीसदी की मजबूत बढ़ोतरी दर्ज की गई। हालांकि, ब्रेंट क्रूड की कीमत में इसी अवधि के दौरान 3.14 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई, जो बाजार में अस्थिरता को दर्शाती है।

रिजर्व बैंक ने आरबीएल बैंक के अधिग्रहण के लिए एमिरेट्स एनबीडी बैंक को दी मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने दुबई के एमिरेट्स एनबीडी बैंक को आरबीएल बैंक में 74 फीसदी तक हिस्सेदारी खरीदने की मंजूरी दे दी है। इसके बाद बैंक को सब्सिडी मॉडल के तहत विदेशी बैंक के रूप में वर्गीकृत किया जाएगा।

आरबीएल बैंक ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि आरबीआई ने यह मंजूरी एक अप्रैल को दी, जिसकी वैधता एक वर्ष तक रहेगी। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के दूसरे सबसे बड़े बैंक एमिरेट्स एनबीडी ने अक्टूबर 2025 में आरबीएल बैंक में 60 फीसदी की हिस्सेदारी करीब 26,853 करोड़ रुपये में खरीदने का प्रस्ताव पेश किया था, जिसके बाद यह मंजूरी दी गई है।

आरबीआई की मंजूरी पत्र के अनुसार एमिरेट्स एनबीडी (ईएनबीडी) को आरबीएल बैंक की चुकता पूंजी का कम

से कम 51 फीसदी हिस्सा बनाए रखना होगा। रिजर्व बैंक ने भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के नियमों के अधीन ईएनबीडी को आरबीएल बैंक का प्रवर्तक वर्गीकृत करने पर भी कोई आपत्ति नहीं जताई है, लेकिन कहा कि बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 12(2) के तहत ईएनबीडी के मताधिकार को आरबीएल बैंक के कुल मतदान अधिकारों के 26 फीसदी तक सीमित रखा जाएगा।

ईएनबीडी को 'सिंगल मोड ऑफ प्रेजेंस' की शर्त से अस्थायी छूट दी गई है, जब तक कि भारत में उसकी शाखाओं का आरबीएल बैंक के साथ विलय नहीं हो जाता या अधिकतम एक वर्ष की अवधि पूरी नहीं हो जाती। आरबीआई ने स्पष्ट किया कि यह मंजूरी भारत सरकार से 49 प्रतिशत से अधिक निवेश के लिए आवश्यक स्वीकृति, बैंकिंग विनियमन अधिनियम 1949, विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फ़ेमा) 1999, सेबी नियमों तथा अन्य लागू नियमों के अनुपालन के अधीन होगी।

इस प्रस्तावित सौदे को अभी अन्य नियामकीय मंजूरियां और 18 अक्टूबर, 2025 को निवेशक एवं बैंक के बीच हुए निवेश समझौते में उल्लिखित शर्तों को भी पूरा करना होगा। इससे पहले जनवरी में प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने भी एमिरेट्स एनबीडी बैंक के आरबीएल बैंक में बहुलांश हिस्सेदारी खरीदने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी थी।

आरबीआई ने जारी एक बयान में कहा कि ऐसे बैंक पर पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी मॉडल के तहत संचालित विदेशी बैंकों के लिए नियत प्रावधान लागू होंगे। हालांकि, निदेशक मंडल बैठकों में उपस्थित निदेशकों में कम से कम आधे स्वतंत्र निदेशक होने की शर्त इस पर लागू नहीं होगी। बैंक को अपने 'आर्टिकल्स ऑफ एसोसिएशन' में आवश्यक संशोधन कर आरबीआई से मंजूरी लेने को कहा गया है और बैंक इस दिशा में आवश्यक कदम उठाएगा।

उज्जैन में विज्ञान, संस्कृति और आध्यात्मिकता का अद्भुत समन्वय : धर्मेंद्र प्रधान

एजेंसी

भोपाल। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि उज्जैन वह स्थान है जहां अध्यात्म और विज्ञान के बीच की दूरी समाप्त हो जाती है और एक नई दृष्टि का जन्म होता है। भारत के जितने भी प्रमुख आध्यात्मिक केंद्र हैं, चाहे वह उज्जैन हो, काशी हो, कांची हो या पुरी धाम, सभी भारतीय ज्ञान परंपरा पर आधारित ऐसी 'जीती-जागती प्रयोगशालाएं' हैं, जहां विज्ञान, कला, संस्कृति, साहित्य और आध्यात्मिकता का अद्भुत समन्वय मिलता है। केंद्रीय मंत्री प्रधान शुक्रवार को मध्य प्रदेश के उज्जैन में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 'महाकालः द मास्टर ऑफ टाइम' के शुभारंभ सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने महाकालः द मास्टर ऑफ टाइम अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पधारे विद्वानों और विशेषज्ञों का स्वागत अभिनंदन किया। इस दौरान उन्होंने विज्ञान और आध्यात्मिकता के अटूट संबंध पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि विज्ञान आध्यात्मिकता के बिना अधूरा है और इसका सबसे सटीक उदाहरण स्वयं उज्जैन नगरी और महाकाल मंदिर की व्यवस्थाओं में दिखाई देता है।

❒ उज्जैन में 'महाकाल द मास्टर ऑफ टाइम' इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस का शुभारंभ

केंद्रीय मंत्री प्रधान ने महाकाल मंदिर के एक वैज्ञानिक अनुष्ठान का उल्लेख करते हुए बताया कि वैशाख मास के पहले दिन से भगवान शिव के ऊपर मटके से निरंतर जल की धारा प्रवाहित करने की व्यवस्था केवल एक धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि ग्रीष्मकाल की चुनौतियों का एक वैज्ञानिक समाधान और पर्यावरणीय प्रबंधन है। यह दर्शाता है कि हमारा समाज सदियों से काल गणना और प्रकृति के बदलावों के अनुसार अपनी जीवनशैली को ढालने की वैज्ञानिक समझ रखता था। भारतीय ज्ञान परंपरा में पर्यावरण के प्रति उत्तरदायित्व और संतुलित जीवन प्रवाह हमेशा से केंद्र में रहा है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उज्जैन वह स्थान है जहाँ से कर्क रेखा गुजरती है और यहीं से प्राचीन काल में दुनिया की काल गणना होती थी, इसलिए अब समय आ गया है कि हम 'ग्रीनविच मीन टाइम' (जीएमटी) के स्थान पर 'महाकाल स्टैंडर्ड टाइम' (एमएसटी) की तार्किक

स्थापना करें। उन्होंने कहा कि आधुनिक एआई उपकरण भी यह स्वीकार करते हैं कि काल गणना का मूल केंद्र उज्जैन के आसपास का क्षेत्र है, अतः हमें अपने वैज्ञानिक स्वाभिमान को वैश्विक स्तर पर पुनः स्थापित करना होगा और यह इस विमर्श का मुख्य उद्देश्य है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि उज्जैन धर्म की नगरी होने के साथ विज्ञान की भी नगरी है। उज्जैन की माटी में विज्ञान, गणित, खगोल और ब्रह्मांड चिंतन सदियों से विद्यमान है। उज्जैन काल गणना का केंद्र रहा है, जहां प्राचीन काल में सूर्य की छाया से समय नापने की कला विकसित हुई। प्राचीन भारतीय भूगोल के अनुसार उज्जैन कर्क रेखा पर स्थित है और इसे पृथ्वी का मध्य बिंदु माना जाता था। ग्रीनविच के वैश्विक मानक के अस्तित्व में आने से सदियों पहले शून्य देशांतर रेखा पावन नगरी उज्जैन से होकर गुजरती थी। जब पश्चिम में खगोल शास्त्र का ज्ञान भी नहीं था तब उज्जैन के ज्योतिषी और विद्वान काल गणना कर नक्षत्रों की स्थिति बता रहे थे।

प्रख्यात चिंतक एवं लेखक सुरेश सोनी ने कहा कि भारतीय संस्कृति में काल (समय) की अवधारणा अत्यंत गहन और वैज्ञानिक है। भारतीय कालगणना खगोलीय पिंडों की गति, ऋतु चक्र और प्रकृति के नियमों से जुड़ी हुई है। उन्होंने कहा कि भविष्य की समग्र प्रगति के लिए विज्ञान एवं तकनीक, कला, अध्यात्म, सामाजिकता और सामाजिक अर्थशास्त्र के बीच संतुलित समन्वय आवश्यक है। उज्जैन में स्थापित कालयंत्र इस प्राचीन वैज्ञानिक परंपरा और आधुनिक तकनीक के समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने युवाओं से भारतीय वैज्ञानिक विरासत को समझने, प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर जीवन जीने और विज्ञान को मानवीय मूल्यों से जोड़ने का आह्वान किया।

विद्यार्थी विज्ञान मंथन की वेबसाइट, ब्रोशर एवं पुस्तिका का किया विमोचन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव और केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रधान ने विद्यार्थी विज्ञान मंथन की वेबसाइट, ब्रोशर एवं पुस्तिका का विमोचन किया। कार्यक्रम में वैज्ञानिक नेतृत्व को तैयार करने की दिशा में विकसित बहु-स्तरीय मूल्यांकन प्रणाली पर आधारित एक वीडियो फिल्म भी प्रदर्शित की गयी।

सिंहस्थ 2028 के लिए उज्जैन में विकास कार्यों का किया भूमि-पूजन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव एवं केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रधान ने उज्जैन में मध्यप्रदेश पर्यटन की इकाई 'सम्राट विक्रमादित्य द हेरिटेज' की विस्तार परियोजना का भूमि-पूजन किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 701.86 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले 19.80 किमी लंबे उज्जैन सिंहस्थ बाइपास (4-लेन) सड़क निर्माण कार्य का भूमि-पूजन भी किया। इस परियोजना से लगभग 5 लाख लोगों एवं सिंहस्थ 2028 में आने वाले श्रद्धालुओं को लाभ होगा।

नव-निर्मित उज्जैन साइंस सेंटर का किया लोकार्पण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव और केन्द्रीय मंत्री प्रधान ने उज्जैन में 15 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से नव-निर्मित उज्जैन साइंस सेंटर का लोकार्पण कर विज्ञान केंद्र के फोल्डर का विमोचन किया। इसमें गैलरी ऑन साइंस, आउटडोर साइंस पार्क, इनोवेशन एवं स्टुडेंट एक्टिविटी हॉल, हेरिटेज थीम आधारित गैलरी और एग्जिबिट डेवलपमेंट लैब जैसी सुविधाएं विकसित की गई हैं। इससे विद्यार्थियों, शोधार्थियों और आमजन में वैज्ञानिक सोच को प्रोत्साहन मिलेगा।

नीति आयोग के सदस्य एवं प्रख्यात वैज्ञानिक डॉ. वी. के. सारस्वत ने कहा कि उज्जैन प्राचीन काल से कालगणना और खगोल विज्ञान का प्रमुख केंद्र रहा है। उन्होंने वैदिक ज्ञान और आधुनिक विज्ञान के समन्वय को 'विकसित भारतअ2047' के लक्ष्य की दिशा में महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन, स्वच्छ ऊर्जा और खाद्य सुरक्षा जैसी चुनौतियों का समाधान नवाचार और स्वदेशी अनुसंधान से ही संभव है।

विज्ञान भारती के राष्ट्रीय संगठन मंत्री शिव कुमार शर्मा ने कहा कि यह आयोजन विज्ञान एवं तकनीकी शिक्षा में नए प्रतिमान स्थापित कर रहा है। शिक्षा केवल जानकारी का माध्यम नहीं, बल्कि समाज को परिवर्तनकारी दृष्टि देने का साधन है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के 'लर्निंग बाइ डूइंग' सिद्धांत के तहत 'विद्यार्थी विज्ञान मंथन 2026-27' का शुभारंभ किया गया, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों में भारतीय ज्ञान परंपरा के प्रति गौरव भाव जगाते हुए वैज्ञानिक दृष्टिकोण और नवाचार क्षमता का विकास करना है।

मप्र के कांग्रेस विधायक राजेंद्र भारती की विधान सभा सदस्यता खत्म

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के दतिया से कांग्रेस विधायक राजेंद्र भारती की विधानसभा की सदस्यता खत्म कर दी गई है। इस संबंध में शुक्रवार को विधानसभा सचिवालय ने आदेश जारी कर दिया।जारी आदेश में कहा गया है कि मध्य प्रदेश की सोलहवीं विधान सभा के निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक 22-दतिया से निर्वाचित सदस्य राजेन्द्र भारती के विरुद्ध विशेष न्यायाधीश दिग्विजय सिंह (पीसी एक्ट) सीबीआई 09 (सांसद/विधायक मामले) राउज एवेन्यू जिला न्यायालय, नई दिल्ली द्वारा प्रकरण क्रमांक एससी-06-2025 पर पारित निर्णय दिनांक 02 अप्रैल, 2026 द्वारा अपराध सिद्ध होने के फलस्वरूप तीन वर्ष के कारावास एवं एक लाख रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया।

इस कारण उच्चतम न्यायालय के आदेश दिनांक 10 जुलाई, 2013 के पालन में

संविधान के अनुच्छेद 191 (1) (ङ) सहपठित लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 8 के तहत राजेन्द्र भारती उक्त तिथि 02 अप्रैल, 2026 से विधान सभा की सदस्यता से निरर्हित हो गए हैं। अतएव मध्य प्रदेश विधान सभा में एक स्थान रिक्त हो गया है। न्यायालय द्वारा पारित निर्णय के तारतम्य में मध्य प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष द्वारा रिक्तता संबंधी आदेश जारी किया गया है। उक्त जारी आदेश के पालन में दिनांक 2 अप्रैल 2026 को मध्य प्रदेश राजपत्र में सूचना प्रकाशित की गई है।

गौरतलब है कि दतिया से कांग्रेस विधायक राजेंद्र भारती को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने एफडी फर्जीवाड़े के मामले में 3 साल की सजा सुनाई है। यह मामला उस समय का है जब वे जिला सहकारी कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक के अध्यक्ष थे। आरोपों के अनुसार के बैंक के रिकॉर्ड और एफडी दस्तावेजों में हेरफ़ेर की गई। अवधि और ब्याज दर में बदलाव कर अवैध लाभ लिया गया और लगभग लाखों रुपये का अनुचित लाभ प्राप्त किया गया।

कोर्ट ने इस मामले में भारती के साथ एक अन्य आरोपित को भी दोषी ठहराते हुए जुर्माना लगाया है। हालांकि अदालत ने सजा सुनाने के साथ ही कुछ राहत भी दी है। अदालत ने तीन साल की सजा सुनाने के साथ ही उन्हें जमानत दे दी है, जिससे उन्हें तुरंत जेल नहीं जाना पड़ेगा। हालांकि कानून के मुताबिक, दो साल या उससे अधिक की सजा होने पर जनप्रतिनिधि की सदस्यता खत्म कर दी जाती है।

जनजातीय युवाओं की खेल प्रतिभा राष्ट्र की अमूल्य पूंजी : राष्ट्रपति

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने देश के युवाओं, विशेषकर जनजातीय समुदाय के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को राष्ट्र की अमूल्य सामाजिक पूंजी बताते हुए उन्हें खेलों में सक्रिय भागीदारी और उत्कृष्टता की दिशा में आगे बढ़ने का आह्वान किया है। एक लेख के माध्यम से अपने विचार साझा करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि भारत के ग्रामीण और वन क्षेत्रों में मौजूद प्राकृतिक प्रतिभा को उचित प्रशिक्षण और संसाधनों के जरिए निखारकर देश खेल जगत में नए कीर्तिमान स्थापित कर सकता है।

राष्ट्रपति ने जनजातीय क्षेत्रों के बच्चों की सहज खेल प्रतिभा का उल्लेख करते हुए कहा कि ये बच्चे सीमित संसाधनों के बावजूद प्रकृति के बीच अपने खेल संसार का निर्माण कर लेते हैं। मिट्टी, पेड़ों, बीजों और अन्य प्राकृतिक वस्तुओं का उपयोग करके वे खेल के साधन तैयार करते हैं और पूरे उत्साह के साथ खेलते हैं। उन्होंने कहा कि यह स्वाभाविक रुझान और ऊर्जा यदि आधुनिक प्रशिक्षण और सुविधाओं से जुड़

जाए, तो यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफलता दिलाने में सक्षम है।

उन्होंने उदाहरण देते हुए ओडिशा की 15 वर्षीय खिलाड़ी अंजलि मुंडा का उल्लेख किया, जिसने 'खेलो इंडिया जनजातीय खेल 2026' में शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन स्वर्ण पदक जीते और देशभर के युवाओं को प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि ऐसी उपलब्धियां यह साबित करती हैं कि जनजातीय क्षेत्रों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, जरूरत है तो उसे पहचानने और सही दिशा देने की।

राष्ट्रपति ने ऐतिहासिक संदर्भों का उल्लेख करते हुए कहा कि जनजातीय समाज में तीरंदाजी जैसी खेल विधाओं की परंपरा अत्यंत प्राचीन और समृद्ध रही है। उन्होंने 'संताथ हूल' जैसे ऐतिहासिक आंदोलनों का जिक्र करते हुए बताया कि उस समय भी जनजातीय वीरों के युद्ध कौशल, विशेषकर तीरंदाजी की प्रशंसा की गई थी। साथ ही उन्होंने एकलव्य को प्रेरणा स्रोत बताते हुए कहा कि उनकी महानता आज भी देश के युवाओं को प्रेरित करती है।मुर्मु ने यह भी बताया कि सरकार द्वारा चलाए जा रहे प्रयासों के साथ-साथ व्यक्तिगत और सामुदायिक स्तर पर किए जा रहे छोटे-छोटे प्रयास भी जनजातीय प्रतिभाओं को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने अपने व्यक्तिगत अनुभव साझा करते हुए बताया कि उनके गांव में भी वंचित वर्गों के बच्चों के लिए एक आवासीय विद्यालय स्थापित किया गया है, जहां खेल प्रशिक्षण की सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

उन्होंने कहा कि खेल केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं है, बल्कि यह सामाजिक समरसता, टीम भावना और आत्मविश्वास को भी विकसित करता है। खेलों के माध्यम से युवाओं को आर्थिक आत्मनिर्भरता और सामाजिक सम्मान भी प्राप्त हो सकता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि खेलों में प्रतिस्पर्धा के साथ-साथ आपसी मित्रता और सहयोग की भावना भी विकसित होती है, जो समाज को मजबूत बनाती है।

राष्ट्रपति ने 'खेलो इंडिया' अभियान की सराहना करते हुए कहा कि इस पहल ने देश में खेल संस्कृति को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

'पंचायत' के छह साल हुए पूरे, सीजन 5 का ऐलान

एजेंसी

मुंबई। प्राइम वीडियो आज तीन अप्रैल 2020 को 'पंचायत' सीजन 1 की लॉन्चिंग के छह साल पूरे होने का जश्न मना रहा है। प्राइम वीडियो ने इस खास मौके पर आधिकारिक तौर पर सीरीज के सबसे ज्यादा इंतज़ार किए जाने वाले 'सीजन 5' की शूटिंग शुरू होने का ऐलान कर दिया है। वर्ष 2020 में अपनी शुरुआत के बाद से, 'पंचायत' लगातार इंडिया की सबसे चहेती सीरीज में से एक बनी हुई है और हर सीजन के साथ इसने लोगों का दिल जीता है। खासकर सीजन 4 ने दर्शकों को इस कदर बांधे रखा जैसा पहले कभी नहीं देखा गया था। अपने पहले ही महीने में सीजन 4 ने रिकॉर्ड तोड़ कामयाबी हासिल की और लॉन्चिंग हफ्ते के दौरान इस फ्रेंचाइजी के इतिहास की सबसे बड़ी ओपनिंग दी। रिलीज के पहले ही दिन सीजन 4 अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, यूनाइटेड किंगडम और

यूएई समेत 42 से ज्यादा देशों में 'टॉप 10' टाइटल्स में ट्रेंड कर रहा था। लॉन्चिंग हफ्ते के दौरान इसे भारत के 95 प्रतिशत पिन कोड्स और 180 से ज्यादा देशों के दर्शकों ने देखा। फैंस के इसी बेमिसाल प्यार ने नए सीजन को लाने के जोश को और बढ़ा दिया है,जो एक बार फिर दिल छू लेने वाली कहानी और बेहतरीन परफॉर्मेंस के साथ एक शानदार सफर का वादा करता है।

सीजन 4 के उस ज़बरदस्त क्लाइमेक्स के बाद, फैंस बेसब्री से अपने पसंदीदा फुलेरा में वापसी का इंतजार कर रहे हैं। पिछला सीजन वहां खत्म हुआ था जहां सचिव जी अपने 'कैट' रिजल्ट के बाद अपना अगला कदम तय कर रहे थे, मंजू देवी पंचायत चुनाव में मिली हार के झटके से उबरने की कोशिश कर रही थीं, और प्रधान जी इस नतीजे से पूरी तरह हिल गए थे। सीजन 5 अब इसी तनावपूर्ण मोड़ से आगे बढ़ने के लिए पूरी तरह तैयार है, जिसमें फुलेरा स्टाइल के ह्यूमर, ड्रामा और दिल छू लेने वाले पलों के साथ कई नए ट्विस्ट और टर्न्स देखने को मिलेंगे।

द वायरल फीवर द्वारा प्रोड्यूस की गई 'पंचायत' सीजन 5 को दीपक कुमार मिश्रा और चंदन कुमार ने मिलकर क्रिएट किया है, जिसे चंदन कुमार ने लिखा है और दीपक कुमार मिश्रा ने डायरेक्ट किया है। इस सीजन में जितेंद्र कुमार, नीना गुप्ता, रघुबीर यादव, फैसल मलिक, चंदन रॉय, सांविका, दुर्गेश कुमार, सुनीता राजवार और पंकज झा जैसे इसके मशहूर कलाकार एक बार फिर साथ नजर आएंगे।

कलियुग राइजिंग: भारत की एआई फिल्म ने रचा इतिहास, ग्लोबल टॉप 10 में बनाई जगह

एजेंसी

मुंबई। कलियुग राइजिंग- द बिगिनिंग ने प्रतिष्ठित हिग्सफील्ड मेक योर एक्शन प्रतियोगिता में शीर्ष 10 में स्थान हासिल किया। 100 से अधिक देशों से आई 9,000 से अधिक प्रविष्टियों में से वैश्विक स्तर पर 9वां स्थान प्राप्त करते हुए, यह उपलब्धि हासिल करने वाली एकमात्र भारतीय एआई फिल्म बनी।यह परियोजना कृत्रिम बुद्धिमत्ता-प्रथम रचनात्मक स्टूडियो इमैजिन इफ और फिल्म निर्माता प्रतया साहा को एक साथ लाती है, जहां कहानी कहने की महत्वाकांक्षा और अत्याधुनिक तकनीक का संगम होता है। जो शुरुआत में एआई की रचनात्मक क्षमता की खोज के रूप में शुरू हुआ था, वह तेजी से वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त सिनेमाई कहानी

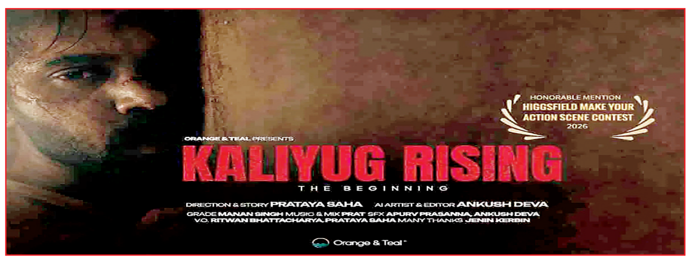

कहने का एक मानक बन गया। कलियुग राइजिंग ऽ द बिगिनिंग के साथ शुरू हुआ इमैजिन इफ, एक वायरल रचनात्मक यात्रा के विकास को दर्शाता है, जो अब एक पूर्ण कृत्रिम बुद्धिमत्ता-प्रथम स्टूडियो बन चुका है। यह परियोजना प्रारंभिक प्रयोगात्मक वीडियो से विकसित हुई, जिन्हें कुछ ही हफ्तों में छह करोड़ से अधिक बार देखा गया और इसी ने एक ऐसे स्टूडियो की नींव रखी, जो इस विश्वास पर आधारित है कि एआई वैश्विक सिनेमाई स्तर पर कहानियों को सशक्त बना सकता है।इसके केंद्र में एक मजबूत रचनात्मक टीम है। प्रतया साहा (लेखक/निर्देशक), कृष्णा (संस्थापक, इमैजिन इफ), और कृत्रिम बुद्धिमत्ता कलाकार अंकुश देवा, जो मिलकर एआई के माध्यम से कथात्मक फिल्म निर्माण की सीमाओं को आगे बढ़ा रहे हैं, साथ ही यथार्थवाद और कहानी को प्राथमिकता दे रहे हैं।

रितेश देशमुख का सपना था कि वह शिवाजी महाराज पर फिल्म बनाएं : अभिषेक बच्चन

एजेंसी

मुंबई। बॉलीवुड स्टार अभिषेक बच्चन ने बताया कि यह रितेश देशमुख का सपना था कि वह शिवाजी महाराज पर फिल्म बनाएं। जियो स्टूडियोज और मुंबई फिल्म कंपनी की फिल्म 'राजा शिवाजी' में रितेश देशमुख और अभिषेक बच्चन पहली बार साथ नजर आएंगे। यह फिल्म अभिषेक बच्चन के लिए खास है क्योंकि यह उनकी पहली मराठी फिल्म है। इसमें वह योद्धा संभाजी शाहाजी राजे भोसले का किरदार निभा रहे हैं, जो छत्रपति शिवाजी महाराज के बड़े भाई थे। हाल ही में फिल्म का पहला टीज़र रिलीज हुआ, जिसमें अभिषेक बच्चन एक दमदार और अलग अंदाज में नजर आ रहे हैं। वह योद्धा के रूप में युद्ध के मैदान में दिखाई देते हैं और अपने भाई शिवाजी महाराज के साथ उनके रिश्ते को भी दिखाया गया है। अभिषेक बच्चन ने बताया कि यह रितेश देशमुख का सपना था कि वह शिवाजी महाराज पर फिल्म बनाएं। उन्होंने कहा कि उनकी और रितेश की दोस्ती करीब 25 साल पुरानी है, जब वे लातूर में फिल्म 'जमीन' की शूटिंग कर रहे थे। वहीं से दोनों की दोस्ती शुरू हुई और बाद में कई फिल्मों में साथ काम किया।उन्होंने बताया कि एक बार रितेश ने अपने घर पर उन्हें बताया था कि वह सिर्फ एक्टिंग ही नहीं, बल्कि डायरेक्शन में भी कुछ बड़ा करना चाहते हैं और शिवाजी महाराज पर फिल्म बनाना उनका सपना है।

64 वर्ष की हुयी जया प्रदा

एजेंसी

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री जया प्रदा आज 64 वर्ष की हो गयी। जया प्रदा का मूल नाम ललिता रानी है। उनका जन्म आंध्र प्रदेश के एक छोटे से गांव राजमुंदरी में 03 अप्रेल 1962 को एक मध्यमवर्गीय परिवार में हुआ। उनके पिता कृष्णा तेलूगु फिल्मों के वितरक थे। बचपन से ही जयाप्रदा का रूझान नृत्य की ओर था। उनकी मां नीलावनी ने नृत्य के प्रति उनके बढ़ते रूझान को देख लिया और उन्हें नृत्य सीखने के लिए दाखिला दिला दिया। चौदह वर्ष की उम्र में जयाप्रदा को अपने स्कूल में नृत्य कार्यक्रम पेश करने का मौका मिला। जिसे देखकर एक फिल्म निर्देशक उनसे काफी प्रभावित हुए और अपनी फिल्म भूमिकोसम में उनसे नृत्य करने की पेशकश की लेकिन उन्होंने इस प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया। बाद में अपने माता-पिता के जोर देने पर जयाप्रदा ने फिल्म में नृत्य करना स्वीकार

कर लिया।इस फिल्म के लिए जयाप्रदा को पारश्रमिक के रूप में महज 10 रुपए प्राप्त हुए लेकिन उनके तीन मिनट के नृत्य को देखकर दक्षिण भारत के कई फिल्म निर्माता -निर्देशक काफी प्रभावित हुये और उनसे अपनी फिल्मों में काम करने की पेशकश की जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया।

वर्ष 1976 जयाप्रदा के सिने करियर का महत्वपूर्ण वर्ष साबित हुआ। इस वर्ष उन्होंने के. बालचंद्रन की अंथुलेनी कथा के. विश्वनाथ की श्री श्री मुभा और वृहत पैमाने पर बनी एक धार्मिक फिल्म सीता कल्याणम में सीता की भूमिका निभाई। इन फिल्मों की सफलता के बाद जयाप्रदा दक्षिण भारत में अभिनेत्री के रूप में अपनी पहचान बनाने में कामयाब हो गई।वर्ष 1977 में जयाप्रदा के सिने कैरियर की एक और महत्वपूर्ण फिल्म आदावी रामाडु प्रदर्शित हुयी। जिसने टिकट खिड़की पर नए कीर्तिमान स्थापित किए। इस फिल्म में उन्होंने अभिनेता एन.टी. रामाराव के साथ काम किया और शोहरत की बुलंदियों पर जा पहुंचीं।

वर्ष 1979 में के. विश्वनाथ की श्री श्री मुवा की हिंदी में रिमेक फिल्म सरगम के जरिये जयाप्रदा ने हिंदी फिल्म जगत में भी कदम रखा। इस फिल्म की सफलता के बाद वह रातों रात हिंदी सिनेमा जगत में अपनी पहचान बनाने में कामयाब हो गई और अपने दमदार अभिनय के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के फिल्म फ़ेयर पुरस्कार से नामांकित भी की गई।सरगम की सफलता के बाद जयाप्रदा ने लोक परलोक, टक्कर, टैक्सी ड्राइवर और प्यारा तराना जैसी कई दोयम दर्जे की फिल्मों में काम किया लेकिन इनमें से कोई फिल्म टिकट खिड़की पर सफल नहीं हुयी। इस बीच जयाप्रदा ने दक्षिण भारतीय फिल्मों में काम करना जारी रखा।